भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

का

निष्कर्ष बजट

2009-2010

विषय-सूची

अध्याय सं.	विषय	पृष्ठ सं.
I.	**निष्पादन सारांश**	**(i) से (iv)**
	प्रस्तावना	**1-8**
	1. उद्देश्य	1
	2. कार्यक्रम	1-2
	3. संगठन	2-3
	4. इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम/सरकारी प्रबंधन की कंपनियां	3-8
II.	**निष्कर्ष बजट (2009-2010) - प्रमुख योजनाएं**	**9-26**
III.	**सुधार उपाय और नीतिगत पहल**	**27-40**
	1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण	27-28
	2. राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005	28-30
	3. राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 का कार्यान्वयन	30
	4. इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल	30-37
	5. इस्पात उद्योग कार्यदल की सिफारिशें	37-40
	6. नीतिगत पहलों से निष्कर्ष बजट की संगतता	40
IV.	**पिछले निष्पादन की समीक्षा-निष्कर्ष बजट 2008-09**	**41-62**
V.	**वित्तीय समीक्षा**	**63-72**
	1. वर्ष 2009-2010 के लिए निधि की कुल आवश्यकता	63
	2. गैर-योजना व्यय	63-64
	3. योजना व्यय	65
	4. वास्तविक व्यय -2005-06 से 2008-09	66
	5. 2009-2010 के लिए वार्षिक योजना परिव्यय	67-70
	6. 11वीं योजना के प्रथम दो वर्षों (अर्थात 2007-08 और 2008-2009) के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय	70-72
	7. बकाया उपयोग प्रमाण-पत्रों की स्थिति	72
	8. खर्च नहीं किये गये शेष की स्थिति	72
VI.	**इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों का वास्तविक व वित्तीय निष्पादन**	**73-93**

****

निष्पादन सारांश

इस्पात मंत्रालय के निष्पादन बजट मंत्रालय की विशिष्ट भूमिका और उद्देश्यों की पूर्ति हेतु तैयार किए गए कार्यक्रमों, परियोजनाओं और गतिविधियों तथा इस्पात मंत्रालय तथा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के निष्कर्ष पर प्रकाश डालता है। इस दस्तावेज में पिछले वर्षों के लिए वास्तविक और वित्तीय लक्ष्यों, उपलब्धियों और चालू वर्ष 2009-2010 के लिए अनुमानों का विवरण भी दिया गया है।

अध्याय-। में इस्पात मंत्रालय के संगठनात्मक ढांचे और उद्देश्यों, मुख्य कार्यक्रमों के वर्गीकरण और इनसे सम्बद्ध कार्यान्वयन एजेंसियों की संक्षिप्त जानकारी दी गई है।

अध्याय-।। में मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के संबंध में परिव्यय तथा निष्कर्षों/लक्ष्यों का विवरण दिया गया है। चूंकि सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाएं/परियोजनाएं बहुत अधिक हैं तथा प्रकृति में भिन्न-भिन्न हैं और अधिकांशत: उनके दिन-प्रतिदिन के प्रचालनों से संबंधित हैं, अत: 50 करोड़ रूपए और इससे अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली केवल प्रमुख योजनाओं को ही इस विवरण में शामिल किया गया है। वर्ष 2009-2010 के लिए ऐसी 57 प्रमुख योजनाओं, (56 योजनागत योजनाएं तथा 1 गैर-योजनागत योजना) को निष्कर्ष बजट में शामिल किया गया है। इन 55 योजनागत योजनाओं को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (33 योजनाएं), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (14 योजनाएं), केआईओसीएल लिमिटेड (5 योजनाएं) और एनएमडीसी लि. (2 योजनाएं) और मैंगनीज ओर इंडिया लि. (1 योजना) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है और इन योजनाओं पर होने वाले पूरे व्यय की पूर्ति संबंधित उपक्रमों के आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से की जाएगी। अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए 1 योजना को इस्पात मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। एक मात्र प्रमुख गैर-योजनागत योजना हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना के कार्यान्वयन हेतु कंपनी द्वारा वाणिज्यिक बैंकों से लिए गए ऋणों हेतु ब्याज इमदाद उपलब्ध करवाने के लिए है। इन 57 प्रमुख योजनाओं के संबंध में अनुमानित/मंजूर लागत, वर्ष 2009- 2010 के लिए परिव्यय, प्रक्रियाओं/टाइमलाइन्स, जोखिम घटकों, अनुमानित वास्तविक उत्पादन तथा अनुमानित निष्कर्ष इस विवरण में दिए गए हैं।

अध्याय- III में इस्पात मंत्रालय द्वारा किए गए सुधारात्मक उपायों और नीतिपरक पहलों का विवरण दिया गया है। इस अध्याय में सरकार द्वारा भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए उदारीकरण के बाद किए गए महत्वपूर्ण नीतिपरक उपायों का ब्यौरा दिया गया है। इस संबंध में इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई एक महत्वूपर्ण नीतिपरक पहल राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2005 की घोषणा है। राष्ट्रीय इस्पात नीति का दीर्घकालिक लक्ष्य घरेलू इस्पात उद्योग को विविधीकृत इस्पात मांग को पूरा करने वाला विश्वस्तरीय मानकों का आधुनिक तथा क्षमतावान इस्पात उद्योग बनाना है। इस नीति में न केवल लागत, गुणवत्ता तथा उत्पाद मिश्र की दृष्टि से अपितु दक्षता तथा उत्पादकता के वैश्विक मानकों की दृष्टि से भी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने पर जोर दिया गया है। तदनुसार राष्ट्रीय इस्पात नीति में वर्ष 2019-2020 तक 110 मिलियन टन वार्षिक इस्पात उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इस्पात उद्योग के निष्पादन की समीक्षा करने, प्रमुख क्षेत्रगत नीतिपरक मुद्दों तथा सरोकारों पर विचार करने, 11वीं योजना (2007-2012) के दौरान मांग तथा आपूर्ति संबंधी आवश्यकताओं का अनुमान लगाने तथा कार्यान्वयन के लिए नीतिपरक सिफारिशें करने के लिए मई, 2006 में योजना आयोग द्वारा लोहा और इस्पात उद्योग से संबंधित एक कार्य दल का गठन किया गया था। कार्य दल ने मांग तथा आपूर्ति संबंधी प्रबंधन, प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान एवं विकास, पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण, मूल्य स्थिरता तथा सुरक्षा उपायों जैसे प्रमुख क्षेत्रों के संबंध में सिफारिशें करते हुए अपनी रिपोर्ट दिसंबर, 2006 में प्रस्तुत कर दी है। इस अध्याय में उन सिफारिशों तथा उन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है जिनके संबंध में भारत को लोहा और इस्पात क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए सहायक उपाय किए जाने/नीतियां बनाए जाने की जरूरत है।

अध्याय- IV में इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट, 2008-09 में दर्शाए गए अनुमानित निष्कर्षों/लक्ष्यों के संबंध में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की 50 करोड़ रूपए अथवा इससे अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत वाली प्रमुख योजनाओं तथा परियोजनाओं के निष्पादन की समीक्षा की गई है। निष्कर्ष बजट 2008-09 में शामिल 53 प्रमुख योजनाओं-52 योजनागत योजनाओं तथा एक गैर-योजनागत योजना के संबंध में अनुमोदित परिव्यय तथा अनुमानित निष्कर्षों की तुलना में किए गए वास्तविक व्यय और योजनाओं की वास्तविक उपलब्धियों को देखते हुए इन योजनाओं के अभिप्रेत निष्कर्ष की तुलना में वास्तविक उपलब्धियों (31 मार्च, 2009 तक) को दर्शाया गया है। 51 प्रमुख योजनागत योजनाएं सेल,

आरआईएनएल, एनएमडीसी और केआईओसीएल लिमिटेड, मॉयल और एक स्कीम इस्पात मंत्रालय से संबंधित हैं तथा एक मात्र गैर-योजनागत योजना एचएससीएल की है। सेल की 30 योजनाओं में से 8 योजनाएं पूरी कर ली गईं हैं। चूंकि अधिकांश प्रमुख योजनाएं इस समय कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, अत: वास्तविक उपलब्धियों का अपेक्षाकृत अधिक सार्थक और वास्तविक मूल्यांकन इन योजनाओं के पूर्ण होने के बाद ही संभव होगा।

अध्याय-V में इस्पात मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों और इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/संगठनों के वित्तीय परिव्यय तथा वित्तीय आवश्यकताओं का ब्यौरा दिया गया है। बजट अनुमान 2008-09 में 119.52 करोड़ रूपए तथा संशोधित अनुमान 2008-09 में 774.65 करोड़ रूपए के बजटीय प्रावधान की तुलना में बजट अनुमान 2009-2010 में इस्पात मंत्रालय के लिए मांग संख्या-91 के तहत 123.01 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। बजट अनुमान 2008-09 में मंत्रालय के 9543.00 करोड़ रूपए के वार्षिक योजना परिव्यय (आई एंड ईबीआर: 9509.00 करोड़ रूपए तथा योजना बजटीय सहायता: 34.00 करोड़ रूपए) को बढ़ाकर बजट अनुमान 2009-2010 में 13756.66 करोड़ रूपए (आई एंड ईबीआर: 13722.66 करोड़ रूपए तथा योजना बजटीय सहायता: 34.00 करोड़ रूपए) कर दिया गया है। सेल के इस्पात संयंत्रों अर्थात भिलाई इस्पात संयंत्र (1100 करोड़ रूपए), राउरकेला इस्पात संयंत्र (1400 करोड़ रूपए), इस्को इस्पात संयंत्र (3100 करोड़ रूपए), सेलम इस्पात संयंत्र (1002 करोड़ रूपए), के विस्तार के लिए और आरआईएनएल, विजाग इस्पात संयंत्र के क्षमता विस्तार के लिए 1800 करोड़ रूपए के परिव्यय सहित 2009-2010 के लिए पर्याप्त योजना परिव्यय रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2008-09 सहित हाल ही के वर्षों में बजट अनुमान/संशोधित अनुमान की तुलना में व्यय के समग्र रुख के संबंध में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा बकाया उपयोग प्रमाण पत्रों तथा उनके पास व्यय नहीं किए गए शेष की स्थिति भी इस अध्याय में दर्शाई गई है। इस्पात मंत्रालय की अनुदान मांगों में शामिल प्रावधानों को संबद्ध करते हुए इस अध्याय में वित्तीय वर्ष 2009-2010 के लिए इस्पात मंत्रालय की अनुदान मांग की अनुपूरक जानकारी भी दी गई है।

अध्याय - VI में इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के पिछले 3 वर्षों और वित्तीय वर्ष 2008-09 (31 मार्च, 2009 तक) के वास्तविक तथा वित्तीय निष्पादन और 2009-2010 (बजट अनुमान) के लिए अनुमानों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाई गई है।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की प्रमुख योजनाओं/परियोजनाओं के लिए निधियों की व्यवस्था अधिकांशत: उनके आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से की जा रही है और संबंधित सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की आंतरिक तकनीकी समिति द्वारा इनका वास्तविक और वित्तीय तौर पर नियमित रूप से प्रबोधन किया जा रहा है। निदेशक मंडल द्वारा इन योजनाओं/परियोजनाओं की आवधिक रूप से समीक्षा के अलावा मंत्रालय द्वारा त्रैमासिक आधार पर इनकी प्रगति की समीक्षा की जाती है। प्रबोधन तथा मूल्यांकन तंत्र यह सुनिश्चित करने के लिए है कि योजनाओं/परियोजनाओं के पूरा होने पर उनकी वास्तविक उपलब्धियां निष्कर्ष बजट 2009-2010 में अनुमानित निष्कर्षों से मेल खाती हों।

****

अध्याय-I

प्रस्तावना

1. उद्देश्य

इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:

(क) लोहा और इस्पात तथा फैरो-मिश्र के उत्पादन, वितरण, मूल्य, आयात और निर्यात से संबंधित नीतियां बनाना;

(ख) लोहा और इस्पात उत्पादन सुविधाओं की आयोजना, विकास और इनकी स्थापना को सुसाध्य बनाना

(ग) सरकारी क्षेत्र में लौह अयस्क खानों तथा लोहा और इस्पात उद्योग के उपयोग में आने वाली अन्य लौह अयस्क खानों का विकास; और

(घ) लोहा और इस्पात क्षेत्र में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और उनकी सहायक कंपनियों तथा सरकारी प्रबंधन की एक कंपनी के निष्पादन का प्रबोधन करना।

2. कार्यक्रम

2.1 इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्यक्रम/उप-कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:-

(i) खनन तथा धातुकर्मीय उद्योग - लोहा और इस्पात उद्योग

(क) उत्पादन, आयात और निर्यात;
(ख) टैरिफ तथा मूल्य निर्धारण;
(ग) अनुसंधान तथा प्रशिक्षण;
(घ) निर्माण कार्य; और
(ड.) तकनीकी तथा परामर्शी सेवाएं

(ii) खान और खनिज:

(क) लौह अयस्क;
(ख) मैंगनीज अयस्क; और
(ग) क्रोमाइट अयस्क

2.2 इस्पात मंत्रालय - इस्पात उद्योग के विकास के लिए सहायक

इस्पात मंत्रालय से इस्पात क्षेत्र के सुव्यवस्थित एवं एकीकृत उत्थान के लिए अहम भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। इस्पात के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होने के कारण, 11वीं पंचवर्षीय योजना में परिकल्पित सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि के स्तर को प्राप्त करने के लिए इस्पात क्षेत्र का सतत् उत्थान पूर्वापेक्षित है। तथापि, यह मानना होगा कि इस्पात जैसे उद्योग के साथ अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के अग्रगामी एवं पश्चगामी सम्बन्ध हैं अत: इसकी अपनी स्वयं की विकास पद्धति अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकती। कच्चे माल और ऊर्जा लागत की बढ़ती हुई कीमतें इस्पात क्षेत्र की कई कम्पनियों के तुलन-पत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। इस क्षेत्र में निजी निवेश के सतत् स्तर को भी बनाए रखने की आवश्यकता है। यह अच्छी बात है कि इस्पात क्षेत्र जिस माहौल में प्रचालन करता है उसमें इस्पात मंत्रालय द्वारा एक प्रोत्साहक की भूमिका निभाने की जरूरत है। इस्पात मंत्रालय से एक सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है ताकि भारतीय इस्पात क्षेत्र के विकास में आने वाली अड़चनों को यह दूर कर सकें। यह अनेक प्रकार से इस उद्योग की सहायता कर सके जैसे कि कच्चे माल की उपलब्धता, अवसंरचना विकास, अपेक्षित पूंजी उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय संस्थाओं से सतत् आधार पर बातचीत करना और उपयुक्त नीतिपरक कार्रवाई करने में सरकार के अन्य संबंधित मंत्रालयों और विभागों की सहायता करना और उन्हें परामर्श देना ।

3. <u>संगठन</u>

इस्पात मंत्रालय के प्रभारी एक कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री हैं। इनकी सहायता के लिए एक सचिव, भारत सरकार, एक विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार, एक मुख्य लेखा नियंत्रक, तीन संयुक्त सचिव, एक आर्थिक सलाहकार, पांच निदेशक, चार उप सचिव तथा अन्य अधिकारी एवं सहायक कर्मचारी हैं। लोहा और इस्पात उद्योग से संबंधित मामलों को तकनीकी दृष्टि से देखने के लिए एक तकनीकी स्कंध है जिसके प्रभारी औद्योगिक सलाहकार हैं, जो भारत सरकार के वरिष्ठ निदेशक स्तर के हैं। इनकी सहायता के लिए एक अपर औद्योगिक सलाहकार, एक संयुक्त औद्योगिक सलाहकार एवं अन्य सहायक कर्मचारी हैं।

इस्पात मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय नामत: विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात का कार्यालय था, जो कोलकत्ता में स्थित था। व्यय सुधार आयोग की सिफारिशों के आधार पर विकास आयुक्त लोहा और इस्पात का कार्यालय तथा इसके चार क्षेत्रीय कार्यालयों को दिनांक 25.3.2003 से बंद करने का प्रशासनिक निर्णय लिया गया था। इस कार्यालय को बंद करने के परिणामस्वरूप विकास आयुक्त लोहा और इस्पात के 226 कर्मचारियों में से 220 कर्मचारी अधिशेष घोषित कर दिए गए और पुनर्तैनाती हेतु कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के अधिशेष सैल की नामावली में ले लिए गए। शेष 6 कर्मचारी कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा अभी अधिशेष घोषित किए जाने हैं। आंकड़े संग्रहण का कार्य जो संयुक्त संयंत्र समिति (जे पी सी) को सौंपा गया है, को छोड़कर विकास आयुक्त लोहा और इस्पात के शेष कार्य मंत्रालय द्वारा किए जा रहे हैं।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कोई सांविधिक अथवा स्वायत्त निकाय नहीं है।

4. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम/सरकारी प्रबंधन की कंपनी

4.1 इस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में सरकारी क्षेत्र के निम्नलिखित उपक्रम और सरकारी प्रबंधनाधीन कंपनी कार्य कर रहे हैं:-

1. **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), नई दिल्ली**
2. **केआईओसीएल लिमिटेड, बंगलौर**
3. **एन एम डी सी लिमिटेड, हैदराबाद**
4. **हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एच एस सी एल), कोलकाता**
5. **मेकान लिमिटेड, रांची**
6. **मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल), नागपुर**
7. **स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल), हैदराबाद**
8. **भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड (बी आर एल), बोकारो**
9. **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल), विशाखापट्टनम**
10. **एम एस टी सी लिमिटेड, कोलकाता**
11. **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल), भिलाई (एम एस टी सी लि. की सहायक कंपनी)**

1 स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) **के समग्र नियंत्रणाधीन निम्नलिखित इकाइयां हैं:-**

1. **बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो (झारखंड)**
2. **भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई (छत्तीसगढ़)**
3. **दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)**
4. **राउरकेला इस्पात संयंत्र, राउरकेला (उड़ीसा)**
5. **मिश्र इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)**
6. **सेलम इस्पात संयंत्र, सेलम (तमिलनाडु)**
7. **इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर (पूर्व में सेल की एक सहायक कंपनी इस्को का 16.2.2006 को सेल में विलय हो गया और इसे इस्को स्टील प्लांट नाम दिया गया है)।**

8. विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र, भद्रावती (कर्नाटक)

9. केन्द्रीय विपणन संगठन, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

10. लोहा और इस्पात अनुसंधान तथा विकास केन्द्र, रांची (झारखंड)

11. कच्चा माल प्रभाग, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

12. इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र, रांची (झारखंड) और

13. निगमित कार्यालय, नई दिल्ली

महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लिमिटेड (एमईएल) भी सेल की एक सहायक कंपनी है जिसमें सेल की 99.12 प्रतिशत शेयर पूंजी है। एमईएल का संयंत्र चंद्रपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है और यह कंपनी फैरो मिश्र का उत्पादन करती है।

2. केआईओसीएल लिमिटेड (पहले कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड) **कर्नाटक राज्य में लौह अयस्क भण्डारों का विकास करने तथा उनसे उत्पादित लौह अयस्क सांद्रणों की बिक्री के लिए अप्रैल, 1976 में बनाई गई थी। यह पूर्णत: सरकारी कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय बंगलौर में है।**

3. एन एम डी सी लिमिटेड: **देश में लौह अयस्क और हीरे का एकमात्र सबसे बड़ा उत्पादक है और हीरे, चूना-पत्थर, डोलोमाइट, टंगस्टन और ग्रेफाइट, टिन आदि जैसे खनिजों के गवेषण विकास और संशोधन कार्य में लगा हुआ है। कंपनी फैरिक ऑक्साइड, आयरन पाउडर आदि जैसे उच्च मूल्य के उत्पादों के उत्पादन में भी प्रवेश कर रही है। एनएमडीसी लिमिटेड इस्पात मंत्रालय के अधीन नवरत्न दर्जा प्राप्त करने वाली दूसरी कंपनी बन गई है। एनएमडीसी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी जे एंड के मिनरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन, जम्मू। एनएमडीसी ने हाल ही में छत्तीसगढ़ में नागरनार ने 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता का एक एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है।**

4. हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) **जिसका पंजीकृत कार्यालय कोलकत्ता में है, ने बोकारो, विजाग और सेलम जैसे इस्पात संयंत्रों की स्थापना और भिलाई, दुर्गापुर, बर्नपुर (इस्को) आदि इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण से सम्बद्ध बड़े-बड़े निर्माण कार्य किए हैं। अब कंपनी ने उच्च श्रेणी की योजना समन्वय और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ अवसंरचना क्षेत्रों में भी अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। इस्पात संयंत्रों में निर्माण संबंधी कार्यकलापों में कमी के चलते कंपनी ने अपने कार्यकलापों का विद्युत, कोयला, तेल एवं गैस जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तार किया है। इसके अलावा, कंपनी ने सड़क/राजमार्गों, पुलों, बांधों, भूमिगत संचार और परिवहन प्रणाली और उच्च स्तर की आयोजना वाले औद्योगिक तथा बस्ती परिसरों, समन्वय और आधुनिक तकनीकों आदि जैसे अवसंरचना क्षेत्रों में अपने कार्यकलापों का विविधीकरण किया है। जिसमें आयोजना, समन्वय और जटिल तकनीकों की आवश्यकता होती है। आज एचएससीएल एक आईएसओ: 9001-2000 कंपनी है तथा इसकी क्षमताएं निर्माण कार्यकलापों के लगभग सभी क्षेत्रों में हैं।**

5. मेकॉन लिमिटेड, **देश में पहला परामर्शी और इंजीनियरी संगठन है जिसे आई एस ओ : 9001-2000 मान्यता प्राप्त है तथा वर्ल्ड बैंक एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूरोपियन बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट तथा यूनाइटेड नेशन्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन में पंजीकृत है। यह कंपनी लोहा एवं इस्पात, रसायन, रिफाइनरीज तथा पैट्रो रसायनों, विद्युत, सड़क एवं राजमार्गों, रेलवे, जल प्रबंधन, पत्तन एवं बंदरगाह, गैस एवं तेल, पाइपलाइनों, अलौह खनन, सामान्य इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग तथा संबद्ध/विविधीकृत क्षेत्रों में व्यापक विदेशी अनुभव सहित अग्रणी बहुविधिक डिजाइन, इंजीनियरिंग, परामर्शी और कांट्रैक्टिंग संगठन है।**

6. भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड (बी आर एल) **की चार रिफ्रैक्ट्री इकाइयां हैं। बीआरएल का पंजीकृत कार्यालय बोकारो में है। यह कंपनी ब्रिक्स और मासेज का उत्पादन करती है और इनकी आपूर्ति मुख्यत: सरकारी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों को करती है। भारत सरकार ने 24.4.2008 को इसकी पुनर्संरचना और इसके सेल में विलय के लिए मंजूरी दे दी है। विलय प्रक्रिया शीघ्र पूरी होने की संभावना है।**

7. मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल), **जिसका निगमित कार्यलय नागपुर में है, उच्च ग्रेड के मैंगनीज अयस्क का उत्पादक करने वाली सबसे बडी कंपनी है। इस्पात बनाने में प्रयुक्त होने वाले फैरो-मिश्र का उत्पादन करने के लिए मैंगनीज कच्चे माल के रूप में काम में लाया जाता है तथा डाईऑक्साइड अयस्क शुष्क बैटरियों के उत्पादन हेतु कच्चा माल है। मॉयल ने 90 के दशक के दौरान कारोबार की मात्रा और लाभप्रदता में सुधार करने के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में अपने कार्यकलापों का विविधीकरण किया है। विविधीकरण के एक भाग के रूप में कंपनी ने 600 एमटी वार्षिक प्रारंभिक क्षमता से 1991 में इलैक्ट्रोलिटिक मैंगनीज डाईऑक्साइड का उत्पादन करने के लिए एक परियोजना स्थापित की थी जिसका चरणबद्ध ढंग से 1500 एमटी वार्षिक तक विस्तार किया गया है। आगे और विविधीकरण करने के लिए मॉयल ने वर्ष 1998 के दौरान मध्य प्रदेश के बालघाट में 10000 एमटी वार्षिक संस्थापित क्षमता से 5 एमवीए क्षमता का एक फैरो मैंगनीज संयंत्र स्थापित किया था।**

8. स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल), **प्रदर्शन स्पंज लौह संयंत्र के सफल प्रचालन के पश्चात् अस्तित्व में आया। यह भारत सरकार और आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की भागीदारी तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम/संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन की सहायता से ठोस अपचयन प्रक्रिया (सॉलिड रिडक्टेंट प्रोसेस) के आधार पर स्पंज लोहे का उत्पादन करने के लिए स्थापित किया गया है। सरकार ने सिल का एनएमडीसी में विलय करने के लिए 22.5.2008 को मंजूरी दे दी है। विलय प्रक्रिया अंतिम चरण में है और इसके शीघ्र पूरा होने की संभावना है।**

9. राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल) **का पंजीकृत कार्यालय विशाखापट्टणम में है। यह भारत में स्थापित प्रथम तटीय आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। 30 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता के द्रव इस्पात के साथ इसे अगस्त, 1992 में चालू किया गया था। कंपनी ने 2019-20 तक चरणों में 16 मिलियन टन तक पहुँचने के लक्ष्य से अपनी निगमित योजना तैयार की है और**

इस समय 2010-11 तक 3.00 मिलियन टन से 6.3 मिलियन टन द्रव इस्पात का उत्पादन करने के विस्तार के अपने प्रथम चरण को निष्पादित कर रही है।

10. एम एस टी सी लिमिटेड भारत सरकार का एक व्यावसायिक उपक्रम है। पहले यह लघु इस्पात संयंत्रों को वितरण के लिए इस्पात गलन स्क्रैप का आयात करने वाली माध्यम एजेंसी के रूप में नामित थी । इसका मुख्यालय कोलकात्ता में है। इस कंपनी का माध्यम एजेंसी का स्वरूप फरवरी, 1992 से समाप्त हो गया। अब यह अन्य निजी व्यावसायिक कंपनियों की तरह पूर्णत: स्वतंत्र एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में काम कर रही है। अब यह कंपनी ट्रेडिंग कार्यकलाप, ई-कॉमर्स, लौह तथा अलौह स्क्रैप का निपटान और सेल, आर आई एन एल आदि के एकीकृत इस्पात संयंत्रों में उत्पन्न होने वाले लौह स्क्रैप और अन्य गौण सामग्री और सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी विभागों जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है, में उत्पन्न होने वाले स्क्रैप और अधिशेष भंडार आदि का निपटान कार्य कर रही है।

11. फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल) पहले एम एस टी सी और मै. हर्सको कारपोरेशन इंक, अमेरिका की एक संयुक्त क्षेत्र की कंपनी थी । अब एम एस टी सी द्वारा एम एस हर्सको के धारित 40% साम्या शेयरों का अधिग्रहण करने के बाद यह एम एस टी सी की शत प्रतिशत सहायक कंपनी बन गई है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य सेल, आरआईएनएल और एनआईएनएल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में स्लैग से स्क्रैप प्राप्त करना और आईआईएल तथा जेएसपीएल जैसे निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों में प्रचालन करना भी है। कंपनी अग्रणी संगठनों में से एक है जो देश के धातुकर्मीय उद्योगों को विशेषज्ञतायुक्त सेवाएं उपलब्ध करवाती है।

4.2 सरकारी क्षेत्र के उपरोक्त उपक्रमों के अतिरिक्त इस्पात मंत्रालय के अधीन सरकारी प्रबंधन की एक कंपनी अर्थात बर्ड ग्रुप की कंपनियां, कोलकाता है। 25 अक्तूबर, 1980 से भारत सरकार द्वारा 21 कम्पनियों के शेयर जो पहले बर्ड एंड कम्पनी लिमिटेड के पास थे, का अधिग्रहण करने पर इस्पात उद्योग से संबंधित बर्ड ग्रुप की निम्नलिखित 7 कम्पनियां इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आ गई:-

1. उड़ीसा मिनरल डेवलमेंट कंपनी लिमिटेड (ओ एम डी सी);
2. बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बी एस एल सी);
3. करनपुरा डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (के डी सी एल);
4. स्कॉट एंड सैक्सबी लिमिटेड (एस एस एल), (के डी सी एल की सहायक कंपनी);
5. कुमारधुबी फायरक्ले एंड सिलिका वर्क्स लिमिटेड (के एफ एस डब्ल्यू);
6. बोरिया कोल कंपनी लिमिटेड; और
7. बुराकुर कोल कंपनी लिमिटेड

उपर्युक्त 7 कंपनियों में से तीन कंपनियां नामत: ओएमडीसी, बीएसएलसी और केडीसीएल खनन कंपनियां हैं। एसएसएल गहरे नलकूपों की खुदाई और खनिज गवेषण से संबंधित कार्यकलाप कर रही है। ईआईएल एक निवेश कंपनी है और बर्ड ग्रुप के तहत प्रचालन कर रही कंपनियों के साम्या शेयरों में इसकी मुख्य हिस्सेदारी है। बोरिया तथा बुराकुर कोयला कंपनियों का प्रचालन कोयला खानों के

राष्ट्रीयकरण के बाद बंद हो गया है। केवल चार कंपनियां नामत: ओ एम डी सी, बी एस एल सी, के डी सी एल और एस एस एल ही अब प्रचालनरत हैं।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा वर्ष 2008-09 के दौरान (50 करोड़ रुपए की अनुमानित/स्वीकृत लागत से) कार्यान्वित मुख्य स्कीमों/कार्यक्रमों का ब्यौरा अध्याय-।। में दिया गया है।

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों तथा सरकारी प्रबंधन की कंपनी की सूची, उनके पंजीकृत कार्यालयों के स्थान सहित नीचे दी गई है।

I. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम/सहायक कंपनियां

1. **स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली - 110003**

2. **कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड (के आई ओ सी एल), ।।-ब्लाक, कोरमंगला, बंगलौर-560034**

3. एनएमडीसी लिमिटेड, खनिज भवन, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद-500028

4. **हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एच एस सी एल), 5/1 कैमिशेरिएट रोड, हैस्टिंग्स, कोलकाता-700022**

5. **मेकान लिमिटेड, मेकान बिल्डिंग, पो.ओ.,हीनू, रांची-834002**

6. **मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मायल), मॉयल भवन, 1ए, कोटाल रोड़, नागपुर-440013**

7. **स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल), एन एम डी सी कॉम्पलैक्स, खनिज भवन, 10-3-311/ए कैसल हिल्स, हैदराबाद-500028**

8. **भारत रिफ्रेक्ट्रीज लिमिटेड (बी आर एल), इंदिरागांधी मार्ग, सेक्टर IV, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, (झारखण्ड)-827004**

9. **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, (आर आई एन एल), परियोजना कार्यालय ए ब्लाक, विशाखापट्टणम-530031**

10. **एम एस टी सी लिमिटेड, 225 एफ, आचार्य जगदीश बोस रोड, कोलकाता-700020**

11. **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल), एफ एस एन एल भवन, इक्विपमेंट चौक, सेट्रल एवेन्यू, पोस्ट बॉक्स नं. 37, भिलाई (छत्तीसगढ़)-490001**

II. <u>सरकार के प्रबंधन में कंपनी</u>

(1) **बर्ड ग्रुप की कंपनियाँ, एफ डी 350, साल्ट लेक, सेक्टर-।।।, कोलकाता-700106**

****

अध्याय-II

वर्ष 2009-2010 के लिए प्रमुख योजनाओं का निष्कर्ष बजट

उनके अवधारणात्मक, रूपांकन और कार्यान्वयन को निष्कर्षोन्मुखी बनाकर विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 2005-06 में निष्कर्ष बजट की अवधारणा शुरू की गई थी। यह इस अवधारणा पर आधारित है कि परिव्यय अनिवार्यरूप से निष्कर्ष नहीं होता। निष्कर्ष बजट का अभिप्राय न केवल मध्यवर्ती वास्तविक उत्पादन जिसे अधिक तात्कालिक ढंग से मापा जा सकता है, का ट्रैक करना है, बल्कि सरकार के हस्तक्षेप के अन्तिम उद्देश्य का निष्कर्ष है। इसके लिए सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम बनाने, मूल्यांकन क्षमताओं के साथ-साथ प्रभावी बेंच-सुपुर्दगी प्रणालियों की आवश्यकता होती है। सम्पूर्ण कार्रवाई को मानिटर करने योग्य बनाकर सुपुर्दगी की यूनिट लागत की बेंच-मार्किंग सहित निष्कर्ष विकास को मापने योग्य परिभाषित करना है। धन जिसे वांछित निष्कर्ष सहित प्रस्तावित प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, के समय पर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली की आवश्यकता है तथा उपयुक्त रिर्पोटिंग के जरिए उचित लेखांकन, लेखा परीक्षा एवं मूल्यांकन तंत्र की आवश्यकता है। इसलिए निष्कर्ष बजट सभी प्रमुख कार्यक्रमों के विकास निष्कर्ष को मापने के लिए तंत्र तैयार करने का एक प्रयास है।

10वीं योजना (2002-07) तक इस्पात मंत्रालय को प्रत्यक्ष रूप से किसी योजना का कार्यान्वयन नहीं करना था। 11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित घरेलू लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शामिल किया गया है। औपचारिक रूप से यह योजना कार्यान्वयन हेतु 23.01.2009 को मंजूर की गई थी। मंजूरी के अनुसार यह योजना 1.4.2009 से लागू होनी है।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। योजना के स्वरूप पर निर्भर करते हुए सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनागत योजनाएं उनकी वार्षिक योजना अथवा पंचवर्षीय योजनाओं अथवा दोनों की घटक होती हैं। प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई योजनाएं हैं। अधिकांश योजनाएं कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और प्रचालनों से संबंधित हैं। इसलिए यह महसूस किया गया है कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी योजनाओं को शामिल करना न तो व्यवहारिक होगा और न ही निष्कर्ष बजट के उद्देश्य के अनुरूप। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक लागत की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख योजना और गैर-योजनागत योजनाओं को ही शामिल किया जाए।

तदनुसार, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की प्रमुख योजनाओं (50 करोड़ रूपए अथवा उससे अधिक मंजूर लागत) को इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में दर्शाया गया है जैसा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है। तथापि, इस्पात मंत्रालय के वित्तीय बजट, 2009-10 और निष्कर्ष बजट, 2009-10 के बीच पूर्णत: अनुरूपता बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय और सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की 50 करोड़ रूपए से कम लागत की विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के लिए बजटीय आबंटन भी तालिका में दिए गए हैं।

परिव्यय तथा निष्कर्ष का विवरण/लक्ष्य (2009-10)
(50.00 करोड़ रूपए से अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत की योजनाएं)

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(क)	50.00 करोड़ रूपए से अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत की योजनाएं									
1.	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)									
(क)	भिलाई इस्पात संयंत्र									
(i)	**कोक ओवन बैटरी-5 का पुनर्निर्माण**	**उत्पादन में सुधार करना तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानकों को प्राप्त करना**	**219.04**	--	--	15.00	**पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानकों के तहत पुनर्निर्माण**	**जुलाई, 08**	**कॉलम 11 देखें**	**उत्थापन दिसंबर, 08 में पूरा हो गया इसकी पूर्णता धमन भट्टियों में कोक की आवश्यकता से जुड़ी हुई है।**
(ii)	**2x1250 टीपीडी O_2 संयंत्र के लिए विद्युत आपूर्ति सुविधाओं की स्थापना**	**बीएसपी की भविष्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एनटीपीसी व सेल की एक संयुक्त उद्यम कंपनी एनएसपीसीएल के जरिए विद्युत संयंत्र-3 से 220 केवी पर विद्युत को हटाया जाना।**	**62.00**	--	--	20.81	**500 मेगावाट में से 280 मेगावाट बीएसपी के लिए आबंटित की है।**	**सितंबर, 08**	**फरवरी, 09**	**पूरी हो गई**
(iii)	**मेन स्टैप डाऊन स्टेशन की स्थापना (एमएसडीएस-V)**	**बीएसपी की भविष्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एनटीपीसी व सेल की एक संयुक्त उद्यम कंपनी एनएसपीसीएल के जरिए विद्युत संयंत्र-3 से 220 केवी पर विद्युत को हटाया जाना।**	**143.02**	--	--	15.00	**500 मेगावाट में से 280 मेगावाट बीएसपी के लिए आबंटित की है।**	**नवंबर, 08**	**जून, 09**	**--**

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(iv)	नए स्लैब घ्कास्टरङ आरएच डिगैसर और लैडल फर्नेस की स्थापना।	उच्च गुणवत्ता वाली प्लेटों का उत्पादन करने के लिए क्षमता वृद्धि करने और विशेष रूप से भारतीय रेलवे के अनुकूल बनाने के लिए मूल्यवर्धित/विशेष गुणवत्ता वाले इस्पात का उत्पादन करना।	520.76	--	--	30.00	अतिरिक्त कास्टिंग-0.165 एमटीपीए. एपीआई X65/X70 ग्रेड-3,00,000टी हीट्स की कास्टिंग नियमित आधार पर शुरू हो गई है और अभी तक 113 हीट्स हुई हैं। इसे स्थिर बनाया जा रहा है।	जुलाई, 08	जनवरी, 09	पूरी हो गई
(v)	एसएमएस में तप्त धातु डिसल्फ्यूराईजेशन	विशेष रूप से तटीय, परिवहन और अवसंरचना क्षेत्रों में अनुप्रयोग हेतु उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए कम सल्फर वाले इस्पात के उत्पादन को सुविधाप्रद बनाना।	86.23	--	--	16.78	की गई परिकल्पना के अनुसार तप्त धातु में सल्फर का स्तर 0.1% से कम करके 0.01% किया गया	मार्च, 08	जनवरी, 08	पूरी हो गई
(vi)	प्लेट मिल ड्राईव्ज का थिरिस्टोराईजेशन	स्टेट-ऑफ-आर्ट डिजिटल कंट्रोल के साथ मॉर्डन थिरिस्टर कन्वर्टरों द्वारा पुराने व गलत एमजी सैटों को बदलना।	53.52	--	--	28.00	मिल उपलब्धता में सुधार एवं विद्युत खपत में कमी	फरवरी, 09	मई, 09	--
(vii)	ऑक्सीजन संयंत्र-।। में 700 टीपीडी एएसयू	ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की मांग में हुई बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन संयंत्र-।। में नया एएसयू स्थापित किया जा रहा है।	244.30	--	--	30.00	ऑक्सीजन का प्रतिदिन 700 टन	जुलाई, 09	मई, 11	मैसर्स क्रायोजन मैश के साथ करार समाप्त हो गया है और री-टैंडरिंग की गई है। नए करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(viii)	**एंड फोर्जिंग प्लांट**	**हैवी होलेज/हाई स्पीड ट्रक के निर्माण और प्रस्तावित फ्रैट कोरिडोर के लिए भारतीय रेलवे की जरूरत के लिए एंड प्रोफाईल थिक वैब रेल्स को प्रोफाइल ऑफ रेल्स में परिवर्तित करने हेतु।**	**53.52**	--	--	8.22	**हैवी होलेज/हाई स्पीड ट्रक के लिए हैवी ड्यूटी स्विच बनाने हेतु रेलों का उत्पादन।**	**नवंबर, 08**	**मार्च 09**	**पूरी हो गई**
(ix)	**सीओबी-6 का पुनर्निर्माण**	**उत्पादन में सुधार करना तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानक शामिल करना।**	**191.20**	--	--	60.00	**--**	**जनवरी, 10**	**जनवरी, 10**	**--**
(x)	**बीएसपी का विस्तार**	**लो ग्रेडिंग तथा इनर्जी इंट्रींसिक यूनिटों को फेज आउट करना, सेमीज का इंडक्शन**	**6628.20 (आंशिक)**	--	--	1100.00	**एचएम क्षमता 4.82 एमटीपीए से बढ़कर 7.5 एमटीपीए करना**	**--**	**--**	**--**
(ख)	राउरकेला इस्पात संयंत्र									
(i)	**कोक ओवन बैटरी-1 का पुनर्निर्माण**	**उत्पादन में सुधार करना तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना ।**	**248.94**	--	--	90.00	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों के अनुसार पुनर्निनिर्माण	**अगस्त, 09**	**अगस्त, 09**	**--**
(ii)	**एसएमएस-।। में हॉट मैटल डिसल्फ्यूराईजेशन यूनिट**	**विशेष रूप से ऑफ-शोर, परिवहन तथा अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में अनुप्रयोग हेतु उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए कम सल्फर वाले इस्पात के उत्पादन की सुविधा प्रदान करना ।**	**52.39**	--	--	6.96	तप्त धातु में सल्फर के स्तर में 0.1% से 0.01% की कमी। परिकल्पितानुसार सल्फर स्तर हासिल किया गया।	**मई, 08**	**अप्रैल, 08**	**पूरी हो गई है।**

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(iii)	पाईप कोटिंग प्लांट की स्थापना	मुख्य रूप से हाईड्रोकार्बन क्षेत्र में कोटिड पाईपों की आपूर्ति	68.27	--	--	6.12	8 इंच से 42 इंच की बाह्य परिधि की रेंज वाले पाइपों सहित 60,000 टीपीए क्षमता	अगस्त, 08	सितंबर, 08	पूरी हो गई।
(iv)	बीएफ-4 में कोल डस्ट इंजेक्शन सिस्टम	कोक दर में कमी तथा फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता	70.71	--	--	23.17	1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पुल्वेराईज्ड कोल में प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।	अक्तूबर, 08	सितंबर, 09	मैसर्स साइनोस्टील, चीन द्वारा डिजाइन इंजीनियरिंग तथा उपस्करों की आपूर्ति में विलंब। मैसर्स साइनोस्टील, चीन द्वारा सिविल तथा स्टक्चरल कार्य तथा उपस्करों की आपूर्ति में विलंब।
(v)	सीपीपी-। में टर्बो ब्लोवर सं. 5 की अपरेटिंग	बीएफ-4 की उच्च दाब की आवश्यकता के लिए और अन्य टर्बो ब्लोवरों के शट डाऊन/अनुपलब्धता के मामले में अन्य धमन भट्टियों की एयर संबंधी आवश्यकता के लिए भी।	54.05	--	--	20.00	2.3 किग्रा./सीएम^2 के दाब पर 1,63,000 एनएम^3/घंटे के डिस्चार्ज वोल्यूम की क्षमता	जनवरी, 09	जुलाई, 09	--
(vi)	न्यू कोक ओवन गैस होल्डर	गैस ग्रिड में पर्याप्त दाब बनाए रखने के लिए प्रतिस्थापन के रूप में न्यू कोक ओवन गैस होल्डर	123.22	--	--	40.00	100,000 मी^{3} क्षमता	जून, 09	जून, 09	--
(vii)	700टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र	ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की मांग में हुई बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए नया ऑक्सीजन संयंत्र	302.70	--	--	100.00	700 टन प्रतिदिन क्षमता	जून, 09	दिसंबर, 09	--

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(viii)	**एसएमएस-।। के बीओएफ कन्वर्टरों की सिमल्टानियस ब्लोइंग**	**एसएमएस-।। की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए**	**197.66**	--	--	72.83	1.68 एमटीपीए से 1.85 एमटीपीए उत्पादन बढ़ाना	**अक्तूबर, 09**	**अक्तूबर, 09**	**--**
(ix)	**आरएसपी का विस्तार**	**तप्त धातु क्षमता बढ़ाकर 4.5 एमटीपीए करना**	**6873.72 (पार्ट)**	--	--	1400.00	तप्त धातु क्षमता 2.12 एमटीपीए से 4.5 एमटीपीए करना।	**--**	**--**	**--**
(ग)	बोकारो इस्पात संयंत्र									
(i)	**ऑक्सीजन संयंत्र में एयर टर्बो कम्प्रैशर (एटीसी) तथा ऑक्सीजन टर्बो कम्प्रैशर (ओटीसी)**	**उपस्कर को ठीक बनाए रखने तथा भविष्य में दीर्घ आधार पर ऑक्सीजन संयंत्र के उत्पादन के लिए तकनीकी आवश्यकता ।**	**81.76**	--	--	20.00	**एटीसी क्षमता 90,000 एमएम3/घंटा तथा ओटीसी क्षमता 15,000 एमएम3/घंटा**	**जुलाई, 08**	**मई, 09 (एटीसी)**	**प्रचालन जरूरत के कारण सिलैण्डर फिलिंग स्टेशन को पुन: स्थापित नहीं किया जा सका जिससे साईट को सौंपने में विलंब हुआ।**
(ii)	**बीएफ-2 व 3 में कोल डस्ट इंजेक्शन सिस्टम**	**कोक दर में कमी तथा फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता**	**133.92**	--	--	20.00	**1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पुल्वेराईज्ड कोल में प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।**	**जुलाई, 08**	**अक्तूबर, 09**	**विस्तार योजना के तहत एसएमएस-3 के लिए साईट को अंतिम रूप देने के कारण कोयला की हैंडलिंग एवं भंडारण साईट के पुन: स्थान निर्धारण में विलंब हुआ।** **- मैसर्स एसआरईपीसी एंड टैकप्रो द्वारा फैब्रिकेशन तथा स्ट्रक्चर्स के उत्थापन में विलंब।**

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(iii)	कोल हैण्डलिंग प्लांट में कोककर कोयला भंडारण सुविधाएं	कोककर कोयला के लिए भंडारण सुविधाओं में वृद्धि	134.32	--	--	30.00	भंडारण क्षमता में 115,000 टन से 202,500 टन की वृद्धि	अक्तूबर, 08	मई, 09	- मैसर्स बीएचईएल द्वारा इंजीनियरिंग के डिजाइन और उपस्कर की आपूर्ति करने में विलंब हुआ। - मैसस बीएसबीके द्वारा सिविल कार्य में विलंब ।
(iv)	एसएमएस-।। में दूसरी लैडल फर्नेस की स्थापना।	प्रचालन में कास्टरों व व्यवहार्यता में लंबी सीक्वेंस के लिए बफर स्टेशन बनाने के बावजूद मूल्यवर्धित इस्पात के उत्पादन को सुविधा प्रदान करना, विशेष रूप से कम सल्फर वाले स्टील ग्रेड को, रिटर्न हीट में कमी, ऑक्सीजन खपत और फैरो अलॉय की बचत।	96.96	--	--	30.00	मूल्यवर्धित इस्पात का उत्पादन, कन्वर्टरों की लाईनिंग लाईफ में सुधार।	सितंबर, 08	अक्तूबर, 09	- मैसर्स वीएआई व मैसर्स सीमेंस द्वारा डिजाइन इंजीनियरिंग व उपस्कर का आदेश देने में विलंब। - सिविल कार्य में विलंब से मैसर्स एचएससीएल व केसीसी द्वारा संसाधन जुटाने में कमी।
(v)	सिंटर संयंत्र में ईएसपी सहित बैटरी साईक्लोन्स का प्रतिस्थापन।	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदण्डों के अनुसार आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर की सांविधिक जरूरत को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रीसीपीटेटर्स द्वारा बैटरी साईक्लोन का प्रतिस्थापन।	80.60	--	--	20.00	आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर में 150 एम^3/एनएम^3 पर नियंत्रण करने के लिए 900,000 एम^3/घंटा क्षमता के 6 ईएसपी।	अगस्त, 10	अगस्त, 10	--
(vi)	नए टर्बो ब्लोवर न. 8 की स्थापना	बीएफ-2 की कोल्ड ब्लास्ट (सीबी) बढ़ी जरूरत को पूरा करना।	105.33	--	--	70.00	सी बी में 4000 एनएम^3/मिनट का ब्लोवर डिस्चार्ज वोल्यूम और ब्लोवर एंड में 3.9 किग्रा/सीएम^3 का डिस्चार्ज प्रैशर।	अगस्त, 09	कृपया कॉलम 11 देखें	मैसर्स रोज इलेक्ट्रोपेम के साथ करार समाप्त कर दिया गया। पुन: टेंडरिंग को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(vii)	**बीएफ-2 का उन्नयन**	**उपयोगी वर्किंग वौल्यूम और उत्पादकता में वृद्धि करना।**	**892.32**	--	--	388.00	**उपयोगी वोल्यूम में 1758 से 2259 एम3 और उत्पादकता में 2टी/एम3/दिन की बढ़ोतरी होगी।**	**अगस्त, 09**	**मार्च, 10**	**बीएफ-3 की बड़े पैमाने पर मरम्मत के कारण बीएफ-2 को बंद करना स्थगित कर दिया गया।**
(viii)	**सीओबी-1 व 2 का पुनर्निर्माण।**	**उत्पादन व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।**	**500.90**	--	--	100.00	**उत्पादन व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों में सुधार।**	**अप्रैल, 10**	**दिसंबर, 10**	**जुलाई, 10-सीओबी नं. 1 अक्तूबर, 10-सीओबी नं 2 ठेकागत अनुसूची-स्थल सौंपने की तारीख से 27 माह**
(ix)	**बीएसएल का विस्तार**	**इनर्जी सधन यूनिटों को फेज आउट करना तथा ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी शुरू करना।**	**3717.42 (पार्ट)**	--	--	600.00	**1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स**	**--**	**--**	**--**
(घ)	इस्को इस्पात संयंत्र									
(i)	**कोक ओवन बैटरी-10 का पुनर्निर्माण**	**उत्पादन व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।**	**416.50**	--	--	180.00	**पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों के अनुसार पुनर्निर्माण।**	**सितंबर, 09**	**मार्च, 10**	**--**
(ii)	**आईएसपी का विस्तार**	**2.7एमटीपीए तप्त धातु, 2.5एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37एमटीपीए विक्रेय इस्पात का उत्पादन करने के लिए नई सुविधाएं स्थापित करना।**	**16073.94**	--	--	3100.00	**2.7एमटीपीए तप्त धातु, 2.5एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37एमटीपीए विक्रेय इस्पात**	**मई, 10**	**जुलाई, 10**	**--**

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ङ)	सेलम इस्पात संयंत्र									
(i)	**एसएसपी का विस्तार**	**सतत् ढलाई व नई सीआरएम के साथ् इस्पात निर्माण सुविधाएं विकसित करना।**	**2138.00**	--	--	1002.00	**अपरिष्कृत इस्पात के उत्पादन में शून्य से 0.18 एमटी और विक्रेय इस्पात के उत्पादन में 0.18 से 0.34 एमटी की वृद्धि करना।**	**मार्च, 10**	**मार्च, 10**	**--**
(च)	वीआईएसएल									
(i)	**एसएमएस में ब्लूम कास्टर की स्थापना।**	**सतत् ढलाई प्रौद्योगिकी द्वारा पुरानी इन्गॉट प्रौद्योगिकी का प्रतिस्थापन।**	**84.90**	--	--	24.00	**1,25,000 टीपीए कास्ट ब्लूम्स का उत्पादन।**	**फरवरी, 09**	**जून, 09**	**--**
(छ)	आरएमडी									
(i)	**बोलानी आयरन ओर माइन की लोडिंग क्षमता में वृद्धि करना**	**लोडिंग क्षमता बढ़ाने के लिए और रेलवे लाइन में संशोधन करने के लिए, फाइंस और लंप साइडिंग पर फुल रैक (एक स्ट्रैच में) लोडिंग के लिए ओवर हैड**	**124.88**	--	--	60.00	**फुल रैक लोडिंग**	**दिसंबर, 09**	**फरवरी, 10**	**--**
2.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (आरआईएनएल)									
(i)	**कोक ओवन बैटरी सं. 4, चरण-।**	**कोक की जरूरतों एवं शेष गैस को पूरा करने के लिए, अन्य तीन कोक ओवन बैटरियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत के दौरान भी तप्त धातु व द्रव इस्पात के उत्पादन को इस स्तर पर बनाए रखने हेतु एक प्रतिस्थापन बैटरी की आवश्यकता होगी ।**	**355.00**	--	--	10.00	0.75 एमटी कोक का उत्पादन करना	**सितंबर, 08**	**अप्रैल, 09**	**बैटरी-12.4.09 को प्रज्वलित की गई तथा परीक्षण किया जा रहा है। चरण-II के कार्यान्वयन के पश्चात पूरी क्षमता हासिल की जानी है।**

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ii)	**कोक ओवन बैटरी सं. 4, चरण-II**	**गैस का पूर्ण उपयोग करना तथा कोल हैंडलिंग में अतिरिक्त उप-उत्पाद सुविधाएं प्रदान करके उप-उत्पादों के बेहतर कार्यान्वयन में वृद्धि करना**	**282.48**	--	--	35.00	उप-उत्पादों की प्राप्ति में वृद्धि	**नवंबर, 09**	**मई, 10**	**सिविल तथा स्ट्रक्चरल कार्य प्रगति पर है। प्रमुख उपस्करों के लिए ऑर्डर दिए जा रहे हैं।**
(iii)	**द्रव इस्पात का 6.3 एमटीपीए तक विस्तार।**	**संयंत्र की क्षमता में वृद्धि।**	**12228.00**	--	--	1800.00	द्रव इस्पात के उत्पादन को बढ़ाकर वर्तमान स्तर 3.0 एमटीपीए क्षमता से 6.3 एमटीपीए करना ।	**मार्च, 10**	**चरण-I फरवरी, 10 चरण-II जून, 11**	**प्रमुख पैकेजों के लिए ऑर्डर दिए गए हैं और निर्माण कार्य प्रगति पर है। संयंत्र और मशीनरी के मूल्यों में वृद्धि होने से पूंजीगत लागत बढ़ गई है। 12228 करोड़ रूपए के संशोधित लागत अनुमान भारत सरकार को भेज दिए गए हैं।**
(iv)	**एयर सैपरेशन प्लांट**	**कंबाइंड ब्लोइंग प्रोसेस हेतु ऑर्गन की कमी होने पर अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना । उत्पादित ऑक्सीजन बीएफ में प्रयुक्त की जाती है ।**	**323.00**	--	--	50.00		**जुलाई, 07**	**एएस-4 जून, 10 और एएस-5 दिसंबर, 10**	**प्रमुख पैकेजों के लिए ऑर्डर दिए गए हैं। विस्तृत इंजीनियरी का कार्य प्रगति पर है। 7.1.2009 को मैसर्स एयर लिक्विड इंजी. इंडिया, हैदराबाद के साथ करार हस्ताक्षरित किया गया है। फरवरी, 2009 से उपस्करों की सप्लाई शुरू हो गई है।**

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(v)	बीएफ-I और बीएफ-II के लिए पुल्वेराईज्ड कोल इंजेक्शन	कम महंगे पुल्वेराईज्ड कोल की तुलना में महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम।	129.00	--	--	50.00	तप्त धातु का वर्धित उत्पादन। तप्त धातु की उत्पादन की लागत में कमी करना।	जुलाई, 09	सितंबर, 09	विस्तृत इंजीनियरी पूरी कर ली गई है तथा सिविल कार्य प्रगति पर है और उपस्करों की सप्लाई शुरू हो गई है।
(vi)	लौह अयस्क खान तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	600.00	--	-	20.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोककर कोयला/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और परिव्यय खानों के अधिग्रहण के लिए परिव्यय शामिल हैं।	कॉलम 11 देखें	कॉलम 11 देखें	लौह अयस्क खानों के आबंटन और विदेशों में लौह अयस्क खानें अधिग्रहीत करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए राज्य सरकारों के साथ कार्रवाई की जा रही है। आरआईएनएल को दो कोकिंग कोल ब्लॉक आबंटित किए गए हैं। किफायती खनन के लिए उपयुक्त खनन प्रौद्योगिकी का पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।
(vii)	लौह अयस्क भ्ंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	484.00	--	--	50.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	सितंबर, 09	सितंबर, 10	परामर्शदाता नियुक्त/टेंडरिंग प्रक्रिया चल रही है।
(viii)	अनुषंगी सुविधाओं सहित 330 टीपीएच (छठा) बॉयलर	स्टीम आवश्यकता को बढ़ाना।	323.00	--	--	50.00	विस्तार इकाईयों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रोसेस स्टीम बढेंगे।	दिसंबर, 09	अगस्त, 10	विस्तृत इंजीनियरी प्रगति पर है। सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य प्रगति पर हैं।

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/ अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ix)	67.5 मेगावाट का टीजी-5 पावर इवेक्यूएशन सिस्टम	अतिरिक्त विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करना।	346.00	--	--	50.00	विस्तार इकाइयों की विद्युत आवश्यकता का आंशिक रूप से उत्पादन करना।	दिसंबर, 09	फरवरी, 11	विस्तृत इंजीनियरी प्रगति पर है। सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य प्रगति पर हैं।
(x)	एपी ट्रांसको के 220 केवी सिस्टम को सुदृढ़ करना।	400 एमवीए की विद्युत की ट्रांसमिशन के लिए एपी पॉवर ग्रिड को सुद्रढ़ करना।	86.43	--	--	50.00	विस्तार होने पर आरआईएनएल के लिए 400 केवीए की संविदागत मांग प्राप्त करने में सक्षम होगा।	सितंबर, 12	कॉलम 11 देखें	एपी ट्रांसको ने टेंडरिंग शुरू कर दी है।
(xi)	400 एमवीए पावर प्राप्त करने के लिए 220 केवीए के पॉवर सिस्टम का संवर्धन।	विस्तार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने में सक्षम बनने हेतु सब-स्टेशनों जैसे वीएसपी के इंटरनेल सिस्टमों को सुदृढ़ करना।	58.00	--	--	65.00	वीएसपी में 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने हेतु संवर्धन।	--	--	--
(xii)	बीएफ-I कैटेगरी-I मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3850 घन मीटर करना।	880.00	--	--	50.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़कर 0.5 मिलियन टन से 2 मिलियन टन तथा 2.5 मिलियन टन करना।	एलओआई की तारीख से 21 माह	--	विस्तृत इंजीनियरी कार्य पूरे कर लिए गए हैं सिविल कार्य प्रगति पर हैं तथा उपस्करों की सप्लाई शुरू हो गई है।
(xiii)	सिंटर प्लांट उपत्पादकता में वृद्धि करना।	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	497.00	--	--	20.00	सिंटर का उत्पादन 5.5 एमटी से बढ़ाकर 6.8 एमटी करना।	मार्च, 11 तक	--	--
(xiv)	एसएमएस कंवर्टर की मरम्त	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। इससे यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	180.00	--	--	20.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए टैक्नोलॉजिकल आवश्यकता।	एक कनवर्टर मार्च, 2011 अन्य दो मार्च, 2012	--	--

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3.	के आई ओ सी एल लि.									
(i)	**मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग का विकास**	**मैग्नेटाईट लौह अयस्क सांद्रण देश में उपलब्ध नहीं होगा और पैलेट संयंत्र के प्रचालन के लिए कच्चे माल के रूप में बेल्लारी/हॉस्पेट के उच्च ग्रेड के हैमेटाईट लौह अयस्क का प्रयोग करना दीर्घकाल के लिए एक वैकल्पिक स्त्रोत माना जाता है।**	**55.00**	--	--	5.00	**मंगलौर में 4 एमटीपीवाई लौह अयस्क की प्राप्ति की संभावना।**	**कॉलम 11 देखें**	**आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।**	**भूमि संबंधी विवाद सुलझा लिया गया है और अतिरिक्त भूमि के लिए भुगतान निर्मुक्त कर दिया गया है। पंजीकरण तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। केआरसीएल द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट शीघ्र ही प्राप्त होने की उम्मीद है जिसके बाद प्रस्ताव को बोर्ड के सामने अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।** **आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।**

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर		मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ii)	**रेल द्वारा लौह अयस्क की प्राप्ति के लिए भारी माल संभाल की सुविधाओं का निर्माण**	**चूंकि अधिकांश कच्चा माल का परिवहन रेल के जरिए किया जाता है। केआईओसीएल को इसके पैलेट तथा कच्चे लोहे के उत्पादन के लिए लौह अयस्क प्रेषण प्राप्त करने के लिए भारी माल संभाल सुविधाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव है।**	**60.00**	--	--	5.00	**पैलेट के उत्पादन के लिए 4 एमटीपीवाई लौह अयस्क की आपूर्ति**	**कॉलम 11 देखें**	**आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।**	**नई रेलवे साईडिंग का प्रस्ताव करने के बाद एक क्लोज्ड कन्वेयर सिस्टम के जरिए भारी माल संभाल प्रणाली की योजना बनाई थी। उपर्युक्त भूमि संबंधी विवाद के परिणामस्वरूप इस परियोजना में भी विलंब हुआ। स्थाई रेलवे साइडिंग के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का कार्य पूरा है जाने पर अनुमोदन के लिए परियोजना के संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी।** **आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।**

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(iii)	डक्टाईल आयरन स्पन पाईप	मूल्यवर्धित उत्पाद अर्थात डक्टाइल आयरन स्पन पाईप का उत्पादन करने के लिए एक योजना बनाना।	325.00	--	--	100.00	1,00,000 टीपीए डीआईएसपी का उत्पादन	जनवरी, 11	जून, 11	वैश्विक मंदी के कारण और प्रतिस्पर्धी पेशकश प्राप्त करने के लिए पूर्व निविदा रद्द कर दी गई थी। कंपनी ने बीएफयू, मंगलौर में डीआईएसपी संयंत्र स्थापित करने के लिए नई वैश्विक निविदा दिनांक 9.2.2009 को जारी की है। निर्धारित तारीख अर्थात 24.3.2009 को 3 बोलियां प्राप्त हुई थीं। प्रौद्योगिक-वाणिज्यिक विचार-विमर्श पूरा हो गया है। मैसर्स मेकॉन से रिपोर्ट प्राप्त होने पर आवश्यक अनुमोदन सहित प्राइस बिड को खोला जाएगा।
(iv)	कुद्रेमुख में इको-टयूरिज्म विकास	कुद्रेमुख इको-टयूरिज्म सुविधाएं विकसित करने का उद्देश्य समुदाय आधारित एवं वाणिज्यिक अभिकेन्द्रित इको टूरिस्ट परियोजना विकसित करना है।	95.00	--	--	2.00	इको-टूरिज्म का विकास	कॉलम 11 देखें	बाद में नया कार्यक्रम निर्धारित किया जाएगा।	माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने दिनांक 31.12.05 से कुद्रेमुख में खनन कार्य रोक दिया है। कंपनी के आवासीय घर, अस्पताल, गेस्ट हाऊस आदि के रूप में कुद्रेमुख में पहले ही स्थापित बुनियादी सुविधा है और यह इको टूरिज्म में उद्यम शुरू करने की योजना बना रही है। इस संबंध में वाईल्ड वेंचर्स प्रा. लि. ने एक अध्ययन किया है तथा इन्होंने राज्य सरकार के साथ मिलकर एक संयुक्त उद्यम की सिफारिश की है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य अगस्त, 09 तक पूरा होने की उम्मीद है और बाद में कार्यक्रम निर्धारित किया जाएगा।

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(v)	कोक ओवन प्लांट	एक कोक ओवन संयंत्र की स्थापना करना। इससे कम मूल्य पर कोक की उपलब्धता में सुधार होगा।	100.00	--	--	10.00	कच्चा माल लागत में कमी करना।	कॉलम 11 देखें	कॉलम 11 देखें	धमन भट्टी में प्रयोग किए जा रहे कोक की ऊँची लागत को ध्यान में रखते हुए कंपनी का लक्ष्य मंगलौर में एक कोक ओवन संयंत्र स्थापित करने का है। इससे कच्चे माल की लागत में काफी कमी आएगी। कोक ओवन संयंत्र के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के नवंबर, 2009 तक तैयार होने की उम्मीद है।
4.	एन.एम.डी.सी. लि.									
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	295.89	--	--	200.00	3 एमटीपीए की चरण-I की क्षमता	अक्तूबर, 09	मार्च, 10	कार्य चल रहे हैं। मार्च, 10 तक चालू होने की उम्मीद है।
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	296.03	--	--	15.00	3 एमटीपीए की चरण-I की क्षमता	दिसंबर, 09	कॉलम 11 देखें	उच्च न्यायालय ने लीज बाउंड्रीज के पुन: संर्वेक्षण का आदेश दिया है। परियोजना को चालू करना पुन: सर्वेक्षण तथा लीज डीड के एक्जीक्यूशन को अंतिम रूप दिए जाने पर निर्भर करती है। पूर्णता अवधि शून्य तारीख से 33 माह होगी तथा मेकॉन को परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया है और पैकेज 1 तथा 3 के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं। अन्य पैकेजों के लिए निविदाएं तैयार की जा रही हैं।
5.	मैंगनीज ओर इंडिया लि. (मॉयल)									
(i)	फैरो मैंगनीज/सिलिका मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	सेल के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में इस परियोजना को भिलाई में स्थापित किया जाएगा।	395.00	--	--	50.00	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना फैरो मैंगनीज/ सिलिका मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	2008-09	2009-10	यह परियोजना संयुक्त उद्यम द्वारा शुरू की जाएगी जिसमें मॉयल और सेल प्रत्येक में 50% शेयर होंगे और परियोजना का कार्यान्वयन संयुक्त उद्यम द्वारा किए जाएगा।

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	योजना बजट	आई एंड ईबीआर				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
6.	**हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि. (एचएससीएल)**									
(i)	**वीआरएस के लिए आवधिक ऋण पर ब्याज इमदाद**	**वीआरएस के जरिए जनशक्ति को युक्तिसंगत बनाना।**	**--**	55.48	--	--	**जनशक्ति को कम करके 1021 करना।**	**कॉलम 11 देखें**	**कॉलम 11 देखें**	**कर्मचारियों की संख्या, 1/4/2009 की स्थिति के अनुसार 1248 तक कम हो गई है।**
(ख)	इस्पात मंत्रालय की योजना									
	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी में सुधार करने के लिए योजना।	**पर्यावरण के अनुकूल उपायों से गुणवत्ता वाले इस्पात का लागत प्रभावी उत्पादन हेतु इनोवेटिव/पाथ ब्रेकिंग एवं उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए आर एंड डी सुविधाओं में सुधार तथा इन्हें तीव्र करन के लिए एक नई योजना/तंत्र बनाना।**	**118.00**	--	26.00	--	**कॉलम 3 देखें**	**2009-10**	**--**	**योजना को सचिव (इस्पात) की अध्यक्षता में व्यय वित्त समिति (ईएफसी) द्वारा दिनांक 22.11.2008 को कार्यान्वयन के लिए औपचारिक तौर पर अनुमोदित कर दिया गया था और अंतिम रूप से दिनांक 23.1.2009 को वित्त मंत्री द्वारा अनुमोदित किया गया। अनुमोदन के अनुसार यह योजना दिनांक 1.4.2009 से लागू होगी।**
उप-योग ख				**--**	**26.00**	**--**				
ग.	50 करोड़ रुपए से कम अनुमानित/स्वीकृत लागत की योजनाएं/कार्यक्रम									
(i)	सरकारी उपक्रमों के संबंध में									
	एएमआर योजनाएं, आर एंड डी, बस्ती, तकनीकी उन्नयन, संभाव्यता अध्ययन, वीआरएस का कार्यान्वन तथा विभिन्न अन्य चल रही एवं नई योजनाएं।	**संयंत्रों, उपस्करों एवं मशीनरी के नियमित अनुरक्षण एवं रख-रखाव, उत्पादन लागत को कम करने तथा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तथा उत्पादकता में वृद्धि आदि के लिए।**	**--**	12.89	8.00	2297.77	**--**	**--**	**--**	**योजनाएं सरकारी उपक्रमों के दिन-प्रतिदिन के कार्य एवं प्रचालन से संबंधित है। इनकी प्रकृति भिन्न-भिन्न है तथा इसलिए प्रमुख योजनाओं को निष्पादन बजट में अलग से शामिल नहीं किया गया है।**

(करोड़ रूपए)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	परिव्यय 2009-10 (बजट अनुमान)			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ अनुमानित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/ टाइम लाइन्स		टिप्पणियां/जोखिम घटक
				गैर-योजना बजट	**योजना बजट**	**आई एंड ईबीआर**				
1	2	3	4	**5**	**6**	**7**	**8**	9	10	11
(ii)	इस्पात मंत्रालय से संबंधित (प्रत्यक्ष रूप से)									
	मंत्रालय सचिवालय, पीएओ (इस्पात), डीसीआई एंड एस कार्यालय, कोलकाता तथा विशिष्ट मेटालजिस्ट को पुरस्कार	**इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक व्यय को पूरा करना।**	**--**	20.64	--	--	**--**	**--**	**--**	**निष्कर्ष बजटिंग के अनुरूप नहीं है।**
उप-योग - ग			--	*33.53*	*8.00*	2297.77				
सकल योग - क + ख + ग			--	**89.01#**	**34.00**	**13722.66**				

 # सकल आधार पर । एचएससीएल तथा मेकॉन लि. को प्रदानकी गई गारंटी फीस को माफ करने के संबंध में 7.65 करोड़ रुपए निवल प्राप्त होने के बाद वर्ष 2009-10 (बजट अनुमान) के लिए 81.36 करोड़ रुपए का गैर-योजना बजट है।

****

अध्याय-III

सुधार उपाय और नीतिगत पहल

1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण

भारतीय इस्पात क्षेत्र ऐसा प्रथम महत्वपूर्ण क्षेत्र था जिसे लाइसेंसिंग युग और मूल्य निर्धारण एवं वितरण नियंत्रण से पूर्णत: मुक्त किया गया है। इसे मुख्य रूप से भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग द्वारा दर्शाई गई अन्तर्निहित शक्तियों और क्षमताओं के कारण नियंत्रणमुक्त किया गया। आर्थिक सुधार और उसके परिणामस्वरूप लोहा और इस्पात क्षेत्र के उदारीकरण जो 1990 के आरंभ में शुरू हुआ था, से इस्पात उद्योग में काफी विकास हुआ है और निजी क्षेत्र में ग्रीन फील्ड इस्पात संयंत्र स्थापित हुए हैं। आज विश्व में इस्पात का उत्पादन करने में भारत 5वें स्थान पर है। इस क्षेत्र में लगभग 90,000 करोड़ रूपए से अधिक की पूंजी लगी हुई है और सीधे 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। वर्ष 2007-08 के दौरान 7 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से 56.13 मिलियन टन बिक्री हेतु परिसज्जित इस्पात (मिश्र एवं गैर-मिश्र) का उत्पादन हुआ और 2008-09 (अनंतिम) के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में 0.6 प्रतिशत अधिक 56.42 मिलियन टन उत्पादन हुआ।

भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए किए गए महत्वपूर्ण नीतिगत उपाय नीचे दिए गए हैं:-

(i) जुलाई, 1991 में घोषित की गई नई औद्योगिक नीति में लोहा और इस्पात उद्योग को सरकारी क्षेत्र के लिए आरक्षित उद्योगों की सूची से निकाल दिया गया है और उद्योग (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1951 के तहत इसे अनिवार्य लाइसेंसिंग के प्रावधानों से भी छूट दे दी गई है।

(ii) 24.5.92 से लोहा और इस्पात उद्योग को 51% तक विदेशी साम्या निवेश के लिए स्वत: मंजूरी हेतु उच्च प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों की सूची में शामिल किया गया है। इस सीमा को अब 100% तक बढ़ाया गया है।

(iii) जनवरी, 1992 से इस्पात के मूल्य निर्धारण और वितरण पर से नियंत्रण समाप्त कर दिया गया था। इसके साथ-साथ यह सुनिश्चित किया गया था कि रक्षा और रेलवे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के अतिरिक्त लघु उद्योगों, इंजीनियरी माल के निर्यातकों और पूर्वोत्तर क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

(iv) आयात लाइसेंसिंग, विदेशी मुद्रा निर्मुक्ति, माध्यमीकरण और अधिक आयात टैरिफ से लोहे और इस्पात के आयात को पूर्णत: मुक्त करने के लिए आयात शुल्क स्तर को कम करके लोहा और इस्पात के लिए नियंत्रित आयात प्रणाली को धीरे-धीरे काफी उदार बनाया गया है। लोहे और इस्पात मदों का स्वतंत्र रूप से निर्यात करने की भी अनुमति दी गयी है।

(v) इस्पात उत्पादन के लिए कच्चे माल पर शुल्क में भी कमी की गयी है। इन उपायों से इस्पात संयंत्रों की पूंजीगत लागत और उत्पादन लागत में कमी हुई है।

(vi) जनवरी, 1992 में मालभाड़ा समकरण योजना समाप्त कर दी गयी थी। देश के विभिन्न भागों में नए इस्पात संयंत्रों की स्थापना से घरेलू बाजार में लोहा और इस्पात सामग्री निर्बाध रूप से उपलब्ध है।

(vii) बाजार शक्तियों का सामना करने के लिए प्रमुख उत्पादकों को और अधिक छूट देकर अप्रैल, 1994 से इस्पात विकास निधि संबंधी लेवी समाप्त कर दी गयी है।

(viii) खनिज उत्पादों और अयस्क एवं सांद्रण सहित इस्पात उत्पादन की महत्वपूर्ण कच्ची सामग्रियों पर आयात शुल्क में पिछले कुछ वर्षों के बजट में काफी कमी की गई है।

(ix) इस समय इस्पात मुद्दों पर आयात शुल्क 5 प्रतिशत है। मेल्टिंग स्क्रैप, कोकिंग कोल, मेट कोक जैसी कच्ची सामग्रियों पर आयात शुल्क शून्य है और अन्य कच्ची सामग्रियों जैसे जिंक, आयरन ओर तथा फैरो मिश्र के लिए 2 प्रतिशत से 5 प्रतिशत के बीच है। किसी भी इस्पात मद पर कोई निर्यात शुल्क नहीं है।

2. राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005

इस्पात उद्योग की प्रगति भारत के विकास की गति को महत्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करती है और इस प्रकार उस लागत और मूल्य पर, जिस पर भारतीय इस्पात अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी है, संभावित मांग के अनुसार क्षमता विस्तार काफी महत्व रखता है। देश में उदारीकरण के वर्तमान युग, नियंत्रणमुक्त और उद्योग के अविनियमन ने इस्पात उद्योग के विस्तार के लिए नए अवसर उपलब्ध करा दिए हैं । इस्पात क्षेत्र के विकास को गति प्रदान करने और 2020 तक भारत के विकसित अर्थव्यवस्था के विजन को हासिल करने के लिए इस्पात मंत्रालय ने 2005 में **राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी)** तैयार की है । राष्ट्रीय इस्पात नीति की खास बातें नीचे दी गई हैं-

- राष्ट्रीय इस्पात नीति के तहत भारतीय इस्पात उद्योग के सुधार, पुनर्संरचना और वैश्वीकरण के संबंध में व्यापक योजना तैयार की गई है ।

- राष्ट्रीय इस्पात नीति का दीर्घकालिक लक्ष्य यह है कि भारत में विश्व स्तरीय आधुनिक और क्षमतावान इस्पात उद्योग हो जो विविधिकृत इस्पात मांग को पूरा कर सके । नीति का उद्देश्य न केवल लागत, गुणवत्ता और उत्पाद मिश्र के क्षेत्र में अपितु दक्षता और उत्पादकता के क्षेत्र में भी वैश्विक मानकों को प्राप्त करना है ताकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा हासिल की जा सके ।

- राष्ट्रीय इस्पात नीति में दीर्घकालिक नीतिगत लक्ष्य हासिल करने के लिए एक बहुपक्षीय रणनीति अपनाने की बात कही गई है । मांग के संबंध में रणनीति प्रोत्साहन जनक प्रयासों और जागरूकता पैदा करके तथा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में डिलीवरी चेन को सदृढ़ बनाकर अंतर्राष्ट्रीय मांग सृजित करने की होगी । आपूर्ति के संबंध में अतिरिक्त क्षमता के सृजन को सुसाध्य बनाने, लौह अयस्क और कोयला जैसे आदानों की उपलब्धता में प्रक्रिया और नीति संबंधी बाधाओं को दूर करने, अनुसंधान और विकास में और अधिक निवेश करने तथा सड़कों, रेलवे और पत्तनों जैसी अवसंरचनात्मक सुविधाओं के सृजन को प्रोत्साहित करने की रणनीति होगी ।

- राष्ट्रीय इस्पात नीति में यह माना गया है कि देश में, खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत कम है और जीवन स्तर में सुधार करने और जनता की बढ़ती हुई आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करने के लिए इस्पात की खपत बढ़ाने की जरूरत है ।

- राष्ट्रीय इस्पात नीति में इस्पात बाजार में कीमतों में अस्थिरता को रोकने के लिए फ्यूचर्स और डिरीवेटिव्ज जैसी जोखिम-रोधी व्यवस्थाएं करने में सहायता करने की बात कही गई है।

- राष्ट्रीय इस्पात नीति में घरेलू इस्पात उद्योग को उपलब्ध मौजूदा प्रशिक्षण अनुसंधान सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की बात कही गई है ताकि गौण लघु इकाइयों को उपयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध करवाए जा सकें और उद्योग से संबंधित प्राचलों से संबंधित आंकड़े एकत्रित किए जा सकें और उनका विश्लेषण किया जा सके ।

- राष्ट्रीय इस्पात नीति में विशेष श्रेणियों के इस्पात के लिए उत्पादन क्षमता सृजित करने, कोककर कोयले को प्रतिस्थापित करने, लौह अयस्क चूर्ण का उपयोग करने, ग्रामीण आवश्कताओं के अनुरूप नए उत्पाद विकसित करने, सामग्री और ऊर्जा, अपशिष्ट का उपयोग करने और पर्यावरण के संबंध में हो रही गिरावट को रोकने के लिए अनुसंधान और विकास संबंधी उद्यमशील प्रयास करने की बात कही गई है ।

- राष्ट्रीय इस्पात नीति में माना गया है कि गौण इस्पात क्षेत्र ने ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करवाने, इस्पात की स्थानीय मांग पूरी करने और देश की कुछ विशेष उत्पादों की मांग पूरी करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है । इस नीति में राज्य लघु उद्योग निगमों के मौजूदा तंत्र के जरिए प्रमुख संयंत्रों से इन इकाइयों को उचित कीमतों पर आवश्यक फीडस्टॉक उपलब्ध करवाने के लिए प्रयास करने की बात कही गई है ।

- राष्ट्रीय इस्पात नीति में माना गया है कि भारतीय इस्पात उद्योग का एकीकरण वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ करने के लिए आवश्यक है कि इस उद्योग को उन अनुचित व्यापार क्रिया-कलापों, जो विशेषकर मंदी की अवधि के दौरान आम हो जाते हैं, से बचाने की आवश्यकता है । इसलिए राष्ट्रीय इस्पात नीति में आयात को बनाए रखने के लिए तथा अन्य देशों में निर्यात इमदाद के प्रबोधन के लिए तंत्र स्थापित करने के बारे में भी कहा गया है ।

3. राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 का कार्यान्वयन

- आत्म निर्भर बनने और इस्पात क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिपर्धी बनने के लिए राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 में किए गए प्रक्षेपणों के अनुसार देश को 2019-20 तक 110 मिलियन टन घरेलू इस्पात उत्पादन की आवश्यकता होगी।
- इस्पात क्षेत्र में निवेश परिदृश्य की समीक्षा करते समय इस्पात मंत्रालय ने हॉल में यह अनुमान लगाया है कि वर्ष 2011-12 तक देश की इस्पात उत्पादन क्षमता 124.06 मिलियन टन होने की संभावना है।
- देश में प्रमुख इस्पात परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए बेहतर समन्वय प्रदान करने को ध्यान में रखते हुए प्रधान मंत्री ने देश में प्रमुख इस्पात निवेशों से संबंधित मुद्दों को मॉनीटर करने तथा समन्वय करने के लिए एक अंतर मंत्रालय समूह (आईएमजी) गठित करने की मंजूरी दी है। आईएमजी के अध्यक्ष सचिव, इस्पात हैं और औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, खान विभाग, पर्यावरण एवं मंत्रालय, सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग, पोत परिवहन मंत्रालय के सचिव, सदस्य (ट्रैफिक) रेलवे बोर्ड तथा संबंधित राज्य सरकारों के मुख्य सचिव इसके सदस्य हैं।
- आईएमजी के विचाराधीन प्रमुख विषय (टीओआर) प्रमुख इस्पात क्षमताओं को शीघ्र पूरा करने के लिए उपायों की समीक्षा करना और समन्वय करना तथा अवसंरचना, कच्चे माल की उपलब्धता, पर्यावरण संबंधी मंजूरी शीघ्र प्राप्त करना, अन्य संसाधनों जैसे भूमि और पानी की उपलब्धता तथा पुनर्वास से संबंधित मुद्दे हैं।

4. इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल

4.1 एनएसपी के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित प्रमुख पहलें की गई हैं:-

(i) सेल, आरआईएनएल और एनएमडीसी लि. की मेगा विस्तार योजनाएं

सरकारी क्षेत्र के उपक्रम सेल और आरआईएनएल ने अपनी महत्वाकंक्षी विस्तार योजनाएं शुरू की हैं। सेल की विस्तार योजनाओं से 2010-11 तक सेल की क्षमता 14.6 मिलियन टन तप्त धातु वार्षिक (2006-07) से बढ़कर 26 .2 मलियन टन वार्षिक हो जाएगी। सेल की योजना 2020 तक क्षमता को और बढ़ाकर 60 मिलियन टन वार्षिक करने की है।

आरआईएनएल के मामले में लगभग 12200 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर 2010-11 तक विस्तार योजना से तप्त धातु उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन वार्षिक के वर्तमान स्तर से बढ़कर 6.3 मिलियन टन वार्षिक हो जाएगी। आरआईएनएल की 2020 तक अपनी क्षमता को बढ़ाकर 16 मिलियन टन वार्षिक करने की योजना है। आरआईएनएल की विस्तार योजनाओं पर कार्रवाई चल रही है।

मौजूदा खानों के विस्तार, नई खानें खोलकर, स्पंज लोहे, पैलेट और इस्पात में मूल्यवर्धन के जरिए एनएमडीसी की 2014-15 तक अपनी मौजूदा 30 मिलियन टन क्षमता को बढ़ाकर 50 मिलियन टन वार्षिक करने की योजना है। एनएमडीसी ने हाल ही में लगभग 16,000 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर छत्तीसगढ़ में नागरनार में 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता का एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है।

अंतर्राष्ट्रीय मंदी से संभावित समस्याओं का समाधान करने के लिए सेल ने (i) उत्पादन अपनी चल रही आधुनिकीकरण परियोजनाओं (iiii) कच्ची सामग्री की खरीद (iv) कोल और लोजिस्टिक्स के आयात की मॉनिटरिंग करने तथा (v) वित्तीय प्रबंधन के लिए 5 टास्क फोर्स गठित की है। इन टास्क फोर्सों के विद्यमान बाजार स्थिति के अनुरूप नीति बनाने में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सहायता करने की संभावना है।

(ii) स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी)

प्रमोटर पार्टनर के रूप में सेल, आरआईएनएल, सीआईएल, एनटीपीसी और एनएमडीसी ने 20.5.2009 को इंटरनेशलन कोल वेंचर्स लिमिटेड (आईसीवीएल) नामक स्पेशल पर्पज व्हीकल निगमित कराया गया है। आईसीवीएल एक नवरत्न कंपनी के रूप में काम करेगी और इस समय कायले की उपयुक्तता, लागत और लोजिस्टिक्स आदि के दृष्टिकोण से विभिन्न प्रस्तावों की जांच कर रही है। इन प्रस्तावों में लाइसेंस (ग्रीनफील्ड अवसर) का सीधा आबंटन, कंट्रोलिंग/माइनर्टी स्टेक हासिल करने में बिडिंग प्रोसेस की भागीदारी के जरिए सैकेंडरी सेल, पार्टनरशिप/संयुक्त उद्यम ऑफर आदि शामिल हैं। आईसीवीएल ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक, यूएसए, कनाडा और इंडोनेशिया जैसे देशों में कोयला परिसंपत्तियों के लिए स्काउटिंग कर रही है।

(iiii) विलय/अधिग्रहण तथा नीतिपरक समझौते/संयुक्त उद्यम

इस्पात इकाइयों की प्रचालनात्मक क्षमता में सुधार करने और सीनर्जी प्राप्त करने के लिए कई विलय/अधिग्रहण/नीतिपरक समझौते/संयुक्त उद्यम हुए हैं। इनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

- **कुद्रेमुख आयरन एंड स्टील कंपनी (किस्को) का केआईओसीएल लिमिटेड में विलय।**
- **स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल) का एनएमडीसी लिमिटेड में विलय। सरकार ने 22.5.2008 को सिल के एनएमडीसी में विलय की मंजूरी दे दी है। विलय प्रक्रिया अग्रिम चरण में है और इसके शीघ्र पूरा होने की संभावना है।**
- **सरकार द्वारा 24.4.2008 को भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड (बीआरएल) का स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में विलय करने की मंजूरी दे दी गई है। विलय प्रक्रिया शीघ्र पूरी किए जाने की संभावना है।**
- **वित्त मंत्रालय के परामर्श से हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) के पुनरूद्धार के लिए मसौदा मंत्रिमंडल नोट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।**
- **कुल 100.72 करोड़ रूपए की लागत पर सरकार द्वारा फरवरी, 2007 में मेकॉन के पुनरूद्धार और पुनर्संरचना के लिए मंजूरी दी गई थी। कंपनी की पुनर्संरचना के परिणामस्वरूप कंपनी ने 2007-08 के दौरान 39.52 करोड़ रूपए का लाभ अर्जित किया।**
- **आरआईएनएल द्वारा नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल का अधिग्रहण करने का प्रस्ताव विचाराधीन है)।**
- **महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ड लिमिटेड का स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में विलय करने की कार्रवाई चल रही है।**
- **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा निस्को (पश्चिम बंगाल सरकार की एक इकाई) का अधिग्रहण करने का निर्णय लिया गया है। इसे अधिग्रहीत करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार के साथ मोडलेटीज संबंधी कार्य प्रगति पर हैं।**
- **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने कई क्षेत्रों में प्राइवेट क्षेत्रों के भागीदारों के साथ संयुक्त उद्यम बनाए हैं/भागीदारी की है। भिलाई में 2.2 मिलियन टन का स्लैग आधारित सीमेंट संयंत्र स्थापित करने के लिए मैसर्स जेपी एसोसिएट्स के साथ एक संयुक्त उद्यम बनाया गया है। 2.1 मिलियन टन के लिए बोकारो में इसी प्रकार की कंपनी बनाई है। राउरकेला इस्पात संयंत्र में स्लैग आधारित सीमेंट संयंत्र के लिए एक अन्य संयुक्त उद्यम भी प्रस्तावित है।**
- **400.00 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर नंदनी/भिलाई में फैरो मैंगनीज तथा सिलिको मैंगनीज संयंत्र स्थापित करने के लिए संयुक्त उद्यम कंपनी बनाई गई है जिसमें स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) तथा मैंगनीज इंडिया लिमिटेड (मॉयल) शामिल हैं।**
- **कोयला ब्लॉकों/खानों के अधिग्रहण और विकास के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में सितंबर, 2008 में टाटा स्टील के साथ 50:50 के अनुपात में एस एंड टी माइनिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी बनाई है। एनएमडीसी ने संयुक्त उद्यम के रूप में बैलाडिला-4 तथा बैलाडिला-13 खानों का विकास करने के लिए छत्तीसगढ़ माइनिंग डेवलपमेंट कार्पोरेशन के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है।**

(iv) निगमित सामाजिक जिम्मेदारी

2008-09 के लिए मंत्रालय के साथ सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किए गए समझौता ज्ञापनों में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) को एक महत्वपूर्ण प्राचल के रूप में अभिज्ञात किया गया है तथा मंत्रालय द्वारा सीएसआर कार्यकलापों की कड़ाई से मॉनीटरिंग की जा रही है। लाभ कमाने वाले सरकारी क्षेत्र के सभी इस्पात उपक्रमों ने सीएसआर के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है तथा सीएसआर कार्यों के लिए अपने वितरण योग्य अधिशेष की कम से कम 2 प्रतिशत राशि निर्धारित की है। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के संबंध में 2008-09 के लिए सीएसआर के लिए आबंटित कुल बजट लगभग 290 करोड़ रूपए (लगभग) है जबकि सरकारी क्षेत्र के इस्पात उपक्रमों द्वारा वर्ष 2008-09 के दौरान सीएसआर कार्यों पर 245.00 करोड़ रूपए खर्च किए गए। सीएसआर कार्यों में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सांस्कृतिक उत्थान, परिसरीय विकास, परिवार कल्याण, सामाजिक पहल पर ध्यान केंद्रित किया गया है तथा सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में अन्य उपाय किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और असम में बाढ़ के कारण आई आपदा को ध्यान में रखते हुए सरकारी क्षेत्र के कुछ उपक्रमों ने इन प्रभावित राज्यों में तत्काल राहत संबंधी उपाय किए। इस्पात मंत्रालय द्वारा सभी प्रमुख उत्पादकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने संयंत्रों के समीपवर्ती गांवो को अपनाएं और सीएसआर कार्यकलापों के एक भाग के रूप में उन्हें आदर्श इस्पात गांवों के रूप मे विकसित करने में सहायता करें। भंडारण टंकियों, बैल गाड़ियों, पानी के टैंकों, भवनों जैसे स्कूल भवनों पंचायत घरों, स्वास्थ्य केंद्र भवनों, प्रतीक्षा शेडों आदि में इस्पात के उपयोग पर बल दिया गया है। सेल, एनएमडीसी, आरआईएनएल और मॉयल द्वारा सीएसआर कार्यकलापों के तहत 167 गांवों को आदर्श इस्पात गांवो के रूप में विकसित किया जा रहा है।

(v) इस्पात का ग्रामीण वितरण नेटवर्क

आम आदमी को इस्पात की मदें उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक जिले में कम से कम एक डीलर नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। संपूर्ण देश में ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की आम उपयोग की मदों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सेल और आरआईएनएल संपूर्ण देश में अपने वितरण नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। जिला स्तरीय डीलरशिप आबंटित करते समय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति और अन्य पिछड़े वर्गों को तरजीह दी जाती है। इसके अलावा आम इस्पात मदें ग्रामीण क्षेत्रों में उसी मूल्य पर उपलब्ध करवाई गई हैं जो कि शहरों के स्टॉकयार्डों में है। स्टॉकयार्ड से डीलर के स्थान तक की ढुलाई की लागत सरकारी क्षेत्र के इस्पात उत्पादकों द्वारा वहन की जाती है। सेल और आरआईएनएल अपने वितरण नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहे हैं। 2009 के अंत तक सेल देश के 614 जिलों में 2136 डीलर तथा आरआईएनएल 134 डीलर नियुक्त कर चुका है।

(vi) लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करना

भारतीय इस्पात संयंत्रों में अनुसंधान एवं विकास में निवेश का वर्तमान स्तर उनके कुल कारोबार के 0.24 प्रतिशत से भी कम है। लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए इस्पात मंत्रालय इस्पात विकास निधि (एसडीएफ) से विद्यमान अधिकार प्राप्त समिति तंत्र के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध करवा रही है। 408.30 करोड़ रूपए की लागत और 165.47 करोड़ रूपए की एसडीएफ राशि से 59 अनुसंधान परियोजनाएं सरकारी और निजी उपक्रमों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक और अन्य संवर्धनात्मक संस्थानों द्वारा शुरू की जा चुकी है। अनुसंधान क्षेत्रों में अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ अयस्कों का सज्जीकरण, उत्पादकता में सुधार, नए/क्वॉलिटी उत्पादों का विकास, मानव संसाधनों का विकास, भारतीय लोहा और इस्पात संयंत्रों में ऊर्जा खपत तथा प्रदूषण में कमी शामिल हैं। इनमें से पूरी हुई कुछ परियोजनाओं से लोहा और इस्पात उद्योग को पहले ही लाभ मिल रहा है।

उपरोक्त के अतिरिक्त योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के योजना नामक एक नई योजना मंजर की गई है जिसके लिए 11वीं पंचवर्षीय योजना अवधि (2007-12)के लिए 118 करोड़ रूपए आबंटित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य देश में क्वॉलिटी 118 करोड़ रूपए आबंटित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य देश में क्वॉलिटी के इस्पात उत्पादों का उत्पादन लागत प्रभावी ढंग से करने के लिए एक पाथ ब्रेकिंग और उपयुक्त तथा पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करना है। यह योजना 22.11.2008 को सचिव (इस्पात) के अधीन व्यय वित्त समिति (ईएफसी) द्वारा कार्यान्वयन हेतु औपचारिक रूप से मंजूर की गई थी और 23.1.2009 को अंत में वित्त मंत्री द्वारा मंजूरी दी गई थी। मंजूरी के अनुसार यह योजना 1.4.2009 से लागू होनी है। इस्पात मंत्रालय विशेष अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं और एजेंसियों के चयन की कार्रवाई कर रहा है ताकि वास्तविक अनुसंधान कार्य 2009-10 के दौरान शुरू हो सके।

(vii) चुनिंदा इस्पात मदों के संबंध में मेंडेटरी क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर

उपभोक्ताओं को गुणवत्ता वाला इस्पात उपलब्ध करवाने के लिए उपभोक्ता मामले विभाग ने इस्पात मंत्रालय के परामर्श से आवास, निर्माण तथा अन्य महत्वपूर्ण उपयोगों के लिए 6 इस्पात उत्पाद भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम 1986 के अंतर्गत अनिवार्य गुणवत्ता प्रमाणन के लिए अधिसूचित किए हैं।

(viii) क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) के अंतर्गत किए गए प्रयास

सीडीएम दीर्घकाल तक चलने वाली तथा पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के क्योटो प्रोटाकॉल के तहत की गई फ्लैग्जिबल व्यवस्थाओं में से एक है। केंद्रीय सरकार ने नेशनल सीडीएम अथॉरिटी (एनसीडीएमए) का गठन किया है जो उपयुक्त परियोजनओं को मेजबान देश का अनुमोदन (एचसीए) प्रदान करती है। अब तक लगभग 127 परियोजनाओं को एचसीए प्रदान किया गया है। इन परियोजनाओं से ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) में 99 मिलियन टन कार्बनडाईऑक्साइड (सीओ 2) के

बराबर कमी होगी जिससे (वर्ष 2012 तक) 99 मिलियन टन सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन का सृजन होगा। जिसका महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में व्यापार किया जा सकता है। इस प्रकार कंपनियों के साथ-साथ देश को भी महत्वपूर्ण ढंग से लाभ होगा।

(ix) लौह अयस्क चूरे के अधिक उपयोग के संबंध में

लौह अयस्क के उत्खनन से डला अयस्क के अतिरिक्त कम से कम 50 प्रतिशत चूरे का सृजन होता है जिसका उपयोग लोहे के उत्पादन में किया जाता है। जब तक इस चूरे को एकत्रित नहीं किया जाता तब तक या तो इसका निर्यात किया जाता है या फिर इसके ढेर लगने से पर्यावरण संबंधी खतरे होंगे। पर्याप्त सिंटरिंग पैलेटाइजेशन क्षमता नहीं होने के कारण इस्पात संयंत्र अधिकांशत: डला अयस्क पर निर्भर होते हैं तथा आमतौर पर चूरे का निर्यात किया जाता है। इसलिए वित्तीय रियायत/प्रोत्साहन के जरिए सिंटरिंग तथा पैलेटाइजेशन क्षमता विकसित करना चिंता का विषय है। इस संबंध में सरकार घरेलू पैलेटाइजेशन क्षमता की स्थापना को प्रोत्साहन दे रही है। आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू) के जरिए भारत मे लौह अयस्क चूरा उपयोगिता पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है तथा महत्वपूर्ण को परिचालित की गई है। यह रिपोर्ट लौह अयस्क (डले और चूरा दोनों) की खपत के साथ-साथ घरेलू उत्पादन, निर्यात तथा चूरे के घरेलू स्तर पर उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नीतिपरक सिफारिशों के साथ चूरे की उपयोगिता से संबंधित अड़चनों पर अभिकेंद्रित है। अध्ययन के अनुसार देश में इस्पात उत्पादन में चूरे का शेयर 2005-06 के दौरान 52.2% से ओर बढ़कर 2011-12 तक 69.5% और 2019-20 तक लगभग 72% होने की संभावना है। घरेलू लौह अयस्क चूरे के इष्टतम उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए इस्पात मंत्रालय ने भारत में लौह अयस्क के सज्जीकरण और समामेलन (सिंटरिंग एवं पैलेटाइजेशन) को बढ़ावा देने के लिए मौद्रिक और अन्य उपायों की सिफारिश की है।

(x) अवसंरचनात्मक अड़चनों को दूर करना

इस्पात क्षेत्र को रेलवे संबंधी सुविधाएं देने में महत्वूपर्ण अड़चनों की पहचान करने के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया गया है जिसमें इस्पात उद्योग, इस्पात मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू) के जरिए 11वीं योजना में इस्पात क्षमता के प्रस्तावित विस्तार हेतु अवसंरचनात्मक सुविधाओं की पर्याप्तता पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में इस्पात क्षमता में प्रस्तावित विस्तार, विशेष तौर पर उड़ीसा, झारखंड तथा छत्तीसगढ़ के संदर्भ में, को पूरा करने के लिए परिवहन (रेलवे, सड़क तथा पत्तन), जल संसाधन तथा विद्युत संबंधी अवसंरचनात्मक आवश्यकता पर केंद्रित है।

(xi) कच्चे माल की ढुलाई के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाएं

रावघाट तथा दल्ली राजहरा लौह अयस्क खानों के बीच संपर्क के लिए दल्ली राजहरा से जगदलपुर वाया रावघाट तक 235 कि.मी. लंबी रेलवे लाइन के लिए भारतीय रेल, छत्तीसगढ़ सरकार, एनएमडीसी तथा सेल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस नई रेलवे लाइन से लौह अयस्क, खनिजों, इस्पात, खाद्य सामग्री तथा वन उत्पादों के परिवहन में सुविधा मिलेगी।

(xii) रेलवे के साथ संयुक्त परामर्शदात्री तंत्र

राष्ट्रीय इस्पात नीति के अनुरूप अवसंरचना की बढ़ी हुई आवश्यकताओं को पूरा करने तथा इस्पात की मदों एवं लौह अयस्क तथा चूना पत्थर जैसी कच्ची सामग्रियों की ढुलाई के लिए मालभाड़ा श्रेणी को युक्तिसंगत बनाने के लिए एक संयुक्त परामशदात्री तंत्र गठित किया गया है जिसमें रेल मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय और इस्पात उद्योग (सरकारी और निजी दोनों) के प्रतिनिधि शामिल हैं।

(xiii) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के कार्यकरण का अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन।

सरकारी क्षेत्र के 4 उपक्रमों अर्थात केआईओसीएल लिमिटेड, एमएसटीसी, एचएससीएल और एफएसएनएल के कार्यकरण का विस्तृत अध्ययन करने तथा उनकी प्रचालनात्मक दक्षता और लाभप्रदता को ईष्टतम करने के उद्देश्य से अन्य कंपनियों के साथ संभव पुनर्गठन/विलय की सिफारिश करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा 2.5.2009 को केआईओसीएल लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पी. गणेशन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। यह समिति अध्ययन शूरू करने की तारीख के 2 माह के भीतर मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट तथा सिफारिशें प्रस्तुत करेगी।

(xiv) उपभोक्ता परिषद की बैठक

इस्पात उत्पादों की पूर्ति/उपलब्धता और अन्य संबद्ध मुद्दों जिनका उपभोक्ताओं द्वारा सामना किया जा रहा है का समाधान करने के लिए तत्कालीन माननीय इस्पात मंत्री जी की अध्यक्षता में 4.10.2008 को उपभोक्ता परिषद की 22वीं बैठक आयोजित की गई थी। सेल के डीलर नेटवर्क तथा वेयरहाउस टेलीफोन डारेक्टरी से संबंधित जानकारी उपभोक्ताओं को दी गई थी।

(xv) वित्तीय उपाय

इस्पात तथा इस्पात आधारित उत्पादों के मूल्य को स्थिर करने के लिए किए गए विभिन्न वित्तीय उपाय निम्नानुसार है:-

- दिनांक 29/4/2008 से सभी गैर मिश्र इस्पात, जिंक, फैरो मिश्र तथा मेटकोक पर आयात शुल्क को 5 प्रतिशत से संशोधित कर शून्य कर दिया गया है।
- दिनांक 29.4.2008 से टीएमटी बार तथा राउंड्स पर सीवीईडी को 14% से संशोधित करके शून्य कर दिया गया है।
- आरम्भ में दिनांक 10/5/2008 को सभी चपटे उत्पादों पर निर्यात शुल्क 15% की दर से, एचआर पर 10% की दर से, सीआर पर जीपी/जीसी पर 5% की दर से तथा पाइपों तथा ट्यूबों पर 10% की दर से लगाया गया था। इसे बाद में दिनांक 13/6/2008 को वापिस ले लिया गया।
- दिनांक 10/5/2008 को कच्चा लोहा, स्पंज लोहा, स्क्रैप, इनगॉट्स तथा गैर मिश्र अर्ध परिसज्जित इस्पात की सभी श्रेणियों पर 15% की दर से निर्यात शुल्क लगाया गया।

- दिनांक 10/5/2008 को बार, वायर, रॉड, एंगल आदि जैसे लम्बे उत्पादों पर 10% की दर से निर्यात शुल्क लगाया गया। इसे बाद में दिनांक 13/6/2008 से संशोधित करके 15% किया गया।
- दिनांक 13/6/2008 से सभी श्रेणियों तथा ग्रेडों के लौह अयस्क पर 15% यथामूल्य निर्यात शुल्क लगाया गया।
- दिनांक 7.11.2008 से लौह अयस्क चूरे पर निर्यात शुल्क को संशोधित करके 8 प्रतिशत किया गया।
- दिनांक 18.11.2008 से कच्चे लोहे, अर्ध परिसज्जित चपटे और लंबी श्रेणी के उत्पादों पर 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया गया।

4.2 स्त्री सशक्तिकरण हेतु वित्त मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेशानुसार मंत्रालय में एक जेंडर बजट सेल स्थापित किया गया है जिसका उद्देश्य मंत्रालय में जेंडर बजट की अवधारणा को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाना है। तथापि, 10वीं योजना तक इस्पात मंत्रालय की कार्यान्वित की जाने वाली कोई योजना नहीं थी। फिर भी लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की प्रोन्नति नामक एक नई योजना 118.00 करोड़ रूपए के बजटीय प्रावधान सें 11वीं योजना में अनुमोदित की गई हैं। तथापि, यह योजना वित्त मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2009-10 के दौरान कार्यान्वित की जानी है।

5. लोहा और इस्पात उद्योग कार्यदल की सिफारिशें

मई, 2006 में योजना आयोग द्वारा सचिव, इस्पात मंत्रालय की अध्यक्षता में 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-2012) के लिए इस्पात उद्योग कार्यदल गठित किया गया है। कार्यदल की प्रथम बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि 11वीं योजना के लिए विकास नीति तैयार करने से पूर्व इस्पात उद्योग से संबंधित मुद्दों का विस्तार से विश्लेषण करने की आवश्यकता है। कार्य दल की प्रथम बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि 11वीं योजना के लिए नीति बनाने से पूर्व इस्पात उद्योग से संबंधित मुद्दों का गहराई से विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है। तदनुसार दो उप दल गठित किए गए। उप दल-। लोहे और इस्पात की मांग और पूर्ति तथा उप दल-II प्रौद्योगिकीय मुद्दों के लिए था। कार्य दल ने अपनी अन्तिम रिपोर्ट दिसम्बर, 2006 में योजना आयोग को प्रस्तुत कर दी। कार्यदल की टिप्पणियों और निष्कर्षों के आधार पर तथा राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 की भावना और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए भारत को न केवल लागत, गुणवत्ता और उत्पाद-मिश्र की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु अपितु दक्षता और उत्पादकता के अन्तर्राष्ट्रीय बेन्चमार्कों की दृष्टि से भी 11वीं पंचवर्षीय योजना में निम्नलिखित प्रमुख महत्वपूर्ण क्षेत्र अभिज्ञात किए गए हैं जहां सरकार द्वारा समर्थन संबंधी उपाय उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

➢ मांग संबंधी प्रबंधन

- **वास्तुविदों, इंजीनियरों, विद्यार्थियों और अन्य प्रौद्योगिकी प्रैक्टिशनरों और इस्पात के प्रयोक्ताओं में इस्पात के उत्पादकों और इंस्टीट्यूट आफ स्टील डेवलपमेंट एंड ग्रोथ (आई एन एस डी ए जी) द्वारा इस्पात के उपयोग को बढ़ावा देना।**
- **पुलों, क्रैश बैरियरों, सेतुओं, औद्योगिक और अन्य भवनों तथा सामान्य रूप से बड़े पैमाने पर निर्माण में इस्पात के प्रयोग को प्रोत्साहित करना।**
- **इस्पात प्रयोगों का विस्तार करने के लिए नए ग्रेड और उत्पाद विकसित करना।**
- **इस्पात की उपलब्धता और वहनीयता में सुधार करना।**

➢ पूर्ति संबंधी प्रबंधन

- **महत्वपूर्ण कच्चे माल जैसे लौह अयस्क, कोककर/अकोककर कोयला, फैरो मिश्र आदि की उपलब्धता।**
- **ढांचागत सुविधाओं अर्थात विद्युत, रेलवे, राजमार्ग, पत्तन एंव तटीय जहाजरानी का विकास।**
- **नए निवेश के लिए सुविधा प्रदान करना।**

5.1 पर्यावरण प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण

कच्चे माल से लेकर परिसज्जित इस्पात चरण तक लोहा और इस्पात उत्पादन के लिए अपनाई गई प्रौद्योगिकी तथा अन्ततः सृजित उप-उत्पादों तथा अपशिष्ट के दक्षतापूर्ण निपटान/पुनः उपयोग को अनिवार्य रूप से लोहा और इस्पात संयंत्रों में पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए। इसलिए उत्पादन प्रक्रियाओं तथा संयंत्र के आस-पास के परिवेश को शामिल करते हुए एकीकृत दृष्टिकोण के लिए पर्यावरण के प्रभावी प्रबंधन की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में उद्योग और सरकार का उद्देश्य शून्य अपशिष्ट/शून्य बहिस्त्राव होना चाहिए।

अपशिष्ट विशेष रूप से ढोस अपशिष्ट अपरिहार्य रूप से लाभपूर्ण मूल्यवर्धित उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। दूसरे शब्दों में सतत विकास प्रौद्योगिकी विकास और डिजाईन स्तर से ही शुरू किया जाना चाहिए। भविष्य में यह सुनिश्चित किया जाए कि वे प्रौद्योगिकियाँ जो बने रहने योग्य नहीं हैं, न तो विद्यमान संयंत्रों के विस्तार और न ही नई क्षमताओं के सृजन के लिए अपनाई जानी चाहिएं। इन उद्देश्यों के लिए उद्यमियों और सरकार दोनों के स्तर पर उपयुक्त हस्तक्षेप के जरिए पहल करने के लिए आवश्यक है।

5.2 सुरक्षा उपाय

भारत में लोहा और इस्पात उद्योग में सुरक्षा की स्थिति में समग्र रूप से सुधार करने हेतु निम्नलिखित उपचारात्मक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है:-

(i) कानूनी सिस्टम को सुदृढ़ करना ताकि सुरक्षा नीति में उल्लंघन की कोई भी घटना चाहे वह सरकारी क्षेत्र में हो अथवा निजी क्षेत्र में हो, बिना दण्ड दिए नहीं रहनी चाहिए। तदनुसार फैक्टरी निरीक्षक, सुरक्षा अधिकारी और कानूनी ढ़ांचे की प्रणाली को सुधारना होगा। प्रौद्योगिकियों/कार्य परिवेश में हुए बदलावों को ध्यान रखने के लिए कानूनी प्रावधानों में उन्नयन किया जाना चाहिए ताकि जहां तक संभव हो सके, खामियों को दूर किया जा सके।

(ii) सभी संयंत्रों में आई एल ओ दिशा निर्देशों के अनुसार ओ एच एस प्रबंधन प्रणाली और ओ एच एस ए एस 18001 अपनाई जानी चाहिए।

(iii) भारत में कुछ इस्पात संयंत्रों में अब भी कई पुरानी प्रौद्योगिकियाँ अर्थात् ट्विन हर्थ फर्नेश, इंगाट मेकिंग आदि प्रचालनरत हैं। ये प्रक्रियाएं वहां काम करने वाले कर्मचारियों के लिए खतरनाक हैं और इस प्रकार के संयंत्रों में सुरक्षा में सुधार करने हेतु इन प्रक्रियाओं को तत्काल बन्द किए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त नई प्रौद्योगिकियों का विकास सुरक्षित कार्य परिवेश उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

(iv) अन्तर्निहित जोखिम/खतरे का बेहतर ढंग से आंकन करने के लिए सभी संयंत्रों में अग्नि माडलिंग और जोखिम विश्लेषण का विश्लेषण किया जाना चाहिए।

5.3 आंकड़ों के संग्रहण और जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए संस्थागत ढ़ांचा

आंकड़ों/सूचना के संग्रहण, वैधता, विश्लेषण और प्रचार-प्रसार के लिए विद्यमान संस्थागत तंत्र में तत्काल सुधार करने की आवश्यकता है। इस्पात उद्योग के नियंत्रणमुक्त होने से आंकड़ों का संग्रहण विशेष रूप से क्षमता और उत्पादन से संबंधित सूचना संग्रहित करना अब काफी जटिल हो गया है। सभी शेयरधारकों, नीति निर्माताओं, फर्मों, वित्तीय संस्थानों और उपभोक्ताओं द्वारा संसूचित निर्णय लेने की सुविधा हेतु एक विश्वसनीय और प्रभावी आंकड़ा आधार तैयार करने को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कानूनी प्रावधान/संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है। विद्यमान संस्था नामत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) तथा आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू) को इस प्रयोजन के लिए सुदृढ़ किया जाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, विद्यमान संस्थाओं नामत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) तथा आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू), इंस्टिट्यूट फॉर स्टील डवलपमेंट एंड ग्रोथ (आईएनएसडीएजी), नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सैकेण्ड्री स्टील टैक्नोलॉजी (एनआईएसएसटी) तथा बीजू पटनायक नेशनल स्टील इंस्टिट्यूट (बीपीएनएसआई) को सार्वभौमिकीकरण की बदली हुई वास्तविकताओं के अनुरूप रिओरियेंटिड करने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में इस देश में इंटरनेशनल आयरन एंड स्टील

इंस्टिट्यूट (आईआईएसआई) के अनुसार एक मल्टीडिसीपलीनरी ऑर्गेनाईजेशन स्थापित करने पर भी विचार किया जा सकता है।

6. नीतिगत पहलों से निष्कर्ष बजट की संगतता

इस्पात मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में चालू योजनाओं/परियोजनाओं तथा 11वीं योजना वर्ष 2007-12 के दौरान शुरू की जाने वाली प्रस्तावित योजनाओं/परियोजना जैसे क्षमता विस्तार, प्रौद्योगिकीय उन्नयन, लौह अयस्क तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण/विकास, अनुसंधान एवं विकास योजनाओं, नए स्लैब कास्टर की स्थापना, कोक ओवन बैटरी का पुनर्निर्माण, ए एम आर योजनाओं आदि से संयंत्रों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, गुणवत्ता तथा उत्पाद-मिश्र में सुधार होगा और उत्पादन की लागत में कमी होगी। अवधारणा पर बल देने सहित निष्कर्ष बजट की अवधारणा, रूपांकन, निष्कर्षोन्मुखी योजनाओं/कार्यक्रमों का कार्यक्रम और सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम तैयार करने की अपेक्षा, क्षमताओं का मूल्यांकन तथा प्रभावी सुपुर्दगी प्रणाली से वास्तविक परिसम्पत्तियों और जनशक्ति के बेहतर उपयोग की संभावना है, परियोजना प्रबंधन और कार्यान्वयन में सुधार होने, तथा प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने की आशा है। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाओं/कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन से भारतीय इस्पात उद्योग के न केवल लागत, गुणवत्ता और उत्पाद मिश्र की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने अपितु दक्षता और उत्पादकता के अन्तर्राष्ट्रीय बेन्चमार्कों जो राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 में परिकल्पित उद्देश्य एवं लक्ष्य हैं, में भी योगदान देगी।

****

अध्याय IV

पिछले निष्पादन की समीक्षा-निष्कर्ष बजट 2008-09

निष्कर्ष बजट 2008-09 इस्पात मंत्रालय की योजना और गैर-योजनागत योजनाओं/कार्यक्रमों के संबंध में तैयार किया गया था। 10वीं योजना (2002-07) तक इस्पात मंत्रालय को प्रत्यक्ष रूप से किसी योजना का कार्यान्वयन नहीं करना था। 11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित शामिल किया गया है। इस योजना को कार्यान्वयन के लिए औपचारिक रूप से दिनांक 23.1.2009 को अनुमोदित किया गया था। अनुमोदन के अनुसार यह योजना दिनांक 1.4.2009 से प्रभावी होगी।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। योजना के स्वरूप पर निर्भर करते हुए सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनागत योजनाएं उनकी वार्षिक योजना अथवा पंचवर्षीय योजनाओं अथवा दोनों की घटक होती हैं। प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई योजनाएं हैं। अधिकांश योजनाएं कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और प्रचालनों से संबंधित हैं। इसलिए यह महसूस किया गया है कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी योजनाओं को शामिल करना न तो व्यवहारिक होगा और न ही निष्कर्ष बजट के उद्देश्य के अनुरूप होगा। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख योजना और गैर-योजनागत योजनाओं को ही शामिल किया जाए। इस मानदंड के आधार पर 52 योजनागत योजनाओं (सेल की 30 योजनाओं, आरआईएनएल की 11, केआईओसीएल की 5, एनएमडीसी की 4, मॉयल की 1 और इस्पात मंत्रालय की 1 योजनाओं) तथा एक गैर-योजनागत योजना (एचएससीएल के संबंध में) को निष्कर्ष बजट 2008-09 में शामिल किया गया था। 50.00 करोड़ रूपए से अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली इन 53 योजनाओं के संबंध में निष्कर्ष बजट, 2008-09 में दर्शाए गए अभिप्रेत निष्कर्षों की तुलना में संयंत्र-वार वास्तविक उपलब्धियां (31 मार्च, 2009 तक) निम्नलिखित तालिका में दी गई हैं। यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश प्रमुख योजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं अतः इन योजनाओं की उपलब्धियों का अपेक्षाकृत अधिक सार्थक और वास्तविक मूल्यांकन इन योजनाओं के पूरा किए जाने के बाद ही संभव है।

निष्कर्ष बजट 2008-09 में अनुमानित अभिप्रेत निष्कर्षों की तुलना में वास्तविक उपलब्धियाँ

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008-मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
क.	50 करोड़ रू0 से अधिक की अनुमानित/स्वीकृत लागत की योजनाएँ											
1	स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि0 (सेल)											
(क)	भिलाई इस्पात संयंत्र											
(i)	**कोक ओवन बैटरी-5 का पुनर्निर्माण**	**उत्पादन में सुधार तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम उत्सर्जन मानदंडों को प्राप्त करना।**	**219.04**	**50.00**	**50.00**	**एम ओ ई एफ के नवीनतम प्रदूषण मानकों के अनुसार पुनर्निर्माण**	**जुलाई '07**	**इसकी पूर्णता धमन भट्टियों में कोक की आवश्यकता से जुड़ी हुई है।**	**54.50**	**169.7**	**--**	**उत्थापन दिसंबर, 08 में पूरा हो गया इसकी पूर्णता धमन भट्टियों में कोक की आवश्यकता से जुड़ी हुई है।**
(ii)	**2x1250 टीपीडी O_2 संयंत्र के लिए विद्युत आपूर्ति सुविधाओं की स्थापना**	**बीएसपी की भविष्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एनटीपीसी व सेल की एक संयुक्त उद्यम कंपनी एनएसपीसीएल के जरिए विद्युत संयंत्र-3 से 220 केवी पर विद्युत को हटाया जाना।**	**62.00**	**30.00**	**25.00**	**500 मेगावाट में से 280 मेगावाट बीएसपी के लिए आबंटित की है।**	**सितम्बर' 08**	**फरवरी 09**	**31.8**	**47.42**	**--**	**पूरी की गई**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008-मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(iii)	**मेन स्टैप डाऊन स्टेशन की स्थापना (एमएसडीएस-V)**	**बीएसपी की भविष्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एनटीपीसी व सेल की एक संयुक्त उद्यम कंपनी एनएसपीसीएल के जरिए विद्युत संयंत्र-3 से 220 केवी पर विद्युत को हटाया जाना।**	**143.02**	**92.00**	**65.00**	**500 मेगावाट में से 280 मेगावाट बीएसपी के लिए आबंटित की है।**	**नवम्बर 08**	**जून 09**	**75.61**	**104.49**	**--**	**--**
(iv)	**नये स्लैब कास्टर, आर एच डिगैसर तथा लैडल फर्नेस की स्थापना**	**उच्च गुणवत्ता की प्लेटों तथा भारतीय रेल के लिये विनिर्दिष्टियों के अनुरूप पटरियों के उत्पादन की क्षमता में बढ़ोतरी करने के लिये मूल्यवर्धित/विशेष गुणवत्ता के इस्पात का उत्पादन**	**520.76**	**123.00**	**70.00**	**अतिरिक्त कास्टिंग 0.165 एमटीपीए। एपीआई X65/X70 ग्रेड - 3,00,000टी**	**जुलाई 08**	**जनवरी 09**	**51.86**	**414.56**	**हीट्स की कास्टिंग नियमित आधार पर आरंभ हो गई है और अभी तक 113 हीटस दी गई हैं। इसे स्थिर बनाया जा रहा है।**	**पूरी की गई**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008-मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(v)	**एसएमएस में तप्त धातु डिसल्फयूराईजेशन**	**विशेष रूप से ऑफ-शोर, परिवहन तथा अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में अनुप्रयोग हेतु, उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए कम सल्फर वाले इस्पात के उत्पादन की सुविधा प्रदान करना।**	**86.23**	**19.23**	**8.00**	**तप्त धातु में सल्फर के स्तर में 0.1% से 0.01% तक की कमी।**	**मार्च 08**	**जनवरी '08**	**7.62**	**58.86**	**परिकल्पना के अनुसार सल्फर का स्तर प्राप्त किया गया।**	**पूरी की गई**
(vi)	**प्लेट मिल ड्राईव्ज का थाईरिस्टोराईजेशन**	**स्टेट-ऑफ-आर्ट डिजिटल कंट्रोल के साथ मॉर्डन थिरिस्टर कन्वर्टरों द्वारा पुराने व गलत एमजी सैटों को बदलना।**	**53.52**	**25.00**	**18.00**	**मिल उपलब्धता में सुधार एवं विद्युत खपत में कमी**	**फरवरी'09**	**मई 09**	**30.94**	**33.63**	**--**	**--**
(vii)	**ऑक्सीजन संयंत्र-।। में 700टीपीडी एएसयू**	**ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की बढ़ती हुई जरूरत को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन संयंत्र-।। में नया एएसयू स्थापित किया जा रहा है।**	**244.30**	**60.00**	**10.00**	**आक्सीजन का प्रतिदिन 700 टन**	**जुलाई 09**	**मई 11**	**17.15**	**19.99**	**--**	**मैसर्स क्रायोजन मैश के साथ करार समाप्त हो गया है और री-टैंडरिंग की गई है। नए करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(viii)	**एंड फोर्जिंग प्लांट**	**हैवी होलेज/हाई स्पीड ट्रक के निर्माण और प्रस्तावित फ्रैट कोरिडोर के लिए भारतीय रेलवे की जरूरत के लिए एंड प्रोफाईल थिक वैब रेल्स को प्रोफाइल ऑफ रेल्स में परिवर्तित करने हेतु।**	**53.52**	**30.00**	**45.00**	**हैवी होलेज/हाई स्पीड ट्रैक्स के लिए हैवी ड्यूटी स्विच बनाने हेतु रेलों का उत्पादन।**	**नवम्बर 08**	**मार्च 09**	**47.69**	**47.99**	**--**	**पूरी हो गई**
(ख)	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र											
(i)	**बीएफ-3 व 4 में कोल डस्ट इंजेक्शन**	**प्रौद्योगिकीय जरूरत के मुताबिक कोक दर में कमी तथा फर्नेस उत्पादकता में सुधार**	**74.22**	**16.97**	**10.00**	**1:1 के अनुपात के आधार पर कोक का पल्वेराईज्ड कोल द्वारा प्रतिस्थापन। 120 किग्रा /टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर।**	**अप्रैल 08**	**अक्टूबर 08**	**9.76**	**54.6**	**72 कि ग्रा/टी एच एम की दर से इंजेक्शन रेट प्राप्त किया गया।**	**पूरी हो गई**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(ग)	राऊरकेला इस्पात संयंत्र											
(i)	**कोक ओवन बैटरी-4 का पुनर्निर्माण**	**उत्पादन में सुधार तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम उत्सर्जन मानदंडों को प्राप्त करना।**	**248.94**	**103.00**	**50.00**	**एम ओ ई एफ के नवीनतम प्रदूषण मानकों के अनुसार पुनर्निर्माण किया जाना**	**अगस्त 09**	**अगस्त 09**	**45.86**	**73.79**	**--**	**--**
(ii)	**एसएमएस-2 में तप्त धातु डिसल्फ्यूराईजेशन**	**विशेष रूप से तटीय, परिवहन और अवसंरचना क्षेत्रों में अनुप्रयोग हेतु उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए कम सल्फर वाले इस्पात के उत्पादन को सुविदाप्रद बनाना।**	**52.39**	**25.00**	**10.00**	**तप्त धातु में सल्फर के स्तर में 0.1% से 0.01% की कमी**	**मई 08**	**अप्रैल 08**	**14.01**	**49.14**	**--**	**पूरी हो गई**
(iii)	**पाईप कोटिंग प्लांट की स्थापना**	**मुख्य रूप से हाईड्रोकार्बन क्षेत्र में कोटिड पाईपों की आपूर्ति**	**68.27**	**45.00**	**39.00**	**8" से 42" की बाह्य परिधि की रेंज वाले पाइपों सहित 60,000 टीपीए क्षमता**	**अगस्त 08**	**सितम्बर 08**	**31.22**	**53.28**	**--**	**पूरी हो गई**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(iv)	**बीएफ-4 में कोल डस्ट इंजेक्शन सिस्टम**	**कोक दर में कमी तथा फर्नेस उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता**	**70.71**	**50.00**	**35.00**	**1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पल्वेराईज्ड कोल द्वारा प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।**	**अक्टूबर08**	**सितम्बर 09**	**31.03**	**41.12**	**--**	**मैसर्स साइनोस्टील, चीन द्वारा डिजाइन इंजीनियरिंग तथा उपस्करों की आपूर्ति में विलंब। मैसर्स साइनोस्टील, चीन द्वारा सिविल तथा स्टक्चरल कार्य तथा उपस्करों की आपूर्ति में विलंब।**
(v)	**सीपीपी-। में टर्बो ब्लोवर सं. 5 की अपरेटिंग**	**बीएफ-4 की उच्च दाब की आवश्यकता के लिए और अन्य टर्बो ब्लोवरों के शट डाऊन/अनुपलब्धता के मामले में अन्य धमन भट्ठियों की एयर संबंधी आवश्यकता पूरी करने के लिए भी।**	**54.05**	**43.00**	**25.00**	**2.3 किग्रा./सेमी^{2} के दाब पर 1,63,000 एनएम^3/घंटे के डिस्चार्ज वोल्यूम की क्षमता**	**जनवरी 09**	**जुलाई 09**	**11.66**	**13.53**	**--**	**--**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008-मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(vi)	**न्यू कोक ओवन गैस होल्डर**	**गैस ग्रिड में पर्याप्त दाब बनाए रखने के लिए प्रतिस्थापन के रूप में न्यू कोक ओवन गैस होल्डर**	**123.22**	**51.00**	**40.00**	**100,000 एम 3 क्षमता**	**जून 09**	**जून 09**	**35.92**	**61.38**	**--**	**--**
(vii)	**700टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र**	**ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की बढ़ती हुई जरूरत को पूरा करने के लिए नया ऑक्सीजन संयंत्र**	**302.70**	**128.00**	**93.00**	**700 टन प्रतिदिन क्षमता**	**जून 09**	**दिसम्बर 09**	**75.08**	**93.08**	**--**	**--**
viii)	**एसएमएस-।। के बीओएफ कन्वर्टरों की सिमल्टानियस ब्लोइंग**	**एसएमएस-।। की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए**	**197.66**	**20.00**	**45.00**	**1.68 एमटीपीए से 1.85 एमटीपीए उत्पादन बढ़ाना**	**अक्टूबर 09**	**अक्टूबर 09**	**27.21**	**27.21**	**--**	**--**
(घ)	बोकारो इस्पात संयंत्र											
(i)	**हॉट स्ट्रिप मिल में मीवैस्ट ब्लॉक सिस्टम तथा हाऊसिंग मशीनिंग में संशोधन/मरम्मत कार्य ।**	**हॉट स्ट्रिप की समग्र गुणवत्ता के साथ-साथ उत्पादन में सुधार करना तथा हॉट स्ट्रिप मिल के सुचारू रूप से कार्य करने को सुनिशिचित करना ।**	**91.86**	**15.00**	**12.00**	**बार-बार होने वो ब्रेकडाऊन से बचने के लिए तथा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए तकनीकी आवश्यकता।**	**मई 08**	**जुलाई 08**	**10.98**	**80.06**	**परिकल्पना के अनुसार लाभ प्राप्त किये गये।**	**पूरी हो गई**
(ii)	**ऑक्सीजन संयंत्रों में एयर टर्बो कम्प्रैसर (एटीसी) तथा ऑक्सीजन टर्बो कम्प्रैशर (ओटीसी)**	**भविष्य में नियमित आधार पर उपस्करों के अनुरक्षण तथा ऑक्सीजन संयंत्र के उत्पादन को बनाए रखने के लिए तकनीकी आवश्यकता।**	**81.76**	**20.00**	**32.00**	**एटीसी क्षमता 90,000 एनएम3/घंटा तथा ओटीसी क्षमता 15000 एनएम3/घंटा**	**जुलाई 08**	**मई 09 (एटीसी)**	**29.44**	**53.26**	**--**	**प्रचालन जरूरत के कारण सिलैण्डर फिलिंग स्टेशन को पुनः स्थापित नहीं किया जा सका जिससे साईट के सौंपने में विलंब हुआ।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(iii)	**बीएफ-3 व 4 में कोल डस्ट इंजेक्शन**	**प्रौद्योगिकीय जरूरत के मुताबिक कोक दर में कमी तथा फर्नेस उत्पादकता में सुधार**	**133.92**	**90.00**	**30.00**	**1:1 के अनुपात के आधार पर कोक का पल्वेराईज्ड कोल द्वारा प्रतिस्थापन। 120 किग्रा /टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर।**	**जुलाई '08**	**अक्टूबर '09**	**30.97**	**72.22**	**--**	**विस्तार योजना के तहत एसएमएस-3 के लिए साईट को अंतिम रूप देने के कारण कोयला की हैंडलिंग एवं भंडारण साईट के पुन: स्थान निर्धारण में विलंब हुआ। - मैसर्स एससीईपीसी एंड टैकप्रो द्वारा फैब्रिकेशन तथा स्ट्रक्चर्स के उत्थापन में विलंब।**
(iv)	**कोयला संभाल संयंत्र में कोककर कोयला भंडारण सुविधाएं**	**कोयला संभाल में कोककर कोयले की भंडारण की सुविधाओं में वृद्धि।**	**134.32**	**70.00**	**50.00**	**भंडारण क्षमता में 115000 टन से 202500 टन की वृद्धि**	**अक्टूबर 08**	**मई 09**	**58.25**	**99.58**	**--**	**- मैसर्स बीएचईएल द्वारा डिजाइन इंजीनियरिंग के और उपस्कर की आपूर्ति करने में विलंब हुआ। - मैसर्स बीएसबीके द्वारा सिविल कार्य में विलंब ।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(v)	**एसएमएस-।। में दूसरी लैडल फर्नेस की स्थापना।**	**प्रचालन में कास्टरों व व्यवहार्यता में लंबी सीक्वेंस के लिए बफर स्टेशन बनाने के अलावा मूल्यवर्धित इस्पात, विशेष रूप से कम सल्फर वाले स्टील के उत्पादन की सुविधा प्रदान करना, रिटर्न हीट में कमी, ऑक्सीजन खपत में कमी और फैरो अलॉय की बचत।**	**96.96**	**76.00**	**30.00**	**मूल्यवर्धित इस्पात का उत्पादन, कन्वर्टरों की लाईनिंग लाईफ में सुधार।**	**सितम्बर 08**	**अक्टूबर 09**	**34.05**	**48.80**	**--**	**- मैसर्स वीएआई व मैसर्स सीमेंस द्वारा डिजाइन इंजीनियरिंग व उपस्कर का आदेश देने में विलंब।** **- मैसर्स एचएससीएल व केसीसी द्वारा संसाधन संघटन में कमी जिससे सिविल कार्य में विलंब।**
(vi)	**सिंटर संयंत्र में ईएसपी सहित बैटरी साईक्लोन्स का प्रतिस्थापन।**	**केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदण्डों के अनुसार आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर की सांविधिक जरूरत को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रीसीपीटेटर्स द्वारा बैटरी साईक्लोन का प्रतिस्थापन।**	**80.60**	**30.00**	**15.00**	**आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर में 150 एमजी/एनएम^3 पर नियंत्रण करने के लिए 900,000 एम^3/घंटा क्षमता के 6 ईएसपी।**	**अगस्त 10**	**अगस्त 10**	**19.57**	**19.57**	**--**	**--**
(vii)	**नए टर्बो ब्लोवर सं0 8 की स्थापना**	**बीएफ-2 की कोल्ड ब्लास्ट (सीबी) बढ़ी जरूरत को पूरा करने के लिए।**	**105.33**	**40.00**	**10.00**	**4000 एनएम^3/मिनट का ब्लोवर डिस्चार्ज वोल्यूम और ब्लोवर एंड में 3.9 किग्रा/सेमी^{3} का डिस्चार्ज प्रैशर।**	**अगस्त 09**	**कॉलम 13 देखें।**	**5.42**	**5.42**	**--**	**मैसर्स रोज इलेक्ट्रोपेम के साथ करार समाप्त कर दिया गया। पुन: टेंडरिंग को अंतिम रूप दिया जा रहा है।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय* 2008-09		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(viii)	**बीएफ-2 का उन्नयन**	**उपयोगी वर्किंग वौल्यूम और उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए।**	**892.32**	**100.0**	**62.00**	**उपयोगी वोल्यूम 1758 से बढ़कर 2259 एम3 हो जायेगी और उत्पादकता में 2टी/एम3/दिन की बढ़ोतरी होगी।**	**अगस्त 09**	**मार्च 10**	**213.84**	**248.04**	**--**	**बीएफ-3 की बड़े पैमाने पर मरम्मत के कारण बीएफ-2 को बंद करना स्थगित कर दिया गया।**
(ix)	**सीओबी-1 व 2 का पुनर्निर्माण।**	**उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।**	**500.90**	**15.00**	**50.00**	**उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंड प्राप्त किए।**	**अप्रैल 10**	**दिसम्बर 10**	**57.70**	**57.70**	**--**	**जुलाई, 10-सीओबी नं. 1 अक्तूबर, 10-सीओबी नं 2 ठेकागत अनुसूची-स्थल सौंपने की तारीख से 27 माह**
(ङ)	इस्को इस्पात संयंत्र											
(i)	**कोक ओवन बैटरी-10 का पुनर्निर्माण**	**उत्पादन व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।**	**416.50**	**60.00**	**100.00**	**पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों के अनुसार पुनर्निर्माण।**	**सितम्बर 09**	**मार्च 10**	**111.20**	**134.61**	**--**	**--**
(ii)	**आईएसपी का विस्तार**	**2.7एमटीपीए तप्त धातु, 2.5एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37एमटीपीए विक्रेय इस्पात का उत्पादन करने के लिए नई सुविधाए स्थापित करना।**	**16073.94**	**961.00**	**980.00**	**2.7एमटीपीए तप्त धातु, 2.5एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात**	**मई 10**	**जुलाई 10**	**1576.89**	**2145.28**	**--**	**--**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(च)	सेलम इस्पात संयंत्र											
(i)	**एसएसपी का विस्तार**	**सतत् ढलाई व नई सीआरएम के साथ् इस्पात निर्माण सुविधाएं विकसित करना।**	**2138.00**	**200.00**	**690.00**	**अपरिष्कृत इस्पात के उत्पादन में शून्य से 0.18 एमटी और विक्रेय इस्पात के उत्पादन में 0.18 से 0.34 एमटी की वृद्धि करना।**	**मार्च 10**	**मार्च10**	**485.59**	**524.40**	**--**	**--**
(छ)	वी आई एस एल											
(i)	**एसएमएस में ब्लूम कास्टर की स्थापना।**	**सतत् ढलाई प्रौद्योगिकी द्वारा पुरानी इन्गॉट प्रौद्योगिकी का प्रतिस्थापन।**	**84.90**	**40.00**	**44.00**	**1,25,000 टीपीए कास्ट ब्लूम्स का उत्पादन।**	**फरवरी 09**	**जून 09**	**41.63**	**42.05**	**--**	**--**
2.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0 (आर आई एन एल)											
(i)	**कोक ओवन बैटरी सं. 4, चरण-।**	**कोक की जरूरतों एवं शेष गैस को पूरा करने के लिए, अन्य तीन कोक ओवन बैटरियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत के दौरान भी तप्त धातु व द्रव इस्पात के उत्पादन को इस स्तर पर बनाए रखने हेतु एक प्रतिस्थापन बैटरी की आवश्यकता होगी ।**	**355.00**	**20.00**	**28.00**	**0.75 एम टी कोक का उत्पादन करना**	**सितंबर 08**	**अप्रैल 09**	**24.52**	**305.90**	**रिप्लेसमेंट बैटरी के रूप में सी ओ बी-4 का उपयोग करना**	**बैटरी दिनांक 12.4.09 को चालू की गई तथा परीक्षण किया जा रहा है। चरण-II के कार्यान्वयन के पश्चात पूरी क्षमता हासिल की जानी है।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(ii)	**कोक ओवन बैटरी सं. 4, चरण-II**	**गैस का पूर्ण उपयोग करना तथा कोल हैंडलिंग में अतिरक्ति उप-उत्पाद सुविधाएं प्रदान करके उप-उत्पादों के बेहतर उपयोग में वृद्धि करना और कोल हैडलिंग में तुलन सुविधायें।**	**282.48**	**80.00**	**25.00**	**उप-उत्पादों की प्राप्ति में वृद्धि**	**नवम्बर 09**	**मई 10**	**15.12**	**15.28**	**उप-उत्पादों की प्राप्ति में वृद्धि**	**सिविल तथा स्ट्रक्चरल कार्य प्रगति पर है। प्रमुख उपस्करों के लिए ऑर्डर दे दिए गए हैं।**
(iii)	**द्रव इस्पात क्षमता का 6.3 एमटीपीए तक विस्तार।**	**संयंत्र की क्षमता में वृद्धि।**	**12228.00**	**3000.00**	**2500.00**	**द्रव इस्पात के उत्पादन क्षमता बढ़कर वर्तमान स्तर 3.0 एमटीपीए क्षमता से 6.5 एमटीपीए ।**	**मार्च 10**	**चरण-1 फरवरी 10, चरण-2 जून 11**	**2640.77**	**4043.31**	**उत्पादन में वृद्धि। द्रव इस्पात का उत्पादन बढ़कर 6.3 एमटीपीए ।**	**प्रमुख पैकेजों के लिए ऑर्डर दिए गए हैं और निर्माण कार्य प्रगति पर है। संयंत्र और मशीनरी के मूल्यों में वृद्धि होने से पूंजीगत लागत पर बढ़ गई है। 12228 करोड़ रूपए के संशोधित लागत अनुमान भारत सरकार को भेज दिए गए हैं। अनुमोदित लागत 8692 करोड़ रू0 है।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**1**	**12**	**13**
(iv)	**एयर सैपरेशन प्लांट**	**कंबाइंड ब्लोइंग प्रोसेस हेतु ऑर्गन की कमी पूरी करने के लिए अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना । उत्पादित ऑक्सीजन बीएफ में प्रयुक्त की जाती है ।**	**323.00**	**50.00**	**10.00**	**600-600 टन की 2 क्षमताएं जिनकी अनुमानित लागत 162 करोड़ रू0 प्रत्येक है।**	**जुलाई 09**	**एएस-4 जून 10 में और एएस-5 दिसम्बर 10 में**	**3.61**	**3.61**	**इससे एस एम एस में लिक्विड स्टील का उत्पादन और बी एफ में हॉट मेटल का उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी.**	**प्रमुख पैकेजों के लिए ऑर्डर दिए गए हैं। विस्तृत इंजीनियरी का कार्य प्रगति पर है। 7.1.2009 को मैसर्स एयर लिक्विड इंजी. इंडिया, हैदराबाद के साथ करार हस्ताक्षरित किया गया है। फरवरी, 2009 से उपस्करों की आपूर्ति शुरू हो गई है।**
(v)	**बी एफ-I और II के लिए पल्वेराईज्ड कोल इंजेक्शन सिस्टम**	**कम महंगे पल्वेराईज्ड कोल की तुलना में महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम ।**	**129.00**	**60.00**	**10.00**	**तप्त धातु की वर्तमान क्षमता बढ़ी है तथा तप्त धातु की उत्पादन लागत कम हुई है ।**	**जुलाई 09**	**सितम्बर 09**	**0.74**	**0.74**	**--**	**विस्तृत इंजीनियरी पूरी कर ली गई है तथा सिविल कार्य प्रगति पर है और उपस्करों की सप्लाई शुरू हो गई है।**
(vi)	**लौह अयस्क खान तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण**	**कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।**	**600.00**	**60.00**	**0.00**	**आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोककर कोयला/लौह अयस्क के लिए निजी स्त्रोत नहीं हैं और परिव्यय खानों के अधिग्रहण के लिए शामिल हैं।**	**कॉलम 13 देखें**	**कॉलम 13 देखें**	**0.00**	**0.25**	**--**	**लौह अयस्क खानों के आबंटन और विदेशों में लौह अयस्क खानें अधिग्रहीत करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए राज्य सरकारों के साथ कार्रवाई की जा रही है। आरआईएनएल को दो कोकिंग कोल ब्लॉक आबंटित किए गए हैं। किफायती खनन के लिए उपयुक्त खनन प्रौद्योगिकी का पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**1**	**12**	**13**
(vii)	**वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट सुविधाएं**	**शून्य जल बहिस्त्राव**	**114.85**	**80.00**	**0.00**	**संयंत्र के 3 आउटलेट्स से निकाले गये/संरक्षित किए गए और पुन: उपयोग में लाये गये जल की मात्रा 1050 सीयूएम/घंटा होगी।**	**कॉलम 13 देखें।**	**कॉलम 13 देखें।**	**--**	**--**	**--**	**6.3 एम टी पी ए क्षमता की विस्तार स्कीम के साथ शामिल कर दिया गया।**
(viii)	**लौह अयस्क भ्ंडारण के लिए सुविधाएं**	**लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना**	**484.00**	**300.00**	**5.00**	**इससे आयरन ओर भंडारण सुविधा 30 दिनों तक बढ़ेगी**	**सितम्बर 09**	**सितम्बर 10**	**0.00**	**0.00**	**--**	**परामर्शदाता की नियुक्ति कर दी गई है। निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है।**
(ix)	**अनुषंगी सुविधाओं सहित 330 टीपीएच (छठा) बॉयलर**	**स्टीम आवश्यकता को पूरा करना।**	**323.00**	**145.00**	**50.00**	**इससे विस्तार यूनिटों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रोसेस स्टीम में वृद्धि हुई है।**	**दिसम्बर 09**	**अगस्त 10**	**30.61**	**50.93**	**विस्तार हेतु स्टीम आवश्यकता को पूरा करना और विद्युत उत्पादन में सहायता।**	**विस्तृत इंजीनियरी प्रगति पर है। निर्माण और ढांचागत कार्य प्रगति पर है।**
(x)	**67.5 मेगावाट का टीजी-5 पावर इवेक्यूएशन सिस्टम**	**अतिरिक्त विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करना।**	**346.00**	**145**	**50.00**	**विस्तार इकाइयों की विद्युत आवश्यकता के लिए आंशिक रूप से उत्पादन करना।**	**दिसम्बर 09**	**फरवरी 11**	**31.86**	**51.33**	**निरंतर विद्युत आवश्यकता को पूरा करना।**	**विस्तृत इंजीनियरी प्रगति पर है। निर्माण और ढांचागत कार्य प्रगति पर है।**
(xi)	**30 मेगावाट की विंड फार्म परियोजना**	**उपयुक्त स्थान पर 30 मेगावाट की ऊर्जा परियोजना स्थापित करना।**	**169.50**	**85.00**	**0.00**	**30 मेगावाट की रिन्यूऐबल विंड इनर्जी का उत्पादन करना।**	**अगस्त 09**	**कॉलम 13 देखें**	**0.00**	**0.00**	**--**	**परियोजना आस्थगित कर दी गई है।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
3.	के आई ओ सी एल लि0											
(i)	**मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग का विकास**	**मैग्नेटाईट लौह अयस्क सांद्रण देश में उपलब्ध नहीं है और पैलेट संयंत्र के प्रचालन के लिए कच्चे माल के रूप में बेल्लारी/हॉस्पेट के उच्च ग्रेड के हैमेटाईट लौह अयस्क का प्रयोग करना दीर्घकाल के लिए एक वैकल्पिक स्रोत माना जाता है। अधिकांश कच्चा माल रेल के जरिये लाया जाता है। अत: मंगलौर में एक स्थायी रेलवे साइडिंग विकसित करने का प्रस्ताव है।**	**55.00**	**5.00**	**0.00**	**मंगलौर में 4 एमटीपीवाई लौह अयस्क की प्राप्ति को हैंडल करना।**	**कॉलम 13 देखें।**	**आवश्यक सांविधिक मंजूरी प्राप्त करने पर नई समय सीमा निर्धारित की जाएगी।**	**--**	**--**	**कॉलम 13 देखें**	**भूमि संबंधी विवाद सुलझा लिया गया है और अतिरिक्त भूमि के लिए भुगतान निर्मुक्त कर दिया गया है। पंजीकरण तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। केआरसीएल द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट शीघ्र ही प्राप्त होने की उम्मीद है जिसके बाद प्रस्ताव को बोर्ड के सामने अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।** **आवश्यक सांविधिक मंजूरी प्राप्त करने पर नई समय सीमा निर्धारित की जाएगी।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008-मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(ii)	**मंगलौर में लौह अयस्क की प्राप्ति हेतु बल्क सामग्री संभाल सुविधाओं का निर्माण**	**चूंकि अधिकतर कच्ची सामग्री का रेल के जरिए परिवहन किया जाता है इसलिए केआईओसीएल को इसके पैलेट तथा कच्चे लोहे के उत्पादन के लिए लौह अयस्क कन्साईन्मेंट प्राप्त करने हेतु भारी सामग्री की संभाल सुविधाओं के निर्माण का प्रस्ताव किया गया है।**	**60.00**	**5.00**	**0.00**	**पैलेटों के उत्पादन के लिए 4 एमटीपीवाई लौह अयस्क की आपूर्ति**	**कॉलम 13 देखें**	**आवश्यक सांविधिक मंजूरी प्राप्त करने पर नई समय सीमा निर्धारित की जाएगी।**	**--**	**--**	**कॉलम 13 देखें**	**प्रस्तावित नई रेलवे साईडिंग के पास क्लोज्ड कन्वेयर सिस्टम के जरिए भारी माल संभाल प्रणाली की योजना बनाई थी। उपर्युक्त भूमि संबंधी विवाद के परिणामस्वरूप इस परियोजना में भी विलंब हुआ। स्थाई रेलवे साइडिंग के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का कार्य पूरा हो जाने पर अनुमोदन के लिए परियोजना के संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी।** **आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(iii)	**डक्टाईल आयरन स्पन पाईप (डीआईएसपी) संयंत्र**	**मूल्यवर्धित उत्पाद अर्थात डक्टाइल आयरन स्पन पाईप का उत्पादन करने के लिए एक संयंत्र की स्थापना करना।**	**325.00**	**30.00**	**30.00**	**1,00,000 टन प्रति वर्ष डीआईएसपी का उत्पादन**	**जनवरी 11**	**जून 11**	**--**	**--**	**कॉलम 13 देखें**	**वैश्विक मंदी के कारण और प्रतिस्पर्धी पेशकश प्राप्त करने के लिए पूर्व निविदा रद्द कर दी गई थी। कंपनी ने बीएफयू, मंगलौर में डीआईएसपी संयंत्र स्थापित करने के लिए नई वैश्विक निविदा दिनांक 9.2.2009 को जारी की है। निर्धारित तारीख अर्थात 24.3.2009 को 3 बोलियां प्राप्त हुई थीं। प्रौद्योगिक-वाणिज्यिक विचार-विमर्श पूरा हो गया है। मैसर्स मेकॉन से रिपोर्ट प्राप्त होने पर आवश्यक अनुमोदन सहित प्राइस बिड को खोला जाएगा।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008-मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(iv)	**कुद्रेमुख में ईको-टूरिज्म का विकास**	**कुद्रेमुख ईको-टयूरिज्म सुविधाएं विकसित करने का उद्देश्य समुदाय आधारित एवं वाणिज्यिक अभिकेन्द्रित ईको-टयूरिज्म परियोजना विकसित करना है।**	**95.00**	**10.00**	**0.00**	**ईको -टूरिज्म का विकास**	**कॉलम 13 देखें**	**नई समय सीमा बाद में तय की जायेगी।**	**--**	**--**	**कॉलम 13 देखें**	**माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने दिनांक 31.12.05 से कुद्रेमुख में खनन कार्य रोक दिया है। कंपनी के पास आवासीय घरों, अस्पताल, गेस्ट हाऊस आदि के रूप में कुद्रेमुख में पहले ही स्थापित बुनियादी सुविधा है और यह ईको टूरिज्म में उद्यम शुरू करने की योजना बना रही है। इस संबंध में वाईल्ड वेंचर्स प्रा. लि. ने एक अध्ययन किया था तथा इन्होंने राज्य सरकार के साथ मिलकर एक संयुक्त उद्यम की सिफारिश की है। इससे कंपनी कुद्रेमुख में अपना पट्टा जारी रख सकेगी।** **विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य अगस्त, 09 तक पूरा होने की उम्मीद है और बाद में कार्यक्रम निर्धारित किया जाएगा।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008-मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(v)	**कोक ओवन संयंत्र**	**एक कोक ओवन संयंत्र की स्थापना करना। इससे कम मूल्य पर कोक की उपलब्धता में सुधार होगा।**	**100.00**	**10.00**	**0.00**	**कच्ची सामग्री की लागत कम करना**	**कॉलम 13 देखें**	**कॉलम 13 देखें**	**--**	**--**	**कॉलम 13 को देखें**	**धमन भट्टी में प्रयोग किए जा रहे कोक की ऊँची लागत को ध्यान में रखते हुए कंपनी का लक्ष्य मंगलौर में एक कोक ओवन संयंत्र स्थापित करने का है। इससे कच्चे माल की लागत में काफी कमी आएगी।** **कोक ओवन संयंत्र के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के नवंबर, 2009 तक तैयार होने की उम्मीद है।**
4.	एन एम डी सी लि0											
(i)	**बैलाडिला निक्षेप-11बी**	**लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।**	**295.89**	**110.00**	**100.00**	**3 एम टी पी ए क्षमता का चरण-1**	**अक्टूबर 09**	**मार्च 10**	**115.58**	**157.85**	**--**	**कार्य चल रहे हैं। मार्च, 10 तक चालू होने की उम्मीद है।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008- मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
(ii)	**कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना**	**लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।**	**296.03**	**3.00**	**2.80**	**3 एम टी पी ए क्षमता का चरण-1**	**दिसम्बर 09**	**कॉलम 13 देखें**	**3.03**	**3.99**	**--**	**उच्च न्यायालय ने लीज बाउंड्रीज के पुन: संर्वेक्षण का आदेश दिया है। परियोजना को चालू करना पुन: सर्वेक्षण तथा लीज डीड के एक्जीक्यूशन को अंतिम रूप दिए जाने पर निर्भर करती है। पूर्णता अवधि शून्य तारीख से 33 माह होगी। तथापि मेकॉन को परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया है और पैकेज 1 तथा 3 के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं। अन्य पैकेजों के लिए निविदाएं तैयार की जा रही हैं।**
(iii)	**स्पंज लोहा और 10 मेगावाट विद्युत संयंत्र- नागरनार**	**स्पंज लोहे का उत्पादन करना और विद्युत सृजित करना।**	**79.00**	**15.00**	**0.20**	**स्पंज आयरन का 1 एल टी पी ए और 10 मेगावाट विद्युत उत्पादन**	**सितम्बर 09**	**कॉलम 13 देखें**	**0.95**	**2.52**	**--**	**कार्य रोक दिए गए हैं। 3 एम टी पी ए की क्षमता के स्टील प्लांट की स्थापना की योजना तैयार कर ली गई है।**
(iv)	**कर्नाटक में विंड मिल**	**इलैक्ट्रिकल एनर्जी में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना**	**110.00**	**50.00**	**50.00**	**10 मेगावाट विद्युत उत्पादन**	**सितम्बर 08**	**कॉलम 13 देखें**	**55.36**	**55.36**	**--**	**परियोजना पूरी हो गई है। 9 मेगावाट क्षमता (6 मशीनें) सितम्बर 08 में चालू हो गई है और शेष 1.5 मेगावाट (1 मशीन) मार्च 09 में चालू हो गई है।**

(करोड़ रू0 में)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	**अनुमोदित परिव्यय* 2008-09**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक उत्पादन	प्रासेसिज/टाईमलाईन्स		वास्तविक व्यय		अनुमानित निष्कर्ष (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	वास्तविक/ अब निर्धारित किया गया	अप्रैल 2008-मार्च 2009 के लिए	मार्च 2009 तक संचित		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**
5.	मैंगनीज ओर इंडिया लि0 (मायल)											
(i)	**फैरो मैंगनीज/सिलिको मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम**	**सेल के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में इस परियोजना को भिलाई में स्थापित किया जाएगा।**	**395.00**	**74.00**	**20.00**	**यह परियोजना सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 31000 एम टी फेरो मैंगनीज और 75000 एम टी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन करेगी।**	**08-09**	**2009-10**	**--**	**0.10**	**--**	**परियोजना को संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा शुरू किया जाएगा जिसमें मॉयल और सेल प्रत्येक की शेयरधारिता 50 प्रतिशत है तथा परियोजना का क्रियान्वयन संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा किया जाएगा।**
6.	हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्सट्रक्शन लि0 (एच एस सी एल)											
(i)	**वीआरएस के लिए आवधिक ऋण पर ब्याज इमदाद**	**वीआरएस के जरिए जनशक्ति को युक्तिसंगत बनाना।**	**--**	**56.02 (गैर-योजना)**	**56.00 (गैर-योजना)**	**जनशक्ति को 1660 से कम करके 1280 तक करना।**	**कॉलम 12 देखें**	**कॉलम 12 देखें**	**48.85**	**--**	**कर्मचारियों की संख्या, 1.4.2009 की स्थिति के अनुसार 1248 हो गई है।**	**--**
ख.	इस्पात मंत्रालय की योजना											
	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी में सुधार करने के लिए योजना।	**पर्यावरण के अनुकूल तरीके से गुणवत्ता वाले इस्पात के लागत प्रभावी उत्पादन हेतु इनोवेटिव/पाथ ब्रेकिंग एवं उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए आर एंड डी सुविधाओं में सुधार तथा इसमें तेजी लाने के लिए एक नई योजना/तंत्र बनाना।**	**118.00**	**18.50**	**18.50**	**कॉलम 3 देखें**	**09-10**	**--**	**--**	**--**	**--**	**योजना को व्यय वित्त समिति (ईएफसी) द्वारा दिनांक 22.11.2008 को औपचारिक तौर पर अनुमोदित कर दिया गया था और अंतिम रूप से दिनांक 23.1.2009 को वित्त मंत्री द्वारा अनुमोदित किया गया। अनुमोदन के अनुसार यह योजना दिनांक 1.4.2009 से लागू होगी।**

****

अध्याय - V

वित्तीय समीक्षा

वर्ष 2009-2010, के लिए मांग संख्या 91 बजट सत्र के दौरान इस्पात मंत्रालय की ओर से संसद में प्रस्तुत की जाएगी। इस मांग में मंत्रालय और इसके संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों के गैर-योजना व्ययों तथा इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के गैर-योजना व्ययों के लिए प्रावधान शामिल हैं।

1. वर्ष 2009-2010 के लिए निधि की कुल आवश्यकता

वर्ष 2008-2009 के बजट अनुमान और संशोधित अनुमान सहित बजट अनुमान 2009-2010 के लिए मांग संख्या-91 में शामिल कुल वित्तीय आवश्यकता का सार निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रुपए)

2009-2010 लिए मांग सं. 91	बजट अनुमान 2008-2009			संशोधित अनुमान 2008-2009			बजट अनुमान 2009-2010		
	योजना	**गैर-योजना**	योग	**योजना**	**गैर-योजना**	योग	**योजना**	**गैर-योजना**	योग
राजस्व खंड	**18.50**	**85.52**	***104.02***	**18.49**	**488.61**	***507.10***	**26.00**	**89.01**	***115.01***
पूंजी खंड	**15.50**	**0.00**	***15.50***	**7.51**	**260.04**	***267.55***	**8.00**	**0.00**	***8.00***
योग	**34.00**	**85.52**	***119.52***	**26.00**	**748.65**	***774.65***	**34.00**	**89.01**	***123.01***

2. गैर-योजना व्यय

इस्पात मंत्रालय के 2008-09 (बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान) तथा बजट अनुमान 2009-10 में सचिवालय, विकास आयुक्त, लोहा एवं इस्पात (डी सी आई एंड एस), कोलकाता तथा इस मंत्रालय के तहत सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों सहित का गैर-योजना व्यय ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

	मुख्य शीर्ष एवं व्यय की मदें	बजट अनुमान 2008-09	संशोधित अनुमान 2008-09	बजट अनुमान 2009-10
I.	मुख्य शीर्ष - 3451			
1.	**सचिवालय - आर्थिक सेवाएं**	**13.91**	**16.31**	**19.71**
II.	मुख्य शीर्ष - 2852			
2.	**विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात, कोलकाता**	**1.58**	**0.93**	**0.81**
3.	**प्रतिष्ठित धातुकर्मियों को पुरस्कार**	**0.12**	**0.12**	**0.12**
4.	**ब्याज इमदाद:**			
(i)	**वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान हेतु हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि. को इमदाद**	**56.02**	**56.00**	**55.48**
(ii)	**वीआरएस के कार्यान्वसन के लिए के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों/बांडों पर ब्याज के भुगतान हेतु मेकॉन लि. को इमदाद**	**5.60**	**5.60**	**5.24**

	मुख्य शीर्ष एवं व्यय की मदें	बजट अनुमान 2008-09	संशोधित अनुमान 2008-09	बजट अनुमान 2009-10
5.	**गारंटी शुल्क माफ करना (गैर-नकद संव्यवहार)**			
(i)	**एचएससीएल - नकद साख (सी सी) सीमा, बैंक गारंटी (बीजी) और वीआरएस ऋणों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।**	**6.10**	**6.10**	**6.10**
(ii)	**बीआरएल - कार्यशील पूंजी संबंधी आवश्यकताओं के लिए नकद साख सीमा, बैंक गारंटी और ऋणों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।**	**0.54**	**0.40**	**0.00**
(iii)	**मेकॉन लिमिटेड - वीआरएस ऋणों/बाँडों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।**	**1.65**	**1.65**	**1.55**
(iv)	**घटाएं- निवल प्राप्तियां (i) से (iv)#**	**-8.29**	***-8.15***	***-7.65***
6	**बी आर एल की सेल के साथ विलय के पश्चात इसकी वित्तीय पुनर्संरचना**			
(i)	**गैर योजना ऋणों को माफ करना**	**0.00**	**175.46**	**0.00**
(ii)	**इक्विटी को अपलिखित करना घटाएं-निवल प्राप्तियां (i) एवं (ii) #**	**0.00**	**226.04**	**0.00**
(iii)	मुख्य शीर्ष-4852	**0.00**	***-401.50***	***0.00***
7	**एन एम डी सी लि0 द्वारा बोनस शेयर जारी करना**			
	योग: गैर-योजना व्यय (प्राप्तियों का निवल)	0.00	260.04	0.00
	योग: गैर-योजना व्यय (सकल)	*77.23*	*339.00*	*81.36*

वित्त मंत्रालय की सलाह पर गारंटी शुल्क को माफ करने से संबंधित प्रावधान निवल होंगे।

संशोधित अनुमान 2008-09 में मंत्रालय का गैर-योजना प्रावधान (सकल) बजट अनुमान 2008-09 (सकल आधार पर) के गैर-योजना प्रावधान से 663.13 करोड़ रूपए अधिक है। संशोधित अनुमान के लगभग समस्त अतिरिक्त प्रावधान, जो कि वर्ष 2008-09 की पूरक अनुदान मांगों के तीसरे व अंतिम बैच में प्राप्त हुए थे, निम्नलिखित हेतु अपेक्षित थे और उनका उपयोग कर लिया गया है:-

- 401.50 करोड़ रू0- **बी आर एल का सेल के साथ विलय के पश्चात कम्पनी की अनुमोदित पुनर्संरचना के अनुसार बी आर एल के संबंध में गैर योजना ऋणों (175.46 करोड़ रू0) को समाप्त करने तथा इक्विटी (226.04 करोड़ रू0) अपलिखित करने हेतु लेखांकन समायोजन करने के लिए**

- 260.04 करोड़ रू0 - **एन एम डी सी लि0 द्वारा मई, 2008 में जारी बोनस शेयर के लिए। (चूंकि यह खर्च इतनी ही राशि के पूंजीगत प्राप्तियों के बराबर था इसलिये नकद खर्च नहीं हुआ है)**

3. योजना व्यय

मंत्रालय के बजट में रखा गया योजना बजट प्रावधान निम्नलिखित के लिए है:

(i) इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के वित्तीय रूप से कमजोर और घाटे में चल रहे कुछ उपक्रमों को उनकी एएमआर तथा अन्य पूंजीगत योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बजटीय सहायता उपलब्ध करवाना; और

(ii) मंत्रालय द्वारा 11वीं योजना के दौरान लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए कार्यान्वित की जाने वाली नई योजनाओं का निधियन।

11वीं पंचवर्षीय योजना के लिए इस्पात उद्योग से संबंधित कार्य दल की सिफारिशों के अनुरूप 118.00 करोड़ रू0 के परिव्यय के साथ आयरन एवं स्टील क्षेत्र में आर एण्ड डी की एक प्रोत्साहन स्कीम को शामिल किया गया था। स्कीम का उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल और गुणवत्ता वाले इस्पात के किफायती उत्पादन हेतु अभिनव तथा उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने तथा इसमें तेजी लाने के लिए एक नई योजना/तंत्र तैयार करना है। स्कीम को क्रियान्वयन हेतु दिनांक 23.1.2009 को अनुमोदित किया गया था। अनुमोदन के अनुसर स्कीम को दिनांक 1.4.2009 से लागू करना है।

बजट अनुमान 2008-09 में 34.00 करोड़ रूपए की कुल योजनागत बजटीय सहायता को घटाकर संशोधित अनुमान 2008-09 में 26 करोड़ रू0 किया गया। जबकि बजट अनुमान 2009-10 में 34.00 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता का प्रावधान किया गया है। योजनागत प्रावधानों का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	संगठन/उपक्रम का नाम	योजना	योजना बजटीय सहायता (बजट अनुमान) 2008-09	योजना बजटीय सहायता (संशोधित अनुमान) 2008-09	योजना बजटीय सहायता (बजट अनुमान) 2009-10
1.	**भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड**	**(i) एएमआर योजनाओं के लिए योजना ऋण**	**8.00**	**0.00**	**0.00**
		(ii) ऋण को इक्विटी में बदलने हेतु टोकन प्रावधान	**0.00**	**0.01**	**0.00**
2.	**हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड**	**(i) निर्माण उपस्कर एवं मशीनरी की बड़े पैमाने पर मरम्मत और अधिप्राप्ति के लिए योजना ऋण**	**6.50**	**6.50**	**7.00**
3.	**बर्ड ग्रुप**	**एएमआर योजनाओं हेतु योजना ऋण**	**1.00**	**1.00**	**1.00**
4.	**इस्पात मंत्रालय**	**आयरन एंड स्टील क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन स्कीम के लिए अनुदान सहायता**	**18.50**	**18.49**	**26.00**
	योग		*34.00*	*26.00*	*34.00*

4. वास्तविक व्यय - 2005-06 से 2008-09

संबंधित वर्षों के बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान की तुलना में पहले तीन वर्षों के दौरान मंत्रालय के अनुदान के तहत वास्तविक योजना तथा गैर-योजना व्यय (सकल आधार) निम्नानुसार है:-

(करोड़ रूपए)

वर्ष	बजट अनुमान			संशोधित अनुमान			वास्तविक व्यय		
	गैर-योजना	योजना	योग	गैर-योजना	योजना	योग	गैर-योजना	योजना	योग
2008-09	**85.52**	**34.00**	119.52	**748.65**	**26.00**	774.65	**740.82** [1]	**0.00**	740.82
2007-08	**84.50**	**66.00**	150.50	**88.05**	**66.00**	154.05	**81.05**	**70.00** [2]	154.05
2006-07	**84.50**	**45.00**	129.50	**137.00**	**45.00**	182.00	**359.86** [3]	**45.72** [4]	405.58
2005-06	**74.53**	**15.00**	*89.53*	**84.50**	**15.00**	*99.50*	**77.15**	**15.00**	*92.15*

(1) इसमें शामिल है (i) 401.50 करोड़ रू0- बी आर एल का सेल के साथ विलय के पश्चात कम्पनी की अनुमोदित पुनर्संरचना के अनुसार बी आर एल के संबंध में गैर योजना ऋणों (175.46 करोड़ रू0) को समाप्त करने तथा इक्विटी (226.04 करोड़ रू0) अपलिखित करने हेतु लेखांकन समायोजन करने के लिए (ii) 260.04 करोड़ रू0 - एन एम डी सी लि0 द्वारा मई, 2008 में जारी बोनस शेयर के लिए। (चूंकि यह खर्च इतनी ही राशि के पूंजीगत प्राप्तियों के बराबर था इसलिये नकद खर्च नहीं हुआ है)।

(2) इसमें वर्ष 2007-08 के तीसरे और अंतिम पूरक अनुदानों में यथा अनुमोदित बीआरएल में 7.00 करोड़ रूपए का पूंजी निवेश शामिल है।

(3) इसमें शामिल है (i) 70.22 करोड़ रू0 का लेखांकन समायोजन जो कि सेल से दय पेनल गारंटी को माफ करने से संबंधित है और (ii) बकाया आयकर देयताओं के भुगतान के लिए एच एस सी एल को 164.03 करोड़ रू0 की अनुदान सहायता जिसके लिए राशि वर्ष 2006-07 हेतु पूरक अनुदानों के तीसरे व अंतिम बैच में प्राप्त कर ली गई थी।

(4) इसमें सरकारी ऋणों के बकाया ब्याज को इक्विटी में बदलने के लिए 1.72 करोड़ रू0 का प्रावधान शामिल है जिसके लिए राशि वर्ष 2006-07 के पूरक अनुदानों के तीसरे व अंतिम बैच में प्राप्त कर ली गई है।

5. 2009-10 के लिए वार्षिक योजना परिव्यय

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के वार्षिक योजना 2009-10 प्रस्तावों तथा योजना आयोग के साथ हुए विचार-विमर्श के आधार पर और 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-2012) को समग्र रूप से ध्यान में रखते हुए योजना आयोग ने इस्पात मंत्रालय के लिए 2009-10 के बजट अनुमान हेतु निम्नलिखित परिव्यय मंजूर किया है:

(करोड़ रूपए)

(क)	**सकल बजटीय सहायता**	**34.00**
(ख)	**आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधन (आई एंड ईबीआर)**	**13722.66**
	इस्पात मंत्रालय का कुल परिव्यय (क+ख)	*13756.66*

वार्षिक योजना 2008-09 (बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान) तथा वार्षिक योजना 2009-10 के लिए उपक्रम-वार योजना परिव्यय निम्नानुसार है:

(करोड़ रूपए)

सरकारी क्षेत्र के उपक्रम/संगठन का नाम	बजट अनुमान 2008-09			संशोधित अनुमान 2008-09			बजट अनुमान 2009-10		
	परिव्यय	आईईबीआर	बजटीय सहायता	परिव्यय	आईईबीआर	बजटीय सहायता	परिव्यय	आईईबीआर	बजटीय सहायता
क. उपक्रमों की योजनाएं									
1. सेल	**4674.00**	**4674.00**	**0.00**	**4674.00**	**4674.00**	**0.00**	**10356.00**	**10356.00**	**0.00**
2. आरआईएनएल	**4166.00**	**4166.00**	**0.00**	**2815.50**	**2815.50**	**0.00**	**2437.00**	**2437.00**	**0.00**
3. सिल	**5.00**	**5.00**	**0.00**	**1.04**	**1.04**	**0.00**	**0.00***	**0.00**	**000**
4. एचएससीएल	**6.50**	**0.00**	**6.50**	**6.50**	**0.00**	**6.50**	**7.00**	**0.00**	**7.00**
5. मेकॉन	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**16.92**	**16.92**	**0.00**	**2.00**	**2.00**	**0.00**
6. बीआरएल	**8.00**	**0.00**	**8.00**	**8.00**	**8.00**	**0.00**	**8.00**	**8.00**	**0.00**
7. एमएसटीसी	**5.00**	**5.00**	**0.00**	**11.00**	**11.00**	**0.00**	**5.00**	**5.00**	**0.00**
8. एफएसएनएल	**11.80**	**11.80**	**0.00**	**11.80**	**11.80**	**0.00**	**11.80**	**11.80**	**0.00**
9. एनएमडीसी लि0	**400.00**	**400.00**	**0.00**	**400.00**	**400.00**	**0.00**	**700.00**	**700.00**	**0.00**
10. केआईओसीएल	**100.00**	**100.00**	**0.00**	**40.00**	**40.00**	**0.00**	**85.00**	**85.00**	**0.00**
11. मॉयल	**117.20**	**117.20**	**0.00**	**84.90**	**84.90**	**0.00**	**102.25**	**102.25**	**0.00**
12. बर्ड ग्रुप	**31.00**	**30.00**	**1.00**	**3.66**	**2.66**	**1.00**	**16.61**	**15.61**	**1.00**
13. आयरन व स्टील क्षेत्र में आर एण्ड डी प्रोत्साहन स्कीम	**18.50**	**0.00**	**18.50**	**18.50**	**0.00**	**18.50**	**26.00**	**0.00**	**26.00**
योग - क	*9543.00*	*9509.00*	*34.00*	*8091.82*	*8065.82*	*26.00*	*13756.66*	*13722.66*	*34.00*
ख. केन्द्र द्वारा प्रायोजित स्कीमें (सी एस एस)	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
योग - ख	*0.00*	*0.00*	*0.00*	*0.00*	*0.00*	*0.00*	*0.00*	*0.00*	*0.00*
कुल योग - क+ ख	9543.00	9509.00	34.00	8091.82	8065.82	26.00	13756.66	13722.66	34.00

*** सिल का एन एम डी सी लि0 के साथ विलय के कारण सिल के लिए कोई यौजना परिव्यय प्रावधान नहीं रखा गया हैं।**

नोट:- इस्पात मंत्रालय को सिक्किम सहित उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए अपने बजट का 10 प्रतिशत चिन्हित करने की व्यवस्था से मुक्त कर दिया गया है।

सरकारी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों की स्कीमों के लिए 2009-10 के बजट अनुमान में परिव्यय पर किए गए प्रावधान का पीएसयू वार संक्षिप्त ब्यौरा निम्नानुसार है:-

1. वार्षिक योजना 2009-2010 (बजट अनुमान) में कुल 13756.66 करोड़ रू0 **के परिव्यय में से** 10356.00 करोड़ रू0 **की धनराशि का प्रावधान** स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) **के लिए किया गया है और इसकी व्यवस्था सेल के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ई बी आर) से की जाएगी। सेल की विभिन्न योजनाओं के लिए उपलब्ध करवाये गये परिव्यय का विस्तृत ब्यौरा निम्नानुसार है:-**

(i) भिलाई इस्पात संयंत्र **के लिए 1506.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। कुल परिव्यय का मुख्य भाग (1100 करोड़ रूपए) संयंत्र के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए है। शेष परिव्यय में कोक ओवन बैटरी सं0 5 व 6 का पुनर्निर्माण, स्लैब कास्टर की स्थापना, मेन स्टैप डाऊन स्टेशन-5 और 700 टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र तथा चल रही योजनाओं एवं नई स्कीमों के लिए है।**

(ii) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र **के लिए 650.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। जिसमें से 500 करोड़ रू0 संयंत्र विस्तार के लिए रखे गये हैं। परिव्यय के तहत अन्य स्कीमों में संबद्ध सुविधाओं सहित ब्लूम कास्टर और बीएफ 3 और 4 में कोल डस्ट इंजेक्शन और श्रीनगर में स्टील प्रोसेसिंग यूनिट से संबंधित खर्च शामिल है।**

(iii) राउरकेला इस्पात संयंत्र **के लिए 1900 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। परिव्यय के तहत मुख्य स्कीम में आर एस पी का विस्तार (1400 करोड़ रू0 हैं) शामिल है। अन्य स्कीमें हैं -सीओबी 4 का निर्माण, 700 टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र तथा एस एम एस-2 के बी ओ एफ कनवर्टर का समकालिक ब्लोईंग।**

(iv) बोकारो इस्पात संयंत्र **के लिए 1500 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। जो कि बोकारो प्लांट के विस्तार (600 करोड़ रू0), सी ओ बी सं0 1 और 2 का पुनर्निमाण , टर्बो ब्लोअर स्टेशन में टी बी की स्थापना, बीएफ-2 का उन्नयन और चल रही तथा नई योजनाओं के लिए है।**

(v) मिश्र इस्पात संयंत्र **के लिए 40.00 करोड़ रू0 का परिव्यय पूरी हो चुकी योजनाओं तथा 20 करोड़ रूपए से कम लागत की चल रही योजनाओं के लिए है।**

(vi) इस्को स्टील प्लांट **के लिए 3340.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें आईएसपी के विस्तार (3100 करोड़ रूपए), सीओबी - 10 (180 करोड़ रूपए) का पुनर्निर्माण और नई योजनाओं तथा चल रही योजनाओं के लिए शेष राशि शामिल है।**

(vii) सेलम इस्पात संयंत्र के लिए 1020 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। परिव्यय का अधिकांश हिस्सा एसएसपी के विस्तार (1002 करोड़ रूपए) के लिए है। शेष धनराशि कम लागत की विविध योजनाओं के लिए है।

(viii) **शेष 400 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान विभिन्न चल रही परियोजनाओं तथा अनुसंधान कार्य के लिए विश्वैश्वरया आयरन एंड स्टील लि0 (80 करोड़ रू0), सेल की केन्द्रीय इकाईयों (60 करोड़ रू0), कच्चा माल प्रभाग (250 करोड़ रूपए) और महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लि0 (10 करोड़ रू0) के लिए है।**

2. राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0 **के लिए** 2437.00 करोड़ रू0 **के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। इस परिव्यय का अधिकांश भाग लगभग 1800.00 करोड़ रू0 राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0 की उत्पादन क्षमता का 6.3 मिलियन टन तक विस्तार करने के लिए रखा गया है। शेष परिव्यय ए एम आर स्कीमों, कोक ओवन बेटरी सं0 4 (चरण-1 व II), एयर सेपरेशन प्लांट, बी एफ-1 कैटेगरी-1, मरम्मत कार्य, पुलवराईज्ड कोल इंजक्शन, आयरन ओर स्टोरेज सुविधाओं, विद्युत निकासी प्रणाली इत्यादि के लिए है। समस्त परिव्यय की पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से होगी।**

3. **वर्ष 2009-10 में** स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड **के लिए कोई परिव्यय प्रस्तावित नहीं किया गया है क्योंकि भारत सरकार ने सिल का एन एम डी सी लि0 के साथ विलय को अनुमोदन 22.5.2008 को प्रदान कर दिया है विलय प्रक्रिया अग्रिम अवस्था में है और इसके शीघ्र पूरी होने की संभावना है।**

4. हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि0 **के लिए नये निर्माण उपस्करों व मशीनरी को प्राप्त करने व उनका बड़े पैमाने पर मरम्मत कार्य के लिए** 7.00 करोड़ रू0 **का परिव्यय योजना बजटीय सहायता के रूप में प्रदान किया गया है।**

5. भारत रिफैक्ट्रीज लि0 **को ए एम आर स्कीमों के लिए** 8.00 करोड़ रू0 **का परिव्यय प्रदान किया गया है। परिव्यय की पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से होगी।**

6. एन एम डी सी लि0 **(पूर्व में नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन) के लिए** 700 करोड़ रू0 **के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसकी पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से होगी। इस योजना परिव्यय का प्रावधान विभिन्न स्कीमों/परियोजनाओं यथा बेलाडिला डिपोजिट -11 बी, कर्नाटक में विंडमिल, चंडीगढ़ में 3 मिलियन टन का स्टील प्लांट, ए एम आर/टाउनशिप, सिल का विस्तार, आर एण्ड डी स्कीमों इत्यादि के लिए किया गया है।**

7. के आई ओ सी एल लिमिटेड **के लिए** 85.00 करोड़ रू0 **के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसने 50 करोड़ रू0 ए एम आर स्कीमों (पी फिल्टरों समेत) के लिए है। परिव्यय के अंतर्गत अन्य स्कीमों में डक्टाईल आयरन स्पन पाईप प्लांट, मंगलौर में रेल द्वारा लोहा प्राप्ति के लिए अवसंरचना, आर एण्ड डी/व्यवहार्यता अध्ययन, कुद्रेमुख में इको टाउन का विकास, तथा बी एफ में कोल इंजेक्शन सिस्टम इत्यादि शामिल हैं। परिव्यय को कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से पूरा किया जा रहा है।**

8. मैंगनीज ओर इंडिया लि0 **के लिए** 102.25 करोड़ रू0 **के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। जो फैरो मैंगनीज।सिलिको मैंगनीज प्लांट हेतु संयुक्त उद्यम में निवेश (50 करोड़ रू0), गुमगांव खान में**

नये वर्टिकल शाफ्ट लगाने, ए एम आर स्कीमों, टाउनशिप, आर एंड डी/व्यवहार्यता अध्ययन इत्यादि के लिए है। समस्त परिव्यय की पूर्ति कम्पनी के आई एंड ई बी आर से होगी।

9. बर्ड ग्रुप कंपनियों **के लिए** 16.61 करोड़ रू0 **के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो वनीकरण एवं लीज मामले, मिनरल एंड ओर आधारित इंडस्ट्रीज तथा ए एम आर स्कीमों के लिए है। 1.00 करोड़ रू0 की योजना बजट सहायता के अतिरिक्त शेष परिव्यय की पूर्ति कम्पनी के आई एंड ई बी आर से होगी।**

10. मेकॉन लि0 **के लिए** 2.00 करोड़ रू0 **परिव्यय का प्रावधान किया गया है जोकि विभिन्न स्थानों में कार्यालय परिसरों/गेस्ट हाउस के विस्तार के लिए है। इसकी पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से की जायेगी।**

11. एम एस टी सी लि0 **के लिए** 5.00 करोड़ रू0 **के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जोकि लाजिस्टिक हेतु संयुक्त उद्यम की स्थापना के लिए है और जिसकी पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से होगी।**

12. फैरो स्क्रैप निगम लि0 **के लिए** 11.80 करोड़ **रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो कि ए एम आर स्कीमों के लिए है और जिसकी पूर्ति कम्पनी के आई एण्ड ई बी आर से की जायेगी।**

6. 11वीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम दो वर्षों (अर्थात 2007-08 और 2008-09) के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय

(क) वर्ष 2007-08 के दौरान व्यय की तुलना में योजना परिव्यय

वार्षिक योजना 2007-08 (बी ई और आर ई) के लिए योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय का पी एस यू वार ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है।

(करोड़ रूपये में)

पी एस यू/संगठन का नाम	बजट अनुमान 2007-08			संशोधित अनुमान 2007-08			वास्तविक व्यय		
	आई ई बी आर	सकल बजटीय सहायता	कुल	आई ई बी आर	सकल बजटीय सहायता	कुल	आई ई बी आर	सकल बजटीय सहायता	कुल
क. पी एस यू की स्कीमें									
1. सेल	**2641.00**	**0.00**	**2641.00**	**2007.00**	**0.00**	**2007.00**	**2181.00**	**0.00**	**2181.00**
2. आरआईएनएल	**3056.70**	**0.00**	**3056.70**	**1861.15**	**0.00**	**1861.15**	**1309.18**	**0.00**	**1309.18**
3. सिल	**5.00**	**0.00**	**5.00**	**5.00**	**0.00**	**5.00**	**3.32**	**0.00**	**3.32**
4. एचएससीएल	**0.00**	**1.00**	**1.00**	**0.00**	**1.00**	**1.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
5. मेकॉन	**3.00**	**63.00**	**66.00**	**0.00**	**63.00**	**63.00**	**0.00**	**63.00**	**63.00**
6. बीआरएल	**0.00**	**1.00**	**1.00**	**0.00**	**1.00**	**1.00**	**0.00**	**7.00**	**7.00**
7. एमएसटीसी	**5.00**	**0.00**	**5.00**	**13.60**	**0.00**	**13.60**	**6.54**	**0.00**	**6.54**
8. एफएसएनएल	**12.00**	**0.00**	**12.00**	**12.00**	**0.00**	**12.00**	**13.20**	**0.00**	**13.20**

9. एनएमडीसी लि0	**250.00**	**0.00**	**250.00**	**150.00**	**0.00**	**150.00**	**134.34**	**0.00**	**134.34**
10. केआईओसीएल लि.	**75.00**	**0.00**	**75.00**	**45.00**	**0.00**	**45.00**	**7.25**	**0.00**	**7.25**
11. मॉयल	**65.00**	**0.00**	**65.00**	**140.06**	**0.00**	**140.06**	**90.85**	**0.00**	**90.85**
12. बर्ड ग्रुप	**25.00**	**0.00**	**25.00**	**26.00**	**0.00**	**26.00**	**15.35**	**0.00**	**15.35**
योग क	*6137.70*	*65.00*	*6202.70*	*4259.81*	*65.00*	*4324.81*	*3761.03*	*70.00*	*3831.03*
ख. इस्पात मंत्रालय की स्कीम									
1. आयरन व स्टील क्षेत्र में आर एण्ड डी प्रोत्साहन स्कीम	**0.00**	**1.00**	**1.00**	**0.00**	**1.00**	**1.00**	**0.00**	**0.00**	**0,00**
योग - ख	***0.00***	***1.00***	***1.00***	***0.00***	***1.00***	***1.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***
कुल योग - क+ ख	6137.70	66.00	6203.70	4259.81	66.00	4325.81	3761.03	70.00	3831.03

(ख) वर्ष 2008-09 के दौरान व्यय की तुलना में योजना परिव्यय

वार्षिक योजना 2008-09 (बी ई एंड आर ई) के लिए योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय का पी एस यू वार परिव्यय नीचे तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपये में)

पी एस यू/संगठन का नाम	बजट अनुमान 2008-09			संशोधित अनुमान 2008-09			वास्तविक व्यय		
	आई ई बी आर	सकल बजटीय सहायता	कुल	आई ई बी आर	सकल बजटीय सहायता	कुल	आई ई बी आर	सकल बजटीय सहायता	कुल
क. पी एस यू की स्कीमें									
1. सेल	**4674.00**	**0.00**	**4674.00**	**4674.00**	**0.00**	**4674.00**	**5233.00**	0.00	5233.00
2. आरआईएनएल	**4166.00**	**0.00**	**4166.00**	**2815.50**	**0.00**	**2815.50**	**2886.02**	0.00	2886.02
3. सिल	**5.00**	**0.00**	**5.00**	**1.04**	**0.00**	**1.04**	**1.04**	0.00	1.04
4. एचएससीएल	**0.00**	**6.50**	**6.50**	**0.00**	**6.50**	**6.50**	**0.00**	0.00	0.00
5. मेकॉन	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**16.92**	**0.00**	**16.92**	**0.00**	0.00	0.00
6. बीआरएल	**0.00**	**8.00**	**8.00**	**8.00**	**0.00**	**8.00**	**3.33**	0.00	3.33
7. एमएसटीसी	**5.00**	**0.00**	**5.00**	**11.00**	**0.00**	**11.00**	**5.91**	0.00	5.91
8. एफएसएनएल	**11.80**	**0.00**	**11.80**	**11.80**	**0.00**	**11.80**	**11.06**	0.00	11.06
9. एनएमडीसी लि0	**400.00**	**0.00**	**400.00**	**400.00**	**0.00**	**400.00**	**335.66**	0.00	335.66
10. केआईओसीएल लि.	**100.00**	**0.00**	**100.00**	**40.00**	**0.00**	**40.00**	**2.70**	0.00	2.70
11. मॉयल	**117.20**	**0.00**	**117.20**	**84.90**	**0.00**	**84.90**	**46.80**	0.00	46.80
12. बर्ड ग्रुप	**30.00**	**1.00**	**31.00**	**2.66**	**1.00**	**3.66**	**0.34**	0.00	0.34
योग क	*9509.00*	*15.50*	*9524.50*	*8065.82*	*7.50*	*8073.32*	*8525.86*	*0.00*	*8525.86*
ख. इस्पात मंत्रालय की स्कीम									
1. आयरन व स्टील क्षेत्र में आर एण्ड डी प्रोत्साहन स्कीम	**0.00**	**18.50**	**18.50**	**0.00**	**18.50**	**18.50**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
योग - ख	*9509.00*	*34.00*	*9543.00*	*8065.82*	*26.00*	*8091.82*	*8525.86*	*0.00*	*8525.86*
कुल योग - क+ ख	9509.00	34.00	9543.00	8065.82	26.00	8091.82	8526.86	0.00	8526.86

जैसा कि उपरोक्त से देखा जा सकता है कि प्रथम दो वर्षों अर्थात 2007-08 और 2008-09 के दौरान योजना निधियों का समुपयोजन बढ़ा है। वर्ष 2007-08 के दौरान निधियों के समुपयोजन का प्रतिशत 61.75% था जबकि वर्ष 2008-09 में यह बढ़कर 89.35% हो गया।

7. बकाया समुपयोजन प्रमाणपत्रों की स्थिति

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कमजोर वित्तीय स्थिति वाले कुछेक पी एस यू को छोड़कर सरकारी या निजी क्षेत्र में किसी अन्य संगठन अथवा संस्थान को इस मंत्रालय द्वारा कोई बजटीय सहायता/अनुदान सहायता प्रदान नहीं की जाती है। 31.3.2009 की स्थितिनुसार मंत्रालय के नियंत्रणाधीन पी एस यू को प्रदान की गई बजटीय सहायता (योजना एवं गैर योजना) के संबंध में कोई समुपयोजन प्रमाणपत्र लम्बित नहीं हैं।

8. खर्च नहीं किये गये शेष की स्थिति

जैसा कि ऊपर बताया गया है इस्पात मंत्रालय अपने प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ वित्तीय दृष्टि से कमजोर उपक्रमों को आवश्यकता के आधार पर बजटीय सहायता उपलब्ध करवाता है। दिनांक 31.3.3009 की स्थिति के अनुसार उपक्रमों के पास खर्च नहीं किए गए शेष की स्थिति निम्नानुसार है:

(करोड़ रूपए)

वर्ष 2007-08 के अंत में अर्थात 31.3.2008 की स्थिति के अनुसार खर्च नहीं किया गया शेष	अप्रैल 08-मार्च 09 (2008-09) के दौरान जारी की गई धनराशि	अप्रैल 08-मार्च 09 (2008-09)के दौरान उपयोग की गई धनराशि	31.03.2009 की स्थिति के अनुसार खर्च नहीं किया गया शेष
3.68	**57.04**	**60.72**	**0.00**

नोट- उपर्युक्त विवरण में गारंटी शुल्क को माफ करने/बट्टे खाते डालने से संबंधित व्यय को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि यह केवल लेखा समायोजन है और इनसे नकदी बाहर नहीं जाती है।

31.3.2009 की स्थितिनुसार इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन पी एस यू के पास खर्च न की गई राशि शेष नहीं है।

****

अध्याय-VI

इस्पात मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों का निष्पादन

1. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि0 (सेल)

1.1 स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के समग्र नियंत्रणाधीन निम्नलिखित संयंत्र/इकाइयां हैं:-

1. भिलाई इस्पात संयंत्र (बी एस पी)
2. दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डी एस पी)
3. राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर एस पी)
4. बोकारो इस्पात संयंत्र (बी एस एल)
5. इस्को इस्पात संयंत्र (आई एस पी)
6. मिश्र इस्पात संयंत्र (ए एस पी)
7. सेलम इस्पात संयंत्र (एस एस पी)
8. विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र (वी आई एस एल)
9. कच्चा माल प्रभाग (आर एम डी)
10. केन्द्रीय विपणन संगठन (सी एम ओ)
11. लोहा और इस्पात के लिए अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (आर डी सी आई एस)
12. इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र (सी ई टी)
13. निगमित कार्यालय (सी ओ)

इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लिमिटेड (एमईएल) सेल की एक सहायक कंपनी है जिसमें सेल की 99.12 प्रतिशत शेयर पूंजी है। एमईएल का संयंत्र चंद्रपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है और यह कंपनी फैरो मिश्र का उत्पादन करती है।

1.2 सेल की प्राधिकृत पूंजी 5000.00 करोड़ रू0 है। प्रदत्त पूंजी 4130.40 करोड़ रू0 है जिसमें से 3544.69 करोड़ रू0 (85.82 प्रतिशत) भारत सरकार के पास है तथा शेष वित्तीय संस्थानों, जी डी आर धारकों, बैंकों, कर्मचारियों आदि के पास है।

1.3 वास्तविक निष्पादन

(हजार टन)

सं.	मद	2005-06 वास्तविक	2006-07 वास्तविक	2007-08 वास्तविक	2008-09			2009-10 बजट अनुमान
					बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (मार्च, 09 तक)	
(i)	**तप्त धातु**	**14603**	**14606**	**15199**	**16459**	**14380**	**14442**	**13520**
(ii)	**अपरिष्कृत इस्पात**	**13470**	**13506**	**13962**	**15043**	**13395**	**13411**	**12949**
(iii)	**विक्रेय इस्पात**	**12051**	**12581**	**13044**	**13692**	**12000**	**12503**	**11750**
(iv)	**कच्चा लोहा**	**579**	**509**	**441**	**1060**	**238**	**267**	**86**

1.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06 वास्तविक	2006-07 वास्तविक	2007-08 वास्तविक	2008-09			2009-10 बजट अनुमान
					बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (मार्च, 09 तक)	
(i)	**आय**	**34839**	**41419**	**48278**	**40704**	**50579**	**53718**	**40515**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**27458**	**30453**	**35323**	**35299**	**41365**	**42776**	**36488**
(iii)	**सकल मार्जिन**	**7381**	**10966**	**12955**	**5405**	**9214**	**10942**	**4028**
(iv)	**कर पूर्व लाभ**	**5706**	**9423**	**11469**	**3551**	**7509**	**9403**	**1707**
(v)	**कर पश्चात लाभ**	**4013**	**6202**	**7537**	**2336**	**5180**	**6175**	**1095**
(vi)	**दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित**	**826** **709**	**1280** **1099**	**1528** **1312**	**826** **709**	**1036** **889**	**1074** **922**	**826** **709**

1.5 2002-03 में इस्पात क्षेत्र में मंदी के बाद के वर्षों में सेल के वित्तीय निष्पादन में काफी सुधार हुआ है। 2008-09 में कारोबार 101 प्रतिशत बढ़कर 48681 करोड़ रू0 (अब तक का बेहतर) हो गया जबकि 2003-04 में यह 24178 करोड़ रू0 था। 2008-09 में कर पूर्व लाभ (पी बी टी) 258 प्रतिशत बढ़कर 9403 करोड़ रू0 हो गया जबकि 2003-04 में यह 2628 करोड़ रू0 था। 6 वर्ष के अंतराल के बाद 2004-05 में लाभांश का भुगतान करना शुरू किया गया और 2004-05 से

2008-09 के दौरान सेल द्वारा 6072 करोड़ रू0 के लाभांश का भुगतान किया जा चुका है जिसमें से 5211 करोड़ रू0 का भुगतान भारत सरकार को किया गया। कंपनी बेहतर निधि प्रबंधन पर ध्यान देती रही। अपने उद्देशों को पूरा करने के लिए इसमें अधिक लागत के अल्पावधि ऋणों को कम लागत के ऋणों में बदलना, अधिशेष निधि को अनुसूचित बैंकों में जमा कराना, भविष्य के लिए धन जुटाने आदि के लिए कार्रवाई शामिल है। मैसर्स एफआईटीसीएच रेटिंग्स तथा मैसर्स केयर, आरबीआई ने सेल के दीर्घकालीन ऋण कार्यक्रम को अधिकतम सुरक्षित बताते हुए च्एएएछ रेटिंग देते हुए क्रैडिट रेटिंग एजेंसियां मंजूर की हैं। अनुसूचित बैंकों में जमा अल्पकालीन जमाओं में 31 मार्च, 2009 की स्थिति के अनुसार निवेश किए गए 17714 करोड़ रूपए की परिसंपत्तियां कंपनी के पास थीं तथा 7539 करोड़ रूपए के ऋण मानते हुए इसकी वास्तविक स्थिति ऋण मुक्त है। 31.3.2009 की सूची के अनुसार इसने 0.27:1 का ऋण साम्या अनुपात प्राप्त कर लिया है जबकि 31.3.2004 को यह 1.87:1 था।

सेल ने 2010-11 तक तप्त धातु के उत्पादन के लिए अपनी क्षमता 14.6 मिलियन टन वार्षिक (2006-07) से बढ़ाकर 26.2 मिलियन टन वार्षिक करने के लिए अपनी महत्वकांक्षी विस्तार योजना शुरू की है। सेल 2020 तक अपनी क्षमता बढ़ाकर 60 मिलियन टन वार्षिक करने की योजना भी बना रहा है।

2. <u>राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0 (आर आई एन एल)</u>

2.1 विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र (वी एस पी) विशाखापट्टणम में है। यह भारत में स्थापित प्रथम तटीय आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। 30 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता के द्रव इस्पात के साथ इसे अगस्त, 1992 में चालू किया गया था। यह संयंत्र सघन उर्जा बचत तथा प्रदूषण नियंत्रण उपायों को शामिल करते हुए अद्यतन प्रौद्योगिकी से डिजायन और इंजीनियरी में अंतर्राष्ट्रीय मानको के अनुरूप बनाया गया है।

8692.00 करोड़ रू0 (आधार जून 2005 के मूल्य). की अनुमानित लागत पर कंपनी की क्षमता 3 मिलियन टन वार्षिक द्रव इस्पात से बढ़ाकर 6.3 मिलियन टन वार्षिक करने के लिए भारत सरकार ने 28 अक्टूबर 2005 को अपनी मंजूरी दे दी है। इसे पूरा करने की समय अनुसूची स्टेज 1 के लिए 36 माह, स्पेशल बार मिल के लिए 45 माह तथा लाईट स्ट्रक्चरल मिल के लिए 48 माह है। यह परियोजना दिसंबर, 11 तक पूरी तरह से कार्यान्वित किए जाने की संभावना है। अनुमानित लागत संशोधित करके 12200 करोड़ रूपए कर दी गई है। परियोजना की संपूर्ण लागत आंतरिक स्त्रोतों से पूरी की जाएगी (ऋण साम्या अनुपात 1:1) तथा सरकार से कोई बजटीय सहायता नहीं दी जाएगी। कंपनी ने 2019-20 तक 16 मिलियन टन के उद्देश्य से अपनी निगमित योजना तैयार की है।

आरआईएनएल का नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का भी अधिग्रहण करने का प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव विचारधीन है।

2.2 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार कंपनी की पूंजीगत संरचना में 4889.85 करोउ रू0 साम्या पूंजी तथा 2937.47 करोड़ रू0 की 7 प्रतिशत गैर संचयी शोधनीय तरजीही शेयर पूंजी शामिल है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

2.3 वित्तीय निष्पादन

(हजार टन)

सं.	मद	2005-06 वास्तविक	2006-07 वास्तविक	2007-08 वास्तविक	2008-09		2009-10 (बजट अनुमान)
					बजट अनुमान/ संशोधित अनुमान	वास्तविक	
(i)	तप्त धातु	4153	4046	3913	3950	3546	3690
(ii)	अपरिष्कृत इस्पात	3603	3606	3322	3450	3145	3250
(iii)	विक्रेय इस्पात	3237	3290	3075	3080	2701	3080
(iv)	कच्चा लोहा	439	352	495	403	322	352

2.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06 वास्तविक	2006-07 वास्तविक	2007-08 वास्तविक	2008-09		2009-10 (बजट अनुमान)
					बजट अनुमान/ संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	
(i)	आय	8873.67	9787.78	11680.61	11100.43	12276.59	10324.47
(ii)	प्रचालन लागत	6504.81	7154.90	8165.68	8810.13	9963.42	9617.75
(iii)	सकल मार्जिन	2368.86	2632.88	3514.93	2290.00	2313.17	706.71
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	1889.51	2222.34	2995.36	1958.09	1984.39	401.71
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	1252.37	1363.43	1942.74	1285.14	1307.76	260.75
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित जिसमें से लाभांश का भुगतान किया गया/भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित	(नीचे दिया गया नोट देखें)					

नोट:- निदेशक मंडल ने तरजीही शेयर पूंजी पर 7 प्रतिशत की दर से तथा वर्ष 2008-09 के लिए पीएटी का 10 प्रतिशत साम्या शेयर धारकों को लाभांश का भुगतान करने का संकल्प पारित किया है। इसका भुगतान 2009-10 में किया जाएगा।

2.5 **कंपनी अपनी निर्धारित क्षमताओं से अधिक पर प्रचालनरत है और समअनुरूपी समझौता इ ागपन लक्ष्यों की तुलना में वित्तीय निष्पादन में कोई कमी नहीं है। तथापि, अंतर्राष्ट्रीय मंदी ने बाजार को अत्यधिक प्रभावित किया है और मूल्यों में अत्यधिक कमी की है। इस प्रकार लाभप्रदता काफी कम हुई है और हाल के महीनों में हानि भी हुई है। कंपनी के पास लौह अयस्क और कोककर कोयले जैसी महत्वपूर्ण कच्ची सामग्रियों की निजी खानें नहीं हैं। हाल ही में लौह अयस्क और कोककर कोयले के मूल्यों में वृद्धि ने इन संसाधनों पर अधिक नियंत्रण रखने वाली अन्य कंपनियों की तुलना में आरआईएनएल की प्रतिस्पर्धा कम कर दी है। माल सूची स्तर को नियंत्रित करने और यथासंभव हानि में कमी करने के लिए आरआईएनएल उपाय कर रहा है।**

3. स्पंज आयरन इंडिया लि0 (सिल)

3.1 स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड (सिल), प्रदर्शन स्पंज लौह संयंत्र के सफल प्रचालन के पश्चात् अस्तित्व में आया। यह भारत सरकार और आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की भागीदारी तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम/संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन की सहायता से लोह/लौह अयस्क की ठोस

अपचयन प्रक्रिया तथा 100 प्रतिशत गैर कोककर कोयले के आधार पर स्पंज लोहे का उत्पादन करने के लिए स्थापित किया गया है। स्थानीय कच्चे माल और प्रचालन परिस्थितियों के अनुरूप रोटेरी किल्न प्रोसेस के आधार पर स्पंज लोहा संयंत्र में कई सुधार और संशोधन किये गये। इससे प्रौद्योगिकी विकसित करने में सिल को कोई सहायता नहीं मिली परंतु देश में स्पंज लोहा उद्योग के विकास के लिए इससे रास्ता साफ हो गया।

3.2 कंपनी की प्राधिकृत पूंजी 66.00 करोड़ रू0 और प्रदत्त पूंजी 65.10 करोड़ रू0 है जिसमें से भारत सरकार के शेयर 98.78 प्रतिशत हैं और शेष शेयर आंध्रप्रदेश सरकार के पास हैं।

3.3 भारत सरकार ने दिनांक 22.5.2008 को सिल का एनएमडीसी लिमिटेड में विलय करने का निर्णय लिया है। विलय प्रक्रिया अग्रिम चरण में है और इसके शीघ्र पूरा किए जाने की संभावना है।

एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा 1,00,000 टन वार्षिक क्षमता की दो स्पंज लोहा इकाइयों के विस्तार में निवेश करने के लिए 320.00 करोड़ रूपए की राशि निर्धारित की गई है।

3.4 वास्तविक निष्पादन

(उत्पादन: टन)

क्र. सं.	मद	2005-06 वास्तविक	2006-07 वास्तविक	2007-08 वास्तविक *	2008-09			2009-10 (बजट अनुमान)
					बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (मार्च, 09 तक)	
(i)	स्पंज लोहे का उत्पादन	48302	55194	43331	54000	28090	30489	**
(ii)	स्पंज लोहे की बिक्री	48215	54670	44447	54000	19896	25235	

3.5 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

क्र. सं..	मद	2005-06 वास्तविक	2006-07 वास्तविक	2007-08 वास्तविक	2008-09			2009-10 (बजट अनुमान)
					बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (मार्च, 09 तक)	
(i)	आय	48.18	56.32	59.15	62.10	48.53	50.76	
(ii)	प्रचालन लागत	42.52	50.31	49.27	57.56	47.21	49.49	
(iii)	सकल मार्जिन	6.92	7.27	11.31	6.04	2.76	2.71	**
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	5.66	6.29	9.88	4.54	1.32	1.20	
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	3.18	4.02	6.47	1.54	0.87	0.84	
(vi)	**सरकार को दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित**	0.64	0.80	0.80	0.60	0.20	0.25	

** भारत सरकार ने 22.5.2008 को सिल के एनएमडीसी लिमिटेड में विलय की मंजूरी दे दी है। विलय प्रक्रिया अग्रिम चरण में है और इसके शीघ्र पूरा होने की संभावना है।

अपेक्षित मात्रा में क्वॉलिटी का कच्चा माल उपलब्ध नहीं होने तथा बाजार में मंदी की स्थिति होने से 2008-09 के दौरान सिल का वास्तविक/वित्तीय निष्पादन कम हुआ।

4. हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड (एचएससीएल)

4.1 **हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल), जिसका पंजीकृत कार्यालय कोलकत्ता में है, आधुनिक एकीकृत इस्पात संयंत्रों के संपूर्ण निर्माण कार्य करनेमें एक सक्षम संगठन के रूप में सरकारी क्षेत्र में सृजित करने के उद्देश्य से निगमित किया गया था। कंपनी ने बोकारो, विजाग और सेलम जैसे इस्पात संयंत्रों की स्थापना से लेकर चालू करने तक के कार्य किए हैं और भिलाई, दुर्गापुर, बर्नपुर (इस्को) तथा भद्रावती इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण/विस्तार से सम्बद्ध बड़े-बड़े निर्माण कार्य किए हैं। । इस्पात संयंत्रों में निर्माण संबंधी कार्यकलापों में कमी के चलते कंपनी ने अपने कार्यकलापों का विद्युत, कोयला, तेल एवं गैस जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तार किया है। इसके अलावा, कंपनी ने सड़क/राजमार्गों, पुलों, बांधों, भूमिगत संचार और परिवहन प्रणाली और उच्च स्तर की आयोजना वाले औद्योगिक तथा बस्ती परिसरों, समन्वय और आधुनिक तकनीकों आदि जैसे अवसंरचना क्षेत्रों में अपने कार्यकलापों का विविधीकरण किया है। अब एचएससीएल एक आईएसओ 9001-2000 कंपनी हैं और इसकी क्षमता निर्माण कार्यकलापों के लगभग सभी क्षेत्रों में है।**

4.2 **1.4.2009 की स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत और प्रदत्त शेयर पूंजी क्रमश: 150 करोड़ रू0 तथा 117.10 करोड़ रू0 है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।**

4.3 वास्तविक निष्पादन

[करोड़ रूपए)

क्र. सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान
(i)	**आर्डर बुकिंग**	**430.00**	**781.00**	**940.00**	**600.00**	**600.00**	**871.00**	**650.00**

4.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

नं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	आय	349.80	433.33	526.18	550.00	554.00	695.70	650.00
(ii)	प्रचालन लागत	318.84	403.16	485.97	511.50	511.00	644.38	605.00
(iii)	सकल मार्जिन (पीबीआईडीटी)	30.96	30.17	40.21	38.50	43.00	51.32	45.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	-85.97	-83.50	-26.72	-80.70	-33.35	-17.59	-54.83
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	-85.97	-83.50	-26.72	-80.70	-33.35	-17.59	-54.83
(vi)	दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

4.5 1999 में कंपनी के लिए सरकार द्वारा मंजूर पुनरूद्धार/पुनर्संरचना पैकेज के तहत परिकल्पित लाभों को प्राप्त करने में कंपनी सक्षम नहीं रही है। भारत सरकार के ऋणों पर ब्याज देयता तथा वी आर एस व्यय कंपनी को हुई हानि का मुख्य घटक है। कंपनी द्वारा सामना की गई कड़ी प्रतिस्पर्द्धा के फलस्वरूप मार्जिन में कमी होने से इनका वित्तीय निष्पादन भी प्रभावित हुआ है।

4.6 प्रतिकूल तथा अविश्वसनीय तुलन पत्र के बावजूद एचएससीएल का समग्र निष्पादन अच्छा रहा है। इसका कारोबार बढ़ रहा है और पिछले 5 वर्षो के दौरान कंपनी ने प्रचालनात्मक लाभ दर्ज किया है जो 2006-07 में 30.17 करोड़ रूपए से बढ़कर 2008-09 में 51.32 करोड़ रूपए हो गया। इस समय एचएससीएल की पुनर्संरचना का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

5. भारत रिफ्रैक्ट्रीज लि0 (बीआरएल)

5.1 बी आर एल की स्थापना 22 जुलाई 1974 को की गई थी तथा इसका पंजीकृत कार्यालय बोकारों में है और इसकी निम्नलिखित 4 इकाईयाँ हैं :

(i) भंडारीदह रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र (बीएचआरपी), झारखंड

(ii) रांची रोड रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र (आरआरआरपी), झारखंड

(iii) भिलाई रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र (बी आर पी), छत्तीसगढ़

(iv) इफ्फको रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र (इफ्फको आर पी), झारखंड

यह कंपनी ब्रिक्स और मासेज का उत्पादन करती है और इनकी आपूर्ति मुख्यत: सरकारी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों को करती है। इसने फ्रांस की पिलब्रिको की सिनागावा रिफ्रैक्ट्रीज कंपनी, जापान

सहित विश्व के कई प्रतिष्ठित रिफ्रैक्ट्रीज उत्पादों/अनुसंधान संगठनों के साथ तकनीकी जानकारी करार कर रखा है।

5.2 कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 246.00 करोड़ रू0 है जबकि 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार प्रदत्त पूंजी 236.79 करोड़ रू0 है।

5.3 वास्तविक निष्पादन

(मात्रा एमटी)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान
(i)	उत्पादन	**81679**	**88793**	**90951**	**95000**	**95000**	**95595**	**95000**
(II)	प्रेषण	**79316**	**87785**	**87811**	**95000**	**95000**	**94286**	**95000**

5.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान
(i)	**आय**	**174.47**	**211.97**	**226.62**	**185.13**	**213.75**	**248.02**	**229.52**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**159.03**	**204.43**	**212.34**	**173.13**	**195.75**	**230.57**	**216.52**
(iii)	**सकल मार्जिन**	**15.44**	**7.54**	**14.28**	**12.00**	**18.00**	**17.45**	**13.00**
(iv)	**कर पूर्व लाभ (हानि)**	**-7.07**	**-15.31**	**4.67**	**-6.85**	**-6.60**	**8.73**	**-3.53**
(v)	**कर पश्चात लाभ (हानि)**	**-7.07**	**-15.31**	**4.43**	**-6.85**	**-6.85**	**8.55**	**-3.53**
(vi)	**दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**

5.5 बी आर एल इस्पात मंत्रालय के अधीन घाटे वाले सरकारी क्षेत्र के दो उपक्रमों में से एक है (दूसरा उपक्रम एच एस सी एल है)। आधुनिकीकरण की कमी, कम क्षमता उपयोगिता के कारण उत्पादन की उच्च लागत तथा भारत सरकार के ऋणों पर अधिक ब्याज बोझ के कारण कंपनी का निष्पादन प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है।

बी आर एल का मामला 1992 में बी आई एफ आर को भेजा गया था। 1996-97 तथा 2002-03 में कंपनी के लिए पुनरूद्धार/पुनर्संरचना पैकेज मंजूर किए गए थे। भारत सरकार के 24.4.2008 को बीआरएल की वित्तीय पुनर्संरचना और इसके सेल में विलय की मंजूरी दे दी है। विलय प्रक्रिया शीघ्र पूरी होने की संभावना है।

6. मेकॉन लिमिटेड

6.1 **मेकॉन लिमिटेड, देश में पहला परामर्शी और इंजीनियरी संगठन है जिसे आई एस ओ: 9001 मान्यता प्राप्त है। पिछले कुछ वर्षों में इस्पात क्षेत्र में चक्रीय मांग/निवेश को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने अर्थव्यवस्था के दूसरे क्षेत्रों विशेष रूप से तेल और गैस, विद्युत और अवसंरचना में अपने कार्यकलापों का विविधिकरण किया है। मेकॉन लोहा एवं इस्पात, रसायन, रिफाइनरीज तथा पैट्रो रसायनों, विद्युत, सड़क एवं राजमार्गों, रेलवे, जल प्रबंधन, पत्तन एवं बंदरगाह, गैस एवं तेल, पाइपलाइनों, अलौह खनन, सामान्य इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग तथा संबद्ध/विविधीकृत क्षेत्रों में व्यापक विदेशी अनुभव सहित अग्रणी**

बहुविधिक डिजाइन, इंजीनियरिंग, परामर्शी और कांट्रैक्टिंग संगठन है। कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों में यू एस ए, जर्मनी, फ्रांस, इटली, रूस आदि की प्रतिष्ठित फर्मों के साथ सहयोग करार किया है।

6.2 कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 104.00 करोड़ रू0 है जिसमें से 103.14 करोड़ रू0 प्रदत्त पूंजी है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

6.3 वास्तविक निष्पादन

चूंकि मेकॉन एक परामर्शी संगठन है इसलिए कंपनी का वास्तविक निष्पादन देना संभव नहीं है।.

6.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06 वास्तविक	2006-07 वास्तविक	2007-08 वास्तविक	2008-09			2009-10 (बजट अनुमान)
					बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	
(i)	**आय**	**295.11**	**396.62**	**504.15**	**444.50**	**574.00**	**614.66**	**515.10**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**246.13**	**345.82**	**438.78**	**389.91**	**486.00**	**528.46**	**439.10**
(iii)	**सकल मार्जिन**	**48.98**	**50.80**	**65.37**	**54.59**	**88.00**	**86.20**	**76.00**
(iv)	**कर पूर्व लाभ (हानि)**	**19.27**	**23.38**	**39.53**	**32.71**	**70.10**	**74.76**	**64.50**
(v)	**कर पश्चात लाभ (हानि)**	**16.12**	**20.38**	**33.32**	**26.71**	**61.10**	**65.88**	**55.00**
(vi)	**दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित**	**शून्य**	**शून्य**	**1.00**	**3.15**	**3.15**	**3.15**	**3.15**
	जिसमें से भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित लाभांश	**शून्य**	**शून्य**	**1.00**	**3.15**	**3.15**	**3.15**	**3.15**

6.5 मेकॉन ने 1997-98 तक लगातार लाभ अर्जित किया। इस्पात क्षेत्र में मंदी, अधिक जनशक्ति तथा कंपनी को प्राप्त होने वाले परामर्शी कार्यों के मूल्य में कमी के कारण इसे 1998-99 से 2003-04 तक हानि हुई। तथापि 2005 के बाद कंपनी ने 2003-04 के लिए (-) 10.72 करोड़ रू0 के कर पश्चात लाभ (पीएटी) की तुलना में 2008-09 के लिए 65.88 करोड़ रू0 के पीएटी सहित समग्र परिवर्तन किया। 2003-04 में (-) 257.91 करोड़ रूपए से 31.3.2009 को 34.85 करोड़ रू0 हो गया है।

7.0 एम एस टी सी लि0

7.0.1 एम एस टी सी लिमिटेड को 9 सितम्बर 1964 को कंपनी अधिनियम 1956 के तहत निगमित किया गया था और फरवरी 1992 तक यह कार्बन इस्पात, गलन स्क्रैप,स्पंज लोहे/हाट ब्रिकेवेटिड लोहे तथा रि-रोलेबल स्क्रैप का आयात करने वाली माध्यम एजेंसी थी । यह भंजन के लिए पुराने पोतों के आयात के लिए भी माध्यम एजेंसी थी। जिनका आयात डि-केनेलाइज कर दिया गया और इसे अगस्त 1991 से ओ जी एल के तहत रख दिया गया। यह कंपनी फरवरी 1974 में स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि0 (सेल) की सहायक कंपनी बन गई। वर्ष 1982-83 में एम एस टी सी सेल के शेयरों को भारत के राष्ट्रपति के नाम अंतरित करके भारत सरकार की कंपनी में बदल दी गई। अब यह कंपनी ट्रेडिंग कार्यकलाप, ई-कॉमर्स, लौह तथा अलौह स्क्रैप, अधिशेष भंडार जो मुख्य रूप से सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों तथा सरकारी विभागों का है, के निपटान का कार्य कर रही है।

एम एस टी सी लि0 फैरो स्क्रैप निगम लि0 (एफ एस एन एल) जिसके 100 प्रतिशत प्रदत्त साम्या शेयर एम एस टी सी के पास हैं, की धारक कंपनी की भूमिका भी अदा करती है।

7.0.2 **31.3.2009 की स्थिति के अनुसार एम एस टी सी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 5.00 करोड़ रू0 और प्रदत्त पूंजी 2.20 करोड़ रू0 है जिसमें से लगभग 90 प्रतिशत भारत के राष्ट्रपति के पास है तथा शेष 10 प्रतिशत स्टील फर्नेस एसोसिएशन आफ इंडिया तथा आयरन एंड स्टील स्क्रैप एसोसिएशन आफ इंडिया के सदस्यों और अन्यों के पास हैं। 2.20 करोड़ रू0 की प्रदत्त पूंजी में 1:1 के अनुपात में वर्ष 1993-94 में जारी किए गए बोनस शेयर शामिल हैं।**

7.0.3 वास्तविक निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	**मार्केटिंग**	**4552**	**4235**	**6345**	**3700**	**4550**	**8251**	**4780**
(ii)	**एजेंसी**	**3211**	**3495**	**4634**	**4000**	**5120**	**11121***	**5370**

***ई प्रकोरमेंट सहित**

7.0.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	**आय**	**4172.75**	**3100.06**	**5197.11**	**3786.00**	**3810.00**	**6632.50**	**4924.04**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**4086.60**	**3006.66**	**5058.78**	**3726.00**	**3720.00**	**6491.53**	**4830.34**
(iii)	**सकल मार्जिन**	**86.15**	**93.40**	**138.33**	**60.00**	**90.00**	**140.97**	**93.70**
(iv)	**कर पूर्व लाभ (हानि)**	**85.70**	**90.87**	**134.47**	**58.50**	**87.50**	**137.97**	**91.10**
(v)	**कर पश्चात लाभ (हानि)**	**54.68**	**59.00**	**92.20**	**38.61**	**57.75**	**91.15**	**60.15**
(vi)	**दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित**	**10.96**	**11.88**	**18.48**	**7.72**	**11.55**	**18.23**	**12.03**
	जिसमें से भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित लाभांश	**9.86**	**10.69**	**16.63**	**6.95**	**10.40**	**16.41**	**10.82**

7.1 फैरो स्क्रैप निगम लि0 (एफ एस एन एल)

7.1.1 फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल) पहले एम एस टी सी और मै. हर्सको कारपोरेशन इंक, अमेरिका की एक संयुक्त क्षेत्र की कंपनी थी । जून 2002 में एम एस टी सी द्वारा एम एस हर्सको के धारित 40% साम्या शेयरों का अधिग्रहण करने के बाद यह एम एस टी सी की शत प्रतिशत सहायक कंपनी बन गई है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य सेल, आरआईएनएल और एनआईएनएल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में स्लैग से स्क्रैप प्राप्त करना और आईआईएल इस्पात इंडस्ट्रीज तथा जिंदल स्टील जैसे निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों में प्रचालन करना भी है। कंपनी अग्रणी संगठनों में से एक है जो देश के धातुकर्मीय उद्योगों को विशेषज्ञतायुक्त सेवाएं उपलब्ध करवाती है। कंपनी पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र में स्थित अपनी 10 इकाईयों के जरिये मिल सर्विस सोल्यूशन डिलिवर करने के लिए डिजायन बिल्ट्स, आउन्स तथा मेन्टेन सुविधाएं और अवसरंचना उपलब्ध कराती है।

7.1.2 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी तथा अभिदत्त एवं प्रदत्त पूंजी 2.00 करोड़ रू0 है।

7.1.3 वास्तविक निष्पादन

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	**स्क्रैप की प्रप्ति (लाख एमटी)**	**22.46**	**22.04**	**23.77**	**21.50**	**22.00**	**22.63**	**22.50**
(ii)	**उत्पादन का बाजार मूल्य (करोड़ रूपए)**	**988.24**	**969.68**	**1045.95**	**946.00**	**968.00**	**994.72**	**990.00**

7.1.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

क्र.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	**आय**	**106.79**	**110.63**	**128.22**	**122.72**	**132.00**	**129.33**	**141.98**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**88.27**	**95.20**	**112.48**	**103.80**	**116.31**	**111.55**	**123.64**
(iii)	**सकल मार्जिन**	**18.65**	**15.37**	**15.86**	**18.92**	**15.69**	**17.78**	**18.34**
(iv)	**कर पूर्व लाभ (हानि)**	**8.55**	**3.08**	**2.01**	**4.53**	**1.09**	**3.08**	**3.09**
(v)	**कर पश्चात लाभ (हानि)**	**5.68**	**1.26**	**0.73**	**2.94**	**0.71**	**1.25**	**2.01**
(vi)	**दिया गया लाभांश/ प्रस्तावित**	**1.29**	**0.29**	**0.47**	**0.69**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
	आय							
	जिसमें से भारत सरकार को भुगतान करने के लिए प्रस्तावित लाभांश #	**1.29**	**0.29**	**0.47**	**0.69**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

 # होल्डिंग कंपनी होने के नाते एमएसटीसी लिमिटेड को लाभांश का भुगतान किया गया।

7.1.5 एफ एस एन एल का उत्पादन विभिन्न रूपों में स्लैग और स्क्रैप के सृजन पर निर्भर करता है। वर्ष 2005-06 से 2008-09 की अवधि के लिए उत्पादन में वृद्धि विशेष रूप से स्लैग को संभालने के क्षेत्र में वृद्धि होने के कारण एफ एस एन एल की आय में वृद्धि हुई तथापि लाभप्रदत्ता में अनुपातिक रूप से वृद्धि नहीं हुई है। यह आदान लागतों जैसे डीजल, विद्युत, इस्पात, भारी मशीनों के पुर्जो आदि में वृद्धि के कारण हुआ। जबकि बढ़े हुए व्यय की क्षतिपूर्ति के लिए सेवा प्रभार दरों में पर्याप्त वृद्धि नहीं हुई है। आदान लागतों में वृद्धि के बावजूद लागतों को सीमा के भीतर तर्कपूर्ण ढंग से कम करने के लिए कंपनी द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

8. एन एम डी सी लि.

8.1 **15 नवम्बर, 1958 को स्थापित एन एम डी सी लि. देश में लौह अयस्क और हीरों का एकमात्र सबसे बड़ा उत्पादक है और यह विभिन्न खनिजों जैसे डोलोमाइट, चूना पत्थर, मैंगनेसाईट, टंगस्टन, ग्रेफाईट,टीन आदि के गवेषण विकास और संदोहन में लगी हुई है। एन एम डी सी लि. में आर एंड डी प्रयोगशाला जिसे सैंटर आफ एक्सीलेंस घोषित किया गया है, में किये गये अपने सघन आर एंड डी कार्यो के जरिये फैरिक आक्साईड आयरन पाउडर आदि उच्च मूल्यों उत्पादों के उत्पादन के क्षेत्र में भी प्रवेश किया है। कंपनी ने तंजानिया में स्वर्ण का गवेषण कार्य भी किया है। एन एम डी सी की बड़ी यंत्रीकृत लौह अयस्क खान छत्तीसगढ़ में बेलाडिला 14/11 सी, बैलाडिला 5/10 तथा 11 ए और कर्नाटक में दोणइमल्ली में,पन्ना मध्यप्रदेश में भारत की यंत्रीकृत हीरा खान तथा लालापुर(इलाहाबाद) में सिलिकासेंड का प्रचालन करती है।**

एनएमडीसीसी ने विद्यमान की क्षमता विस्तार करने, नई खान शुरू करने, स्पंज लोहे, पैलेट और इस्पात में मूल्य मूल्यवर्धन करने के जरिए 2014-15 तक अपनी वर्तमान लौह अयस्क उत्पादन क्षमता 26 मिलियन टन से बढ़ाकर 50 मिलियन टन वार्षिक करने की योजना बनाई है। एनएमडीसी लिमिटेड ने हाल ही में छत्तीसगढ़ में नागरनार में 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता का एक एकीकृत

इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है।

8.2 वर्ष 2008-09 के दौरान 2:1 अनुपात में बोनस शेयर देने के पश्चात 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार 400.00 करोड़ रू0 की प्राधिकृत शेयरपूंजी की तुलना में अभिदत्त एवं प्रदत्त पूंजी 396.48 करोड़ रू0 है। 98.38 प्रतिशत शेयर भारत सरकार के पास हैं। एनएमडीसी लिमिटेड एक ऋण मुक्त कंपनी है।

8.3. वास्तविक निष्पादन

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	उत्पादन:							
	लौह अयस्क (लाख एमटी)	**229.23**	**262.31**	**298.16**	**280.00**	**304.00**	**289.68**	**236.00**
	हीरे (कैरट)	**43878**	**1703**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(II)	बिक्री							
	लौह अयस्क (लाख एमटी)	**248.45**	**255.89**	**281.84**	**285.00**	**309.00**	**264.72**	**242.00**
	हीरे (कैरट)	**48825**	**14588**	**2632**	**-**	**-**	**-**	**-**

8.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान
(i)	**आय**	**3915.27**	**4534.04**	**6412.01**	**5521.23**	**7032.02**	**8535.43**	**6122.00**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**1025.38**	**952.25**	**1401.08**	**1354.48**	**1532.02**	**1865.15**	**1627.00**
(iii)	**सकल मार्जिन (1-2)**	**2889.89**	**3581.79**	**5010.93**	**4166.75**	**5500.00**	**6670.28**	**4495.00**
(iv)	**मूल्य/डीआईआर**	**119.76**	**83.48**	**63.46**	**66.75**	**67.96**	**70.28**	**83.00**
(v)	**कर पूर्व लाभ (हानि)**	**2770.13**	**3498.31**	**4947.47**	**4100.00**	**5432.04**	**6600.00**	**4412.00**
(vi)	**कर पश्चात लाभ (हानि)**	**1827.80**	**2320.21**	**3250.98**	**2706.00**	**3585.69**	**4350.00**	**2912.00**
(vii)	**दिया गया लाभांश*/ प्रस्तावित**	**365.57**	**465.19**	**651.53**	**-**	**720.00**	**870.00**	**582.00**
	जिसमें से :							
	दिया गया लाभांश/भारत सरकार को प्रस्तावित	**359.66**	**457.67**	**641.00**	**-**	**708.00**	**856.00**	**573.00**

*** वर्ष के लिए तुलन पत्र आंकड़े**

8.5 एन एम डी सी लि. का वास्तविक और वित्तीय निष्पादन पिछले कई वर्षों में लगातार अच्छा रहा है जो कंपनी के विभिन्न वित्तीय प्राचलों जैसे पी बी टी, पी ए टी, लाभांश आदि में प्रगामी रूप से वृद्धि में दिखाई देता है। कुल आय 2007-08 में 6412.01 करोड़ रूपए से 33.12 प्रतिशत बढ़कर 2008-09 में 8535.43 करोड़ रूपए हो गई है। कर-पूर्व लाभ 2007-08 में 4947.47 करोड़ रूपए से 33.40 प्रतिशत बढ़कर 2008-09 में 6600 करोड़ रूपए हो गया। मंदी के बावजूद एनएमडीसी 2008-09 के दौरान 289-68 एलएमटी लौह अयस्क का उत्पादन कर सका जबकि 2007-08 में 298.16 एलएमटी का उत्पादन हुआ था और 2007-08 में 281.84 एलएमटी बिक्री की तुलना में 264.72 एलएमटी लौह अयस्क की बिक्री की। वर्ष 2007-08 के लिए घोषित किया गया लाभांश

651.53 करोड़ रूपए था जो साम्या का 493 प्रतिशत है। इसमें भारत सरकार का शेयर 641 करोड़ रूपए था जबकि 2006-07 के दौरान यह 457.67 करोड़ रूपए था।

कंपनी के विकसित होने की स्थिति तथा विस्तार उत्कृष्ठ निष्पादन के परिणामस्वरूप कंपनी के 2008 में नवरत्न दर्जा दिया गया है।

9 केआईओसीएल लिमिटेड

9.1 लौह अयस्क सांद्रण के निर्यात हेतु कुद्रेमुख लौह अयस्क परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड को अप्रैल, 1976 में बनाया गया। नेशनल नेशनल इरानियन स्टील इंडस्ट्रीज कंपनी के साथ हस्ताक्षरित एक करार के तहत 21 वर्षों की अवधि, जो 1 सितंबर, 1980 से आरंभ होती है, तक कुल 150 मिलियन टन सांद्रण की आपूर्ति ईरान को जानी थी। ईरान ने इसके कार्यान्वयन लागत, 630 मिलियन टन अमेरिकी डॉलर तक, को पूरा करने पर सहमति दी थी। इसमें से केवल 255 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्राप्त किए गए थे। तथापि, इस परियोजना को भारत सरकार द्वारा दिए गए निधि से पूरा किया गया। इस परियोजना को पूर्ति की अंतिम लागत, 546.80 करोड़ रूपए की अनुमानित स्वीकृत लागत की तुलना में 516.87 करोड़ रूपए थी।

चूंकि करार के अनुसार ईरान लौह अयस्क सांद्रण उठाने में सक्षम नहीं था इसलिए सांद्रण के लिए नए बाजार तलाश करने के अलावा 3 मिलियन टन सांद्रण का उपयोग करने के लिए मई, 1981 में भारत सरकार ने एक पैलेट संयंत्र का नियंत्रण करने के लिए एक योजना अनुमोदन किया है। इस परियोजना को 116.65 करोड़ रूपए की लागत पर कार्यान्वित किया गया वाणिज्यिक उत्पादन अप्रैल, 1987 में शुरू हुआ था। लौह अयस्क पैलेट को इस्पात इंडस्ट्रीज तथा आरआईएनएल जैसी घरेलू इकाइयों को आपूति की जाती है तथा चीन को भी इसका निर्यात किया जाता है। माननीय उच्च न्यायालय के दिनांक 31.12.2005 से कुद्रेमुख में खनन कार्य रोकने के निर्णय के परिणामस्वरूप पैलेट संयंत्र का प्रचालन बोट आउट हैमेटाइट अयस्क से किया जाता है। किस्को नामक संयुक्त उद्यम के अंतर्गत 2001 में मंगलौर में एक कच्चा लोहा संयंत्र स्थापित किया गया था। किस्को का 1.4.2007 से केआईओसीएल लिमिटेड में विलय हो चका है।

9.2 केआईओसीएल की प्राधिकृत पूंजी 675.00 करोड़ रूपए है। जारी एवं प्रदत्त पूंजी 634.51 करोड़ रूपए है जिसका लगभग 99 प्रतिशत (628.14 करोड़ रूपए) भारत सरकार के पास है।

9.3 वास्तविक निष्पादन

(मिलियन टन)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान
(i)	**लौह अयस्क सांद्रण**	**2.922**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**
(ii)	**पैलेट (चूरे सहि)**	**2.834**	**0.630**	**1.927**	**2.700**	**1.316**	**1.316**	**2.650**
(iii)	**कच्चा लोहा (अनुषंगी सहित)**	**शून्य**	**शून्य**	**0.157**	**0.180**	**0.120**	**0.118**	**0.170**

नोट: **(i) माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए दिनांक 31.12.2005 से खनन कार्य बंद कर दिया है।**

(ii) दिनांक 1.4.2007 से किस्को का केआईओसीएल में विलय कर दिया है इसलिए वर्ष 2007-08 के आंकड़ों में धमन भट्ठी इकाई भी शामिल है।

9.4 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	आय	**1301.63**	**368.87**	**1565.41**	**1973.24**	**1375.58**	**1422.15**	**2047.61**
(ii)	प्रचालन लागत	**614.57**	**317.05**	**1353.67**	**1837.70**	**1304.46**	**1354.48**	**1851.92**
(iii)	सकल मार्जिन (1-2)	**687.06**	**51.81**	**211.74**	**135.54**	**71.11**	**67.67**	**195.69**
(iv)	मूल्य/डीआईआर	**548.10**	**19.94**	**156.51**	**93.72**	**24.68**	**24.18**	**147.79**
(v)	कर पूर्व लाभ (हानि)	**356.30**	**13.77**	**108.16**	**61.87**	**16.29**	**22.01**	**97.56**
(vi)	कर पश्चात लाभ (हानि)	**126.90**	शून्य	**21.63**	शून्य	शून्य	**6.35**	**19.51**
	जिसमें से :							
	दिया गया लाभांश/भारत सरकार को प्रस्तावित	**125.63**	शून्य	**21.42**	शून्य	शून्य	**6.21**	**19.32**

9.5 जैसाकि उल्लेख किया जा चुका है माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने केआईओसीएल को दिनांक 31.12.2005 से कुद्रेमुख में उत्खनन कार्य रोकने के लिए निदेश दिए हैं तदनुसार कुद्रेमुख में उत्खनन रोक दिया गया है जिससे कुद्रेमुख से मैग्नेटाइट अयस्क की आपूर्ति रूक गई तथा इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2005-06 के बाद बाद सांद्रण तथा पैलेट दोनों के उत्पादन में गिरावट आई। इससे कंपनी के वास्तविक एवं वित्तीय दोनों निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सांद्रण संयंत्र को बंद करना पड़ा। सांद्रण संयंत्र को बंद करना पड़ा था। इसलिए कंपनी के हैमेटाइट अयस्क जिसका आउटसोर्स किया जाना था, से पैलेट का उत्पादन करने के लिए पैलेट संयंत्र के प्रक्रमण में आवश्यक संशोधन करने पड़े।

9.6 अंतराष्ट्रीय बाजार में विद्यमान मंदी के कारण पैलेट्स के मूल्य 240 अमरीकी डालर से घटकर 85 अमरीकी डालर हो गए हैं जो उत्पादन की लागत से कम है। इस प्रकार केआईओसीएल अपने पैलेटों की ब्रिकी नहीं कर रहा है और इसकी इस समय इसकी भंडारण क्षमता पूरी है। अत: संयंत्र रख-रखाव तथा पैलेटों के मूल्यों के वृद्धि होने के इंतजार में जनवरी, 2009 से उत्पादन कार्यकलाप बंद कर दिए गए हैं। कच्चा लोहा संयंत्र (धमन भट्टी इकाई) भी अपनी स्थापना के बाद से ही घाटे में है। इंटीग्रेटिड डक्टाइल आयरन स्पन पाइप प्लांट स्थापित करके इसे व्यवहार्य बनाया जा सकता है।

10. <u>मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल)</u>

10.1 मॉयल जिसका गठन 1962 में कया गया था, उच्च ग्रेड के मैंगनीज अयस्क का सबसे बड़ा घरेलू उत्पादक है जो फैरो मिश्र, इस्पात निर्माण में एक महत्वपूर्ण आदान है। डाई-ऑक्साइड का उत्पादन कंपनी की डोंगरी बुजुर्ग खान में किया जाता है। उच्च ग्रेड के मैंगनीज ओर डाई-ऑक्साइड अयस्क की घरेलू मांग में वृद्धि से कंपनी ने अपनी खानों को विसित करने तथा इनका आधुनिकीकरण करने के लिए विभिन्न पूंजीगत योजनाओं पर बल दिया है। इसके अलावा करोबार की मात्रा तथा लाभ प्रदता में सुधार करने के लिए मॉयल ने अपनी गतिविधियों को 90 के दशक के दौरान मूल्यवर्द्धित उत्पादों के निर्माण में वर्गीकृत किया है। वर्गीकरण के रूप में कंपनी ने वर्ष 1991 में इलेक्ट्रोलिटिक मैंगनीज डाई-ऑक्साइड के निर्माण के लिए एक परियोजना स्थापित की है जिसकी प्रारंभिक प्रतिस्थापित क्षमता 600 एमटी प्रति वर्ष है तथा जिसे वर्ष 2006-07 में चरणबद्ध तरीके से 1500 एमटी प्रति वर्ष तक बढ़ाया गया है। इसके अतिरिक्त वर्ष 1098 के दौरान मध्य प्रदेश में बालाघाट में मॉयल ने 5 एमवीए क्षमता वाला एक फैरो मैंगनीज संयंत्र, जिसकी प्रारंभिक क्षमता 10000 एमटी प्रति वर्ष है, की स्थापना की है। कंपनी ने मध्य प्रदेश में 4.8 एमडब्ल्यू वाली एक विंड पावर यूनिट की भी स्थापना की है जिसका उपयोग मध्य प्रदेश में स्थित फैरो मैंगनीज संयंत्र और खानों की विद्युत की आवश्यकता को पूरा करने के लिए किया जा रहा

है। 15.2 मेगावाट विंड पावर यूनिट का दूसरा चरण भी चालू कर दिया गया है। दूसरे चरण से उत्पादित विद्युत एमपी पावर ट्रेडिंग कंपनी को बेची जाती है।

गहरे स्तर पर खनन करने के लिए कंपनी ने बालाघाट और बेलडोंगरी में वर्टिकल शॉफ्ट को गहरा किया है तथा गुमगाँव में नई वर्टिकल शॉफ्ट लगाई है।

10.2 31 मार्च, 2009 को स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत पूंजी 100.00 करोड़ रूपए है तथा कंपनी की प्रदत्त एवं चुकता पूंजी 28.00 करोड़ रूपए है। भारत सरकार तथा महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश राज्य सरकार कंपनी के शेयर धारक हैं जिसमें भारत सरकार के 81.57 प्रतिशत शेयर हैं।

10.3 वास्तविक निष्पादन

(उत्पादन एमटी)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान
	उत्पादन:							
(i)	**मैंगनीज ओर**	**864890**	**1047021**	**1364575**	**1106000**	**1175000**	**1175318**	**1175000**
(ii)	**इलेक्ट्रोलिटिक मैंगनीज डाई-ऑक्साइड**	**1301**	**1312**	**1122**	**1400**	**1300**	**1240**	**1300**
(iii)	**फैरो मैंगनीज**	**6170**	**10200**	**11130**	**10000**	**10000**	**10120**	**10000**

10.4. वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान
(i)	**आय**	**356.19**	**451.82**	**1030.04**	**583.36**	**1350.76**	**1407.99**	**755.62**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**193.92**	**221.59**	**286.49**	**303.45**	**386.34**	**435.85**	**388.54**
(iii)	**सकल मार्जिन (1-2)**	**179.47**	**210.21**	**750.98**	**297.12**	**992.34**	**1031.42**	**410.31**
(iv)	**मूल्य/डीआईआर**	**169.00**	**201.15**	**734.91**	**271.74**	**966.50**	**1006.76**	**382.47**
(v)	**कर पूर्व लाभ (हानि)**	**114.52**	**134.21**	**479.82**	**179.38**	**637.99**	**663.79**	**252.47**
(vi)	**कर पश्चात लाभ (हानि)**	**19.92**	**28.00**	**96.60**	**16.23**	**127.66**	**133.00**	**-**
	जिसमें से :							
	दिया गया लाभांश/भारत सरकार को प्रस्तावित	**16.25**	**22.84**	**78.80**	**-**	**104.08**	**108.49**	**-**

नोट :- आय में कारोबार और अन्य आय शामिल हैं।

11. बर्ड ग्रुप कंपनियां

बर्ड ग्रुप की कंपनियां कोई सरकारी उपक्रम नहीं हैं वरन इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन एवं सरकारी प्रबंधन वाली कंपनी है। इसमें निम्नलिखित पांच प्रचालनात्मक कंपनियां शामिल हैं :

(1) द उड़ीसा मिनरल डवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी)

(2) द बिरसा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बीएसएलसी)

(3) द कर्णपुरा डवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (केडीसीएल)

(4) स्कॉट एंड सेक्सबी लिमिटेड (एसएएल),

(5) इस्टर्न इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. (ईआईएल)

ओएमडीसी, बीएसएलसी तथा केडीसीएल उत्खनन कंपनियां हैं जबकि एसएसएल गहरे नलकूप खोदने तथा खनिज उत्खनन से संबंधित कार्यों में लगी है। ईआईएल एक निवेश कंपनी है और प्रमुख शेयरधारिता ओएमडीसी, बीएसएलसी और केडीसीएल के पास है।

11.1 द उड़ीसा मिनरल डवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी)

वर्ष 1918 में एकीकृत ओएमडीसी लौह अयस्क तथा मैंगनीज अयस्क के उत्खनन तथा विपणन के कार्य में लगी है। कंपनी की खानें उड़ीसा के कौझार जिले में बारबील के निकट स्थित है। वर्ष 2004 के दौरान ओएमडीसी ने 30,000 टीपीए क्षमता वाला स्पंज लोहा संयंत्र को स्थापित किया है। कंपनी की प्राधिकृत एवं चुकता पूंजी 0.60 करोड़ रूपए है।

11.1.1 वास्तविक निष्पादन

(लाख एमटी)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
1.	उत्पादन							
	लौह अयस्क	**23.62**	**22.30**	**17.28**	**18.24**	**16.62**	**16.62**	**18.00**
	मैंगनीज अयस्क	**0.35**	**0.27**	**0.82**	**0.88**	**0.32**	**0.32**	**0.60**
	स्पंज आयरन	**0.19**	**0.11**	**0.11**	**0.18**	**0.03**	**0.03**	**0.18**
2.	प्रेषण							
	लौह अयस्क	**22.17**	**21.16**	**16.63**	**17.94**	**17.33**	**17.33**	**17.70**
	मैंगनीज अयस्क	**0.30**	**0.39**	**0.86**	**0.88**	**0.28**	**0.28**	**0.60**
	स्पंज आयरन	**0.18**	**0.05**	**0.17**	**0.18**	**0.02**	**0.02**	**0.18**

11.1.2 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	**आय**	**276.94**	**338.39**	**302.54**	**437.66**	**349.34**	**349.34**	**348.00**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**84.08**	**75.48**	**74.66**	**85.62**	**49.22**	**49.22**	**96.00**
(iii)	**सकल मार्जिन (1-2)**	**192.86**	**262.91**	**227.88**	**352.04**	**300.12**	**300.12**	**252.00**
(iv)	**मूल्य/डीआईआर**	**188.88**	**258.99**	**224.46**	**343.94**	**296.59**	**296.59**	**248.00**
(v)	**कर पूर्व लाभ (हानि)**	**129.93**	**173.47**	**148.84**	**226.79**	**195.49**	**195.49**	**163.70**
(vi)	**कर पश्चात लाभ (हानि)**	**19.50**	**26.02**	**22.32**	**34.02**	**29.32**	**29.32**	**24.56**
	जिसमें से :							
	दिया गया लाभांश/भारत सरकार को प्रस्तावित	**2.77**	**3.70**	**3.17**	**4.83**	**4.16**	**4.16**	**3.49**

वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ कंपनी ने समस्त बकाया सरकारी ऋण तथा वर्ष 2003-04 के दौरान इस पर ब्याज का भुगतान कर दिया। अब कंपनी बिना किसी ऋण के कार्य कर रही है। तथापि, ओएमडीसी की वर्गीकृत योजनाओं में उन तीन खनन पट्टों जो लौह अयस्क निक्षेपों के भंडार हैं, के नवीकरण की अनिश्चितता के कारण अड़चनें आ रही हैं।

11.2 द बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बीएसएलसी)

बीएसएलसी का गठन वर्ष 1910 में किया गया था। कंपनी का प्रमुख कार्य चूना पत्थर और डोलोमाइट का उत्खनन तथा विपणन करना है। इसकी खानें उड़ीसा में सुन्दरगढ़ जिले में बिरमित्रापुर में स्थित है। बीएसएल की प्राधिकृत एवं चुकता पूंजी 0.50 करोड़ रूपए है।

11.2.1 वास्तविक निष्पादन

(लाख एमटी)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
1.	उत्पादन							
(i)	**लाइम स्टोन**	**2.14**	**2.58**	**2.83**	**4.49**	**2.08**	**2.08**	**2.00**
(ii)	**डोलोमाइट**	**7.41**	**7.04**	**8.31**	**7.39**	**8.64**	**8.64**	**9.00**
2.	प्रेषण							
(i)	**लाइम स्टोन**	**2.00**	**2.17**	**2.42**	**4.49**	**2.04**	**2.04**	**2.00**
(ii)	**डोलोमाइट**	**6.95**	**7.08**	**8.27**	**7.39**	**7.96**	**7.96**	**9.00**

11.2.2 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	**आय**	**36.20**	**40.66**	**45.82**	**49.00**	**48.83**	**48.83**	**60.00**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**38.58**	**35.98**	**44.63**	**44.50**	**42.33**	**42.33**	**49.29**
(iii)	**सकल मार्जिन (1-2)**	**-2.66**	**4.52**	**1.19**	**4.50**	**6.50**	**6.50**	**10.71**
(iv)	**मूल्य/डीआईआर**	**-64.13**	**-66.63**	**-81.60**	**-89.00**	**-90.69**	**-90.69**	**-102.13**
(v)	**कर पूर्व लाभ (हानि)**	**-64.12**	**-66.65**	**-81.61**	**-89.00**	**-90.69**	**-90.69**	**-102.13**
(vi)	**प्रदत्त/प्रस्तावित लाभांश**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**

पिछले कुछ वर्षों में से बीएसएलसी हानि में चल रही है। कंपनी के निष्पादन पर इस्पात निर्माण प्रौद्योगिकी फेरबदल, औद्योगिक संबंधी समस्याओं तथा विभिन्न मांग संबंधी अड़चनों ने प्रभाव डाला। बाद में कंपनी की स्थिति में कुछ सुधार होने से कंपनी ने 2006-07 में धनात्मक सकल मार्जिन अर्जित किया है तथापि विभिन्न समस्याओं के कारा विकास करने में यह अब भी समस्याओं का सामना कर रहा है। कंपनी की प्रदत्त पूंजी केवल 0.50 करोड़ रूपए है तथापि, 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार संचित हानि 701.85 करोड़ रूपए (अनंतिम) है। बकाया सरकारी ऋण और उस पर ब्याज जो कुल मिलाकर 710.99 करोड़ रूपए से अधिक है, ऋण साम्या अनुपात दयनीय स्थिति में पहुँच गया है।

11.3 कर्णपुरा डवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (केडीसीएल)

केडीसीएल का गठन वर्ष 1920 में हुआ था प्रारंभ में कंपनी का काम रिफ्रैक्ट्री खनिजों के उत्पादन तथा विपणन के आस-पास केंद्रित था। भारी हानि के चलते कंपनी का रिफ्रैक्ट्री कार्य रोक दिया गया तथा सिमेंट ग्रेड के चूना पत्थर का उत्पादन तथा विपणन करके इसको खनन खंडों में प्रचालन शुरू किया। कंपनी की खानें बिहार में सिरका के निकट स्थित हैं। कंपनी की प्राधिकृत एवं चुकता पूंजी क्रमश: 0.40 करोड़ रूपए तथा 0.20 करोड़ रूपए रहा है।

11.3.1 वास्तविक निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
1.	उत्पादन							
	लाइम स्टोन	**0.77**	**0.67**	**0.51**	**0.75**	**0.35**	**0.35**	**0.47**
2.	प्रेषण							
	लाइम स्टोन	**0.78**	**0.65**	**0.54**	**0.75**	**0.35**	**0.35**	**0.47**

11.3.2 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	**आय**	**1.99**	**1.87**	**1.61**	**2.15**	**1.00**	**1.00**	**1.34**
(ii)	**प्रचालन लागत**	**1.94**	**2.06**	**1.64**	**2.11**	**1.02**	**1.02**	**1.36**
(iii)	**सकल मार्जिन (1-2)**	**0.04**	**-0.19**	**-0.13**	**0.04**	**-0.02**	**-0.02**	**-0.02**
(iv)	**मूल्य/डीआईआर**	**-1.63**	**-2.21**	**-2.56**	**-2.92**	**-2.96**	**-2.96**	**-3.95**
(v)	**कर पूर्व लाभ (हानि)**	**-1.63**	**-2.21**	**-2.56**	**-2.92**	**-2.96**	**-2.96**	**-3.95**
(vi)	**प्रदत्त/प्रस्तावित लाभांश**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**

पिछले कुछ वर्षों से केडीसीएल भी हानि उठा रही है। 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार केडीसीएल की संचित हानि 17.87 करोड़ रूपए (अनंतिम) है। 31.3.2009 की स्थिति के अनुसार 1.55 करोड़ रूपए सरकारी ऋण और उस पर 15.46 करोड़ रूपए ब्याज केडीसी एल की और बकाया है। उत्खनन में विभागीय कामगारों में अनुभव की कमी के चलते कंपनी का लीज होल्ड खानों को कोई अधिकार नहीं होगा तथा लघु खान स्वामित्व के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण भूमि स्वामित्व की समस्या से केडीसीएल के उत्पादों की मांग में कमी आई है तथा इससे कंपनी के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

11.4 स्कॉट एंड सेक्सबी लिमिटेड (एसएसएल)

एसएसएल की स्थापना 1924 में की गई थी तथा यह पूर्ण रूप से केडीसीएल के स्वामित्व वाली गौण कंपनी है। कंपनी के प्रचालन का क्षेत्र गहरे नलकूप खोदना तथा खनिज उत्खनन है। एसएसएल की प्राधिकृत एवं प्रदत्त पूंजी 0.05 करोड़ रूपए है।

11.4.1 वास्तविक निष्पादन

एसएसएल के प्रचालन की प्रकृति के कारण कंपनी का वास्तविक निष्पादन देना संभव नहीं है।

11.4.2 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			2009-10
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	आय	1.65	1.05	2.42	2.24	1.23	1.23	1.64
(ii)	प्रचालन लागत	2.73	4.16	1.34	2.20	1.11	1.11	1.48
(iii)	सकल मार्जिन	-1.17	-3.11	1.08	0.04	0.12	0.12	0.16
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	-9.78	-13.47	-11.48	-16.79	-15.54	-15.54	-20.72
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	-9.78	-13.47	-11.48	-16.79	-15.54	-15.54	-20.72
(vi)	प्रदत्त/प्रस्तावित लाभांश	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

पिछले कुछ वर्षों से एसएलसी भी लगातार हानि उठा रही है। कंपनी की यह कमजोरी इसके पुराने और जर्जर उपस्करों और स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के जरिए जनशक्ति को सही आकार देने के बाद भी अत्यधिक जनशक्ति होने के कारण है। एक अन्य अड़चन गहरे नलकूप खोदने के लिए आर्डरों की कमी इस शन्य निष्पादन के कारण एसएसएल गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही है जिससे इसके वेतन एवं मजदूरी भी बकाया होने के साथ इसकी सांविधिक देयताओं में शामिल है। भविष्य में इसकी आर्डर बुक की स्थिति में सुधार करने की संभावना नहीं है। दिनांक 31.3.2009 के अनुसार कंपनी की संचित हानि 91.93 करोड़ रूपए थी तथा कंपनी 87.48 करोड़ रूपए के भारत सरकार के ऋण तथा इस पर ब्याज का भुगतान भी नहीं कर पाई है।

****